हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शनिवार 19 अक्टुबर 2024 वर्ष : 02 अंक :154 पृष्ठ -14 PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 मूल्य - ₹ 3 पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

राज्यपाल देवव्रत और केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी की मुलाकात में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर चर्चा,

एजेंसी

गुजरात: गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने अजमेर प्रवास के दौरान शुक्रवार को किशनगढ़ में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के निवास पर पहुंचकर शिष्टाचार मुलाकात एवं चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान दोनों के बीच देश में प्राकृतिक खेती को बड़ा वादा नहीं और किसानों को उसकी तरफ आकर्षित करने के विषय पर गहन चर्चा हुई। प्राकृतिक खेती के प्रबल समर्थक राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी को प्राकृतिक कृषि पद्धति के लाभों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि यह मिट्टी की गुणवत्ता को सुधारने और किसानों की आर्थिक स्थिति को बेहतर करने में भी सहायक सिद्ध हो रही है।केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने राज्यपाल की इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और इस बात पर सहमति व्यक्त की कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सभी हरसंभव कदम उठाए जाने चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा

राजग राष्ट्रीय प्रगति को आगे बढ़ाने, गरीबों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यह सभी के लिए खुशी की बात है कि बुधवार को जम्मू कश्मीर में नयी सरकार के कार्यभार संभालने के बाद पहली बार वहां शपथ ग्रहण समारोह भारत के संविधान के तहत हुआ।

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राष्ट्रीय उन्नति को आगे बढ़ाने तथा गरीबों एवं वंचितों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उनके मंत्रिमंडल के पंचकूला में शपथ ग्रहण समारोह के बाद यहां एक पांच सितारा होटल में राजग मुख्यमंत्रियों की बैठक हुई, जिसमें 17 मुख्यमंत्री और 18 उपमुख्यमंत्री शामिल हुए।प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमने सुशासन के पहलुओं और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के तरीकों पर व्यापक चर्चा की। हमारा गठबंधन राष्ट्रीय उन्नति को आगे बढ़ाने और गरीबों तथा वंचितों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।पिछले कई वर्षों में राजग मुख्यमंत्रियों की यह इस तरह की पहली बैठक थी। वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जे पी नड्डा इस बैठक में शामिल थे। बैठक के बारे में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री व भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सुशासन पर जोर दिया।नड्डा के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा, लोगों के हित में, सुशासन पर ध्यान देने का प्रयास किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि आपातकाल लागू होने के 50 साल पूरे होने पर गृह मंत्री अमित शाह ने एक प्रस्ताव रखा।उन्होंने कहा, ह्यह्य1975 में आपातकाल के साथ लोकतंत्र की हत्या हुई थी। 2025 में हम लोकतंत्र की हत्या पर चर्चा करेंगे। हम संविधान की हत्या करने वालों को भी बेनकाब करेंगे और लोगों को बताएंगे कि कैसे उन्होंने संविधान को कुचलने और इसकी मूल भावना का गला घोंटने की कोशिश की।राजनाथ सिंह ने 2025 में संविधान का अमृत महोत्सव मनाने का प्रस्ताव रखा। नड्डा के अनुसार, प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यह सभी के लिए खुशी की बात है कि बुधवार को जम्मू कश्मीर में नयी सरकार के कार्यभार संभालने के बाद पहली बार वहां शपथ ग्रहण समारोह भारत के संविधान के तहत हुआ।इससे पहले जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री को राज्य के संविधान के तहत शपथ दिलाई जाती थी। नड्डा ने कहा कि स्वतंत्र भारत में पहली बार मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में भी भारत के संविधान के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी भाषा-उन्मुख कार्यक्रम आयोजित करने की केंद्र सरकार की योजना पर पुनर्विचार करने की वकालत की है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इस तरह की पहल अलग-अलग भाषाई पहचान वाले क्षेत्रों के बीच संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। अपने पत्र में स्टालिन ने भारत की भाषाई विविधता को स्वीकार करने और उसका जश्न मनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, भारत का संविधान किसी भी भाषा को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा नहीं देता है। हिंदी और अंग्रेजी का उपयोग केवल कानून जैसे आधिकारिक उद्देश्यों के लिए किया जाता है।स्टालिन ने आगे उन राज्यों में हिंदी को बढ़ावा देने के खिलाफ तर्क दिया।

योगी की जीरो टॉलरेंस नीति का दिख रहा असर, लगातार सलाखों के पीछे भेजे जा रहे अपराधी

एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराध और अपराधियों की कमर तोड़ रही है। यूपी पुलिस जहां एक तरफ सीधा मुकाबला करते हुए अबतक 210 बदमाशों को ढेर कर चुकी है, वहीं एक बहुत बड़ी संख्या ऐसे अपराधियों की भी है, जिन्हें न्यायालय में पुलिस की प्रभावी पैरवी से बेदम कर दिया गया है। यूपी पुलिस का अभियोजन निदेशालय इसमें अहम रोल अदा कर रहा है। पिछली सरकारों में जहां अभियोजन निदेशालय हाशिये पर रहता था, वहीं योगी सरकार ने इसे खास तरजीह दी है। इसी का नतीजा है कि प्रदेश के विभिन्न न्यायालयों में अभियोजन निदेशालय की प्रभावी पैरवी से पिछले साढ़े सात वर्षों में 80 हजार से अधिक अपराधियों को उनके गुनाहों की सजा मिल चुकी है। यूपी पुलिस जहां एक तरफ सीधा मुकाबला करते हुए अबतक 210 बदमाशों को ढेर कर चुकी है, वहीं एक बहुत बड़ी संख्या ऐसे अपराधियों की भी है, जिन्हें न्यायालय में पुलिस की प्रभावी पैरवी से बेदम कर दिया गया है। यूपी पुलिस का अभियोजन निदेशालय इसमें अहम रोल अदा कर रहा है। पिछली सरकारों में जहां अभियोजन निदेशालय हाशिये पर रहता था, वहीं योगी सरकार ने इसे खास तरजीह दी है। इसी का नतीजा है कि प्रदेश के विभिन्न न्यायालयों में अभियोजन निदेशालय की प्रभावी पैरवी से पिछले साढ़े सात वर्षों में 80 हजार से अधिक अपराधियों को उनके गुनाहों की सजा मिल चुकी है। अभियोजन निदेशालय के एडीजी दीपेश जुनेजा ने बताया कि पिछले साढ़े सात साल में 81,196 से अधिक अपराधियों को कोर्ट में प्रभावी पैरवी के जरिये सजा दिलायी गयी है। इनमें 29,196 अपराधियों में से 54 को मृत्युदंड, 3125 अपराधियों को आजीवन कारावास, 9,076 अपराधियों को 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 16,941 अपराधियों को 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलायी गयी है। इसके अलावा पिछले 16 माह में ऑपरेशन कन्वेशन के तहत पुलिस और अभियोजन विभाग की ओर से अब तक 52,000 से अधिक अपराधियों को सजा दिलायी जा चुकी है।

कांग्रेस पूरा करने जा रही अपना बड़ा चुनावी वादा, अब तेलंगाना में होगा जाति आधारित सर्वेक्षण, तैयारी पूरी

एजेंसी

तेलंगाना: तेलंगाना में रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के लिए राज्य भर में जाति सर्वेक्षण कराने जा रही है। जाति सर्वेक्षण की मांग कांग्रेस और विपक्ष की ओर से लगातार उठाया जा रहा है। तेलंगाना विधानसभा चुनावों के लिए अपने घोषणापत्र में कांग्रेस ने बड़ा वादा किया था। सरकार बनने के बाद कांग्रेस राज्य में अपना ये वादा पूरा करने जा रही है। यह पिछली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार द्वारा राज्य में समग्र कुटुंबा सर्वेक्षण या एकीकृत घरेलू सर्वेक्षण किए जाने के लगभग एक दशक बाद आया है। पूरे राज्य में कांग्रेस सरकार के जाति सर्वेक्षण अभ्यास में 80,000 से अधिक गणनाकार और 10,000 पर्यवेक्षक शामिल होंगे। सर्वेक्षण का कार्यान्वयन, जिसे आधिकारिक तौर पर सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण कहा जाता है, रेड्डी सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता रही है, जिन्होंने पिछले साल दिसंबर में कार्यभार संभाला था और फरवरी में विधानसभा में इस संबंध में एक प्रस्ताव अपनाया था।

जम्मू-कश्मीर सरकार का पहला प्रस्ताव अनुच्छेद 370 पर नहीं होना बड़ा झटका : पीडीपी

एजेंसी

श्रीनगर । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार का पहला प्रस्ताव जिसमें अनुच्छेद 370 को नहीं, बल्कि राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की गई है, एक ह्लबड़ा झटकाह्ल है और यह केंद्र के 2019 के फैसलों के अनुसमर्थन से कम नहीं है। एक अन्य राजनीतिक दल, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने भी प्रस्ताव की गोपनीयता पर सवाल उठाया है। यह प्रतिक्रिया जम्मू स्थित समाचार पत्र ह्यडेली एक्सेलसियरह्ल द्वारा प्रकाशित एक खबर के बाद आई है, जिसमें कहा गया है कि मंत्रिमंडल ने एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का आग्रह किया है। खबर में यह भी कहा गया है कि मुख्यमंत्री प्रस्ताव का मसौदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सौंपने के लिए दिल्ली जाएंगे।

मुंबई पुलिस को मिला सलमान से पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का संदेश, जांच शुरू

एजेंसी

मुंबई यातायात पुलिस को धमकी भरा एक संदेश मिला है जिसमें अभिनेता सलमान खान से पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई है। मामला संज्ञान में आने के बाद अपराध शाखा ने पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि शहर के यातायात पुलिस नियंत्रण कक्ष के व्हाट्सऐप पर बृहस्पतिवार को दोपहर में संदेश आया था जिसके बाद वर्ली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत धमकी और जबरन वसूली का मामला दर्ज किया। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस के कर्मी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।अधिकारी ने बताया, संदेश भेजने वाले ने कहा कि धमकी को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। पूरे प्रकरण की जांच अपराध शाखा को सौंप दी गई है।ह्लह्ल मशहूर अभिनेता को इससे पहले लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जान से मारने की धमकियां मिली थीं।अधिकारी ने कहा कि बिश्नोई गिरोह के सदस्यों ने अप्रैल में अभिनेता के बांद्रा स्थित आवास के बाहर गोलीबारी भी की थी। इस बीच, नवी मुंबई पुलिस ने बृहस्पतिवार को बिश्नोई गिरोह द्वारा जून में खान की हत्या की साजिश रचे जाने का पदार्फाश किया और उसके एक ह्यशूटरह्ल को गिरफ्तार कर लिया, जिसकी पहचान हरियाणा के पानीपत निवासी सुखबीर सिंह के रूप में हुई है।

भगवान हमारे साथ है, कारवां दिन प्रतिदिन बढ़ रहा,

पीएम मोदी को मांगनी चाहिए माफी

एजेंसी

सत्येंद्र जैन के बेल पर कुछ इस अंदाज में AAP नेताओं ने दिया रिएक्शन

नई दिल्ली: मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को जमानत मिलने पर आप नेताओं की प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सत्येंद्र जैन को भी दो साल से ज्यादा जेल में रहने के बाद बेल मिल गई। इनका कसूर क्या था? इनके यहाँ कई कई बार रेड हुई। एक पैसा भी नहीं मिला। इनका कसूर सिर्फ. इतना था कि इन्होंने मोहल्ला क्लिनिक बनाये और दिल्ली के सभी लोगों का पूरा इलाज मुफ्त कर दिया। मोहल्ला क्लिनिक बंद करने के लिए और गरीबों का फ्री इलाज रोकने के लिए मोदी जी ने इन्हें जेल में डाल दिया। लेकिन भगवान हमारे साथ है। आज ये भी रिहा हो गए।दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट से जमानत मिलने पर आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि आज मुझे बहुत खुशी है कि हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन को जमानत मिल गई है।

नारायण साईं को हाई कोर्ट से जमानत, जोधपुर जेल में बंद पिता आसाराम से 11 साल बाद होगी मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली: बलात्कार के मामले में सूरत जेल में सजा काट रहे नारायण साईं को जोधपुर जेल में अपने बुजुर्ग पिता आसाराम से मिलने की इजाजत दे दी गई है। आसाराम की बढ़ती उम्र को देखते हुए नारायण साईं ने आसाराम से मिलने के लिए गुजरात हाई कोर्ट में अर्जी दी थी। डबल जज की बेंच की ओर से सकारात्मक जवाब दिया गया है। नारायण साईं अपने पिता आसाराम से जोधपुर जेल में 4 घंटे तक मुलाकात करेंगे। 11 साल से बेटे और पिता की मुलाकात नहीं हुई है।आसाराम की बढ़ती उम्र को देखते हुए नारायण साईं ने गुजरात हाई कोर्ट में आसाराम से मिलने के लिए 30 दिन की अंतरिम जमानत मांगी थी। जिसमें कहा गया कि आसाराम 86 साल के हैं। वे वृद्धावस्था संबंधी समस्याओं से पीड़ित हैं। वह जोधपुर जेल में बंद हैं। इससे पहले उन्हें जोधपुर एम्स में भर्ती कराया गया था। फिर उन्हें एक आयुर्वेदिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी तबीयत बिगड़ती जा रही है। दिल का दौरा भी पड़ता है. एंजियोग्राफी से पता चला कि उनकी दो नसों में 90 प्रतिशत ब्लॉक है। उनका हीमोग्लोबिन भी कम था और आंतरिक रक्तस्राव भी था। वह मधुमेह और रक्तचाप से पीड़ित हैं।

सीएम रहते हुए दाऊद इब्राहिम से मिले थे शदर पवार,

महाराष्ट्र में चुनाव से पहले इस बड़े नेता का सनसनीखेज दावा

एजेंसी

महाराष्ट्र: वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) प्रमुख प्रकाश अंबेडकर ने सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (एनसीपी-एसपी) प्रमुख शरद पवार ने एक बार दुबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में दाऊद इब्राहिम से मुलाकात की थी। प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि वह आरोप नहीं लगा रहे बल्कि कुछ तथ्य सामने रख रहे हैं। अंबेडकर ने बताया कि शरद पवार 1988 से 1991 तक मुख्यमंत्री थे और उस दौरान उन्होंने विदेश यात्रा की। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पवार पहले लंदन गए, फिर एक बैठक के लिए कैलिफोर्निया में दो दिन बिताए। उन्होंने कहा कि मैंने कोई आरोप नहीं लगाया है लेकिन मैंने सिर्फ कुछ तथ्य सामने रखे हैं। 1998-1991 तक शरद पवार मुख्यमंत्री थे और उस दौरान वह लंदन गए और फिर एक बैठक के लिए कैलिफोर्निया गए। वह वापस लंदन आए और फिर प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि 'वह दुबई गए। उन्होंने दुबई में दाऊद इब्राहिम से मुलाकात की। हम पूछ रहे हैं कि क्या केंद्र सरकार ने इस मुलाकात को मंजूरी दी थी।अंबेडकर ने इस बात पर जोर दिया कि इब्राहिम के साथ पवार की इस मुलाकात की बारीकियों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। अंबेडकर ने आगे कहा कि पवार उस शाम लंदन लौट आए और दो दिन बाद भारत वापस आए।

Maharashtra Election: MVA में सीट शेयरिंग फॉर्मूला लगभग तय

इन 28 सीटों पर फंसा पेंच, बड़े भाई की भूमिका में नजर आ सकती है कांग्रेस

एजेंसी

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान सिर्फ एक महीने दूर है और सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महा विकास अघाड़ी के सहयोगियों के बीच सीट-बंटवारे को लेकर गहन चर्चा हो रही है। महायुति में बीजेपी, शिवसेना-शिंदे और एनसीपी-अजित पवार शामिल हैं जबकि महा विकास अघाड़ी में कांग्रेस, एनसीपी-शरद पवार और शिवसेना-उद्धव गुट शामिल हैं। दोनों पक्षों ने अधिकांश सीटों पर सीट-बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप दे दिया है, लेकिन कम से कम 20-30 सीटें ऐसी हैं जिसको लेकर पेंच फंस रहा है और हर प्रमुख पार्टी इस पर अपना दावा जता रही है। शिवसेना-यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा है कि एमवीए में सभी तीन प्रमुख दलों - कांग्रेस, एनसीपी-शरद पवार और सेना-यूबीटी को कुल 288 विधानसभा सीटों में से प्रत्येक को 100 से कम सीटें मिलने की संभावना है। समाजवादी पार्टी, वामपंथी दल और पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी सहित कुछ अन्य छोटे सहयोगी दल भी हैं जिन्हें 2-3 सीटें मिलने की संभावना है। हालाँकि, रिपोर्टों के अनुसार, कांग्रेस लोकसभा चुनाव में अपने बेहतर प्रदर्शन का हवाला देते हुए गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका निभाने पर अड़ी हुई है और 110-115 विधानसभा सीटों पर दावा कर रही है। यदि ऐसा होता है, तो शिवसेना-यूबीटी को लगभग 85-86 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर, जबकि एनसीपी-एसपी लगभग 75 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर रहेगी।कांग्रेस नेता नाना पटोले ने कहा है कि गठबंधन ने 260 सीटों के आवंटन को अंतिम रूप दे दिया है, जबकि 28 सीटों का मामला पार्टी के आलाकमान को भेजा गया है क्योंकि सभी तीन प्रमुख सहयोगियों ने इन सीटों पर दावा किया है। उम्मीदवारों के नाम और सीट-बंटवारे समझौते को अंतिम रूप देने के लिए कांग्रेस पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति 20 अक्टूबर को अपनी बैठक करेगी। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) अपने गढ़ मुंबई और कोंकण में अधिक संख्या में सीटें हासिल करने का प्रयास कर रही है।

डॉ. दिलीप जायसवाल बने भाजपा के सक्रिय सदस्य, बिहार मे प्रारंभ हुआ सक्रिय सदस्यता अभियान

भाजपा के सदस्यता अभियान को डॉ. दिलीप जायसवाल ने दी गति, 50 सदस्य पंजीकरण अनिवार्य

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ सक्रिय सदस्यता अभियान भाजपा को जमीनी स्तर पर करेगा मजबूत: डॉ. दिलीप जायसवाल

दिनांकः 18 अक्टूबर 2024आज भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष सह भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने सक्रिय सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर उन्होंने कहा, "भाजपा के एक कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय सदस्य बनने पर मुझे गर्व है।

डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि पार्टी का यह सदस्यता अभियान एक ऐसा आंदोलन है जो जमीनी स्तर पर भाजपा को और मजबूत करेगा और राष्ट्रीय प्रगति के लिए कार्यकताओं का प्रभावी योगदान सुनिश्चित करेगा।

डॉ जायसवाल ने कहा, "यह आंदोलन हमारे कार्यकताओं के बीच प्रतिबद्धता और समर्पण की भावना को मजबूत करेगा और उन्हें प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण के लिए सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए सशक्त करेगा।

डॉ. दिलीप जायसवाल ने आगे कहा कि पार्टी का सक्रिय सदस्य होने के लिए एक कार्यकर्ता को एक बूथ या विधानसभा सीट पर 50 सदस्यों को पंजीकृत करना होता है।ऐसे कार्यकर्ता मंडल समिति और उससे ऊपर के पदों के लिए चुनाव लड़ने के पात्र होंगे। साथ ही उन्हें आने वाले समय में पार्टी के लिए काम करने के कई मौके मिलेंगे। इस अवसर पर बिहार प्रदेश के सदस्यता संयोजक श्री जीवेश मिश्रा उपस्थित रहे।

डॉ. के. लक्ष्मण द्वारा की गयी प्रदेश संगठन चुनाव अधिकारी और सह चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति

■ बीजेपी की संगठनात्मक चुनावी तैयारी: प्रदेश में चुनाव अधिकारियों की नई टीम गठित

■ प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जासवाल के सुझाव पर चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति

■ राजेश वर्मा बने प्रदेश चुनाव अधिकारी,तीन सह अधिकारियों की नियुक्ति

18 अक्तूबर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश की आगामी संगठनात्मक चुनावों के सफल संचालन के लिए निम्नलिखित अधिकारियों की नियुक्ति की गई है:

1. श्री राजेश वर्मा - प्रदेश चुनाव अधिकारीश्री वर्मा आगामी संगठन चुनावों की समग्र जिम्मेदारी संभालेंगे और चुनाव से जुड़े सभी कार्यों का समन्वय करेंगे।
2. श्रीमती सजल झा - सह चुनाव अधिकारी श्रीमती झा चुनाव संचालन में सहायता प्रदान करेंगी और चुनाव प्रक्रिया की सुचारुता सुनिश्चित करेंगी।
3. श्री त्रिविक्रम सिंह - सह चुनाव अधिकारी श्री सिंह चुनाव प्रक्रिया में समन्वय और समर्थन देंगे, ताकि सभी कार्य समय पर और कुशलता से पूर्ण हो सकें।4. श्री सिद्धार्थ शम्भू - सह चुनाव अधिकारी श्री शम्भू भी चुनाव संबंधी जिम्मेदारियों में सहयोग करेंगे और आवश्यक दिशा-निदेर्शों के पालन की देखरेख करेंगे।

प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री दानीश इकबाल ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जासवाल जी द्वारा सुझाए गए नामों को राष्ट्रीय संगठनात्मक चुनाव अधिकारी सह राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रदेश चुनाव अधिकारी और सह चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की है।

प्रदेश चुनाव अधिकारी श्री राजेश वर्मा और उनकी टीम को यह जिम्मेदारी सौंपते हुए पार्टी को पूरा विश्वास है कि वे अपने अनुभव और नेतृत्व क्षमता के साथ चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न करेंगे।डॉ. दिलीप जायसवाल बने भाजपा के सक्रिय सदस्य, बिहार मे प्रारंभ हुआ सक्रिय सदस्यता अभियान भाजपा के सदस्यता अभियान को डॉ. दिलीप जायसवाल ने दी गति, 50 सदस्य पंजीकरण अनिवार्य

सक्रिय सदस्यता अभियान भाजपा को जमीनी स्तर पर करेगा मजबूतः डॉ. दिलीप जायसवाल

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांकः 18 अक्टूबर 2024आज भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष सह भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने सक्रिय सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर उन्होंने कहा, "भाजपा के एक कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय सदस्य बनने पर मुझे गर्व है।डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि पार्टी का यह सदस्यता अभियान एक ऐसा आंदोलन है जो जमीनी स्तर पर भाजपा को और मजबूत करेगा और राष्ट्रीय प्रगति के लिए कार्यकताओं का प्रभावी योगदान सुनिश्चित करेगा।डॉ जायसवाल ने कहा, यह आंदोलन हमारे कार्यकताओं के बीच प्रतिबद्धता और समर्पण की भावना को मजबूत करेगा और उन्हें प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण के लिए सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए सशक्त करेगा।

समाहरणालय सभा कक्ष में जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति (20) सूत्री की बैठक सम्पन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को मंत्री ग्रामीण विकास विभाग बिहार- सह - प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार की अध्यक्षता में जिला कार्यक्रम कार्यान्वन समिति (20 सूत्री) की बैठक की गई। बैठक में सर्वप्रथम विगत बैठक की कार्रवाई का अनुपालन प्रस्तुत किया गया जिसमें एमएलसी डॉक्टर तरुण कुमार चौधरी के अनुपालन का बिंदु मुक्तापुर मोईन को पर्यटन के रूप में विकसित करने के आलोक में बताया गया कि समस्तीपुर जिला के कल्याणपुर अंचल अंतर्गत मुक्तापुर मोईन को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु एक्सपर्ट टीम से फीजिबिलिटी एनालिसिस करने के संबंध में सामान्य शाखा के पत्रांक 1606 दिनांक 12.7.2024, पत्रांक 1952 ,12.8.2024 एवं पत्रांक 2292 14.9.2024 के द्वारा जिलाधिकारी के स्तर से पर्यटन विभाग बिहार पटना को पत्र भेजा गया है। कल्याणपुर प्रखंड अंतर्गत मुक्तापुर मोईन को एक्वा पार्क के रूप में विकसित करने हेतु एक्सपर्ट टीम से फीजिबिलिटी एनालिसिस करने के संबंध में जिला विकास शाखा के पत्रांक 443 दिनांक 4 .9. 2024 द्वारा पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग बिहार पटना को पत्र भेजा गया। सदस्य बिहार विधानसभा विभूतिपुर अजय कुमार के द्वारा पूर्व बैठक में किए गये पृच्छा जिसमें समस्तीपुर से रोसडा जाने वाले पथ पर जल जमाव की स्थिति बनी रहती है के विषय में बताया गया कि वर्णित पत्र समर्था चांद सुरौली पथ की लंबाई 10 किलोमीटर के नाम से एमएमजीएसयूवाई योजना के तहत एकरारनामा किया गया है, निर्धारित तक कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। इसी प्रकार सभी माननीय द्वारा गत बैठक में उठाए गये मुद्दों का अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया जिस पर सर्व सम्मति से उसको अनुपालित माना गया। इसके पश्चात अध्यक्ष सह प्रभारी मंत्री द्वारा नव मनोनीत जिला कार्यक्रम कार्यान्वन समिति के सदस्यों का स्वागत किया गया एवं सभी माननीयों से अनुरोध किया गया कि सभी नवनियुक्त सदस्य अपने प्रमुख दो से तीन मुद्दों को रखें जिस पर आगे कार्य योजना बनाकर उन्हें पूर्ण किया जा सके इस पर सभी नवनियुक्त सदस्यों द्वारा अपनी प्रमुख योजनाओं को अध्यक्ष के समक्ष रखा गया। जिस पर अध्यक्ष द्वारा जिलाधिकारी को निर्देश दिया गया।

शांतिपूर्ण तरीके से महाबीरी अखाड़े का हुआ समापन,युवाओ ने दिखाये लाठी डंडों व तलवारों से करतब

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान: सिवान जिले के हुसैनगंज प्रखंड क्षेत्र जुड़कन में आयोजित हुए महाबीरी अखाड़े का जूलूस व शोभायात्रा शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ,इस जुलूस में हजारों की संख्या में स्थानीय युवाओ,बुजुर्गों व बच्चो ने भी भाग लिया,अखाड़े के जुलूस की दौरान युवाओ ने लाठी,डंडों व तलवारों से तरह तरह के करतब दिखाए।

अखाड़े के जुलूस के दौरान प्रशासन भी पूरी तरह से सजग रही व जगह जगह पर तैनात रही। वही सुरक्षा को लेकर वीडियोग्राफी,उउळश कैमरे सहित अन्य व्यवस्था की गई थी।

उपद्रवियों पर नजर रखी जा रही थी व प्रशासन के द्वारा सख्त दिशा निर्देश उनको पहले ही दिए जा चुके थे। वही शांतिपूर्ण तरीके से अखाड़ा का समापन हुआ।

इस महाबीरी अखाडे में जुड़कन,पैगम्बरपुर, रसिद्चक के अखाड़े शामिल होते है व मिलान करते है,इसके उपरांत घण्टो करतब दिखाते है,ढोल नगाड़ों की आवाज पर युवा थिरकते व करतब करते दिखे।शांतिपूर्ण तरीके से महाबीरी अखाड़े का हुआ समापन,युवाओ ने दिखाये लाठी डंडों व तलवारों से करतब

ग्रामीण विकास विभाग बिहार- सह - प्रभारी मंत्री समस्तीपुर की अध्यक्षता में

जिला कार्यक्रम कार्यान्वन समिति (20 सूत्री) की बैठक की गई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समाहरणालय सभागार समस्तीपुर में दिनांक 18 .10. 2024 को श्री श्रवण कुमार माननीय मंत्री ग्रामीण विकास विभाग बिहार- सह -प्रभारी मंत्री समस्तीपुर की अध्यक्षता में जिला कार्यक्रम कार्यान्वन समिति (20 सूत्री) की बैठक की गई। बैठक में सर्वप्रथम विगत बैठक की कार्रवाई का अनुपालन प्रस्तुत किया गया जिसमें श्री तरुण कुमार ,माननीय सदस्य विधान परिषद समस्तीपुर के अनुपालन का बिंदु मुक्तापुर मोईन को पर्यटन के रूप में विकसित करने के आलोक में बताया गया कि समस्तीपुर जिला के कल्याणपुर अंचल अंतर्गत मुक्तापुर मोईन को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु एक्सपर्ट टीम से फीजिबिलिटी एनालिसिस करने के संबंध में सामान्य शाखा के पत्रांक 1606 दिनांक 12.7.2024, पत्रांक 1952 ,12.8.2024 एवं पत्रांक 2292 14.9.2024 के द्वारा जिलाधिकारी महोदय के स्तर से पर्यटन विभाग बिहार पटना को पत्र भेजा गया है। कल्याणपुर प्रखंड अंतर्गत मुक्तापुर मोईन को एक्वा पार्क के रूप में विकसित करने हेतु एक्सपर्ट टीम से फीजिबिलिटी एनालिसिस करने के संबंध में जिला विकास शाखा के पत्रांक 443 दिनांक 4 .9. 2024 द्वारा पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग बिहार पटना को पत्र भेजा गया ।श्री अजय कुमार माननीय सदस्य बिहार विधानसभा विभूतिपुर के द्वारा पूर्व बैठक में किए गए पृच्छा जिसमें समस्तीपुर से रोसडा जाने वाले पथ पर जल जमाव की स्थिति बनी रहती है के विषय में बताया गया कि वर्णित पत्र समर्था चांद सुरौली पथ की लंबाई 10 किलोमीटर के नाम से एमएमजीएसयूवाई योजना के तहत एकरारनामा किया गया है, निर्धारित तक कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। इसी प्रकार सभी माननीय द्वारा गत बैठक में उठाए गए मुद्दों का अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया जिस पर सर्व सम्मति से उसको अनुपालित माना गया। इसके पश्चात अध्यक्ष महोदय सह प्रभारी मंत्री जी द्वारा नव मनोनीत जिला कार्यक्रम कार्यान्वन समिति के सदस्यों का स्वागत किया गया एवं सभी माननीयों से अनुरोध किया गया कि सभी नवनियुक्त सदस्य अपने प्रमुख दो से तीन मुद्दों को रखें जिस पर आगे कार्य योजना बनाकर उन्हें पूर्ण किया जा सके इस पर सभी नवनियुक्त सदस्यों द्वारा अपनी प्रमुख योजनाओं को माननीय अध्यक्ष महोदय समक्ष रखा गया जिस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा जिलाधिकारी समस्तीपुर को निर्देश दिया गया कि सभी योजनाओं को शामिल करने की दिशा में आवश्यक किया जाए। इसके पश्चात सभी विभागों की समीक्षा बैठक की गई एवं पूर्व के लंबित मामलों /कार्यों को पूर्ण कर प्रतिवेदन समर्पित करने हेतु सभी संबंधित विभागीय पदाधिकारी को निर्देश दिया गया ।बैठक में श्री रणविजय साहू माननीय सदस्य विधानसभा ,श्री अख्तरुल इस्लाम शाहीन माननीय सदस्य बिहार विधानसभा, श्री अशोक कुमार माननीय सदस्य बिहार विधानसभा श्री तरुण कुमार माननीय सदस्य बिहार विधान परिषद ,महापौर नगर निगम सहित अन्य माननीय तथा सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी मौजूद थे।

2165 चापाकलों का मरम्मति कार्य किया जा चुका है अनवरत कार्य किया जा रहा है

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

आम जनों की सूलभता हेतु जिला नियंत्रण कक्ष (दूरभाष-06274-295464) के अतिरिक्त वर्णित कनीय अभियंता / सहायक अभियंता / कार्यपालक अभियंता से सम्पर्क किया जा सकता है।

वर्तमान में पेयजल की उपलब्धता बनाये रखे जाने के लिए लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, समस्तीपुर के द्वारा अनवरत कार्य किया जा रहा है। पाक्षिक रूप से भूजल-स्तर का अनुश्रवण किया जा रहा है। 30.09.2024 को मापी के अनुसार जिले का औसत जल स्तर 22'01" है। जो विगत वर्ष के अनुपात में 01'11" नीचे चला गया है। कार्यपालक अभियंता, द्वारा बताया गया कि दिनांक-17.10.2024 तक 2165 चापाकलों का मरम्मति कार्य किया जा चुका है। आम जनों की सूलभता हेतु जिला नियंत्रण कक्ष (दूरभाष-06274-295464) के अतिरिक्त वर्णित कनीय अभियंता / सहायक अभियंता / कार्यपालक अभियंता से सम्पर्क किया जा सकता है ।विगत सप्ताह में विद्युत दोष के कारण कई योजनाओं का मोटर जलने की सूचना प्राप्त हुई है, जिसकी निराकरण कराया गया है एवं कुछ निराकरण की प्रक्रिया में है। कार्यपालक अभियंता, द्वारा आम लोगों से अनुरोध किया गया कि ऐसी परिस्थिति में संयम्बनाये रखे, क्योंकि मोटर जलने की समस्या के निराकरण में व्यवहारिक रूप से कुछ समय ज्यादा लग जाते है। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि वार्ड क्रियान्वयन एवं प्रबंधन समिति द्वारा क्रियान्वित जलापूर्ति योजनाओं के परिचालन एवं रख रखाव की जिम्मेवारी विभाग को दी गयी है। इस कार्य हेतु योजनाओं का हस्तांतरण पंचायती राज विभाग से प्राप्त किया जा चूका है, अब तक विभिन्न प्रखंडों के 3249 वार्डों का हस्तांतरण प्राप्त कर लिया गया है। हस्तांतरण प्राप्त वार्डों को कार्यरत रखे जाने हेतु निविदा के माध्यम से कार्य प्रारंभ की गई है। पंचायती राज विभाग से प्राप्त योजनाओं की समस्या का निराकरण साधारण मरम्मति कराकर किया जा रहा है।

दिव्यांगजनों को ₹विशिष्ट पहचान पत्र₹ वऊक्रऊकार्ड प्रदान करने के उद्देश्य से शिविर आयोजन कर UDID अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

अपर मुख्य सचिव -सह- अध्यक्ष राह- प्रबंध निदेशक, समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-1176, दिनांक 09.10.2024 निदेशानुसार राज्य के प्रत्येक दिव्यांगजनों को "विशिष्ट पहचान पत्र" वऊक्रऊकार्ड प्रदान करने के उद्देश्य से वऊक्रऊ परियोजना का कार्यान्वयन दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है। जिसका संचालन बिहार राज्य में स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। यह विदित है कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु वऊक्रऊकार्ड एकल दस्तावेज के रूप में मान्य है ।ज्ञातव्य हो कि जनगणना 2011 के अनुसार समस्तीपुर जिले में कुल दिव्यांगजनों की जनसंख्या-81,876 है। जिनने लगभग 41593 दिव्यांगजनों का ही अबतक वऊक्रऊ कार्ड निर्गत किया गया है. तथा शेष लबित है। जिसे अविलम्ब निष्पादन किया जाना अतिआवश्यक है।

अतः उपरोक्त वस्तु स्थिति की गंभीरता के मद्देनजर वऊक्रऊके पोर्टल पर लंबित आवेदन के साथ-साथ शत-प्रतिशत दिव्यांगजनों को वऊक्रऊ कार्ड प्रदान करने के लक्ष्य प्राप्ति के निमित्त जिलान्तर्गत सभी प्रखण्डों में विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। जिसकी तिथियार रोस्टर निम्नवत्त है-

शिबिर आयोजन की तिथि
शिविर आयोजन स्थल
18.10.2024 (शुक्रवार)
प्रखण्ड कार्यालय परिसर विधान
19.10.2024 (शनिवार)
प्रखण्ड कार्यालय परिसर हसनपुर
21.10.2024 (सोमवार)
प्रखण्ड कार्यालय परिसर रोसड़ा
22.10.2024 (मंगलवार)
प्रखण्ड कार्यालय परिसर सिंधिया
23.10.2024 (बुधवार)
प्रखण्ड कार्यालय परिसर शिवाजीनगर
24.10.2024 (गुरुवार)
प्रखण्ड कार्यालय परिसर विभूतिपुर
25.10.2024 (शुक्रवार)
प्रखण्ड कार्यालय परिसर दलसिंहसराय
28.10.2024 (शनिवार)
28.10.2024 (सोमवार)
प्रखण्ड कार्यालय परिसर उजियारपुर
प्रखण्ड कार्यालय परिसर विद्यापतिनगर
29.10.2024 (मंगलवार)
प्रखण्ड कार्यालय परिसर पटोरी
30.10.2024 (बुधवार)
01.11.2024 (शुक्रवार)
02.11.2024 (शनिवार)
प्रखण्ड कार्यालय परिसर मोहनपुर
प्रखण्ड कार्यालय परिसर मोहिउदीननगर
प्रखण्ड कार्यालय परिसर सरायरंजन
04.11.2024 (सोमवार)
प्रखण्ड कार्यालय परिसर खानपुर
05.11.2024 (मंगलवार)
प्रखण्ड कार्यालय परिसर कल्याणपुर
11.11.2024 (सोमवार)
प्रखण्ड कार्यालय परिसर वारिसनगर
12.11.2024 (मंगलवार)
प्रखण्ड कार्यालय परिसर मोरवा
13.11.2024 (बुधवार)
15.11.2024 (शुक्रवार)
16.11.2024 (शनिवार)

दस विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अन्तर्गत मतदाताओं का नाम जोड़ने आदि) का कार्य ऑनलाईन ऑफलाईन बी0एल0ओ0 के माध्यम से बी.एल.ओ. एप्प द्वारा किया जाता

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

आम लोगों से अपील की जाती है कि ऑनलाईन आवेदन सावधानीपूर्वक भरें एवं सभी प्रकार के वांछित कागजात अवश्य अपलोड करें। इस कार्य में किसी प्रकार के सहयोग हेतु जिला स्तर पर हेल्प लाईन स्थापित है, जिसका टॉल फ्री नम्बर-1950 है। इस टॉल फ्री नम्बर पर निर्वाचन सम्बंधी सभी प्रकार की समस्या का समाधान किया जाता है। कोई मतदाता पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 05:00 बजे तक अपने समस्या का समाधान पा सकते है।

समस्तीपुर जिलान्तर्गत दस विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अन्तर्गत मतदाताओं का प्रपत्र-6 में (नाम जोड़ने), प्रपत्र-7 में (नाम हटाने) एवं प्रपत्र-8 में (नाम संशोधन आदि) का कार्य ऑनलाईन www.voters.eci.gov.i» »f एवं श्ङ्कइी१ ली'स्र छल्ली स्त्रस्र के माध्यम से एवं ऑफलाईन बी०एल०ओ० के माध्यम से बी.एल.ओ. एप्प द्वारा किया जाता है, जिसमें प्राप्त दावा/आपत्ति का अनुश्रवण एवं निष्पादन निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी/सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के द्वारा किया जाता है, जिसके पश्चात प्राप्त सभी दावा/आपत्तियों का कागजातों के आधार पर स्वीकृत/अस्वीकृत किया जाता है। इस आलोक में दिनांक-22.01.2024 से दिनांक-18.10.2024 तक नाम जोड़ने हेतु प्रपत्र-6 में कुल-88522 आवेदन प्राप्त हुए। जॉचोपरान्त कुल-16479 आवेदनों को अस्वीकृत, कुल 67885 आवेदनों को स्वीकृत, नाम हटाने हेतु प्रपत्र-7 में कुल-38502 आवेदन प्राप्त हुए जॉचोपरान्त कुल-2175 आवेदनों को अस्वीकृत, कुल-30342 आवेदनों को स्वीकृत एवं नाम में संशोधन आदि हेतु प्रपत्र-8 में कुल-49986 आवेदन प्राप्त हुए जॉचोपरान्त कुल-7395 आवेदनों को अस्वीकृत, कुल-40161 आवेदनों को स्वीकृत किया गया है। अस्वीकृत के मामले से स्पष्ट होता है कि ऑनलाईन आवेदन त्रुटिपूर्ण किए जाते है इसलिए जॉचोपरान्त उन्हें अस्वीकृत करना पड़ता है।

इसलिए आम लोगों से अपील की जाती है कि ऑनलाईन आवेदन सावधानीपूर्वक भरें एवं सभी प्रकार के वांछित कागजात अवश्य अपलोड करें। इस कार्य में किसी प्रकार के सहयोग हेतु जिला स्तर पर हेल्प लाईन स्थापित है, जिसका टॉल फ्री नम्बर-1950 है। इस टॉल फ्री नम्बर पर निर्वाचन सम्बंधी सभी प्रकार की समस्या का समाधान किया जाता है। कोई मतदाता पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 05:00 बजे तक अपने समस्या का समाधान पा सकते है।

नत्थू द्वार पंचायत में चल रहे योजना को लेकर मुखिया उमर आलम की खूब हो रही है चर्चा

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के खानपुर ब्लॉक के अंतर्गत नत्थू द्वार पंचायत के मुखिया उमर आलम के कार्य की सराहना ग्रामीण के अलावा अगल बगल के पंचायतों में भी खूब हो रहा है। बताया जाता है की पंचायत चुनाव हुए तीन साल बीतने को है, इतने ही दिनों में नत्थू द्वार पंचायत में कार्यों की झड़ी लग गई जिसमें मनरेगा के तहत कच्चा वर्ग, मिट्टी भराई, ईंट करण के अलावा पंचायत में कुआं का जीर्णोद्वार किया गया है। किसी ने मुखिया उमर आलम को बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया की यहां के मुखिया द्वारा एक ही काम को दोहराया गया है ताकि आमदनी होती रहे। इस संबंध में नत्थू द्वार के मुखिया ने बताया की पंचायत में कुछ ऐसे भी लोग होते हैं जो विपरीत रोल अदा करने में उन्हें अच्छा लगता है। उन्होंने बताया की पसंद अपनी अपनी ख्याल अपना अपना। मुखिया ने बताया कि कोई एक योजना एक ही दफा किया जाता है जो पांच साल तक के लिए हुआ करता है, उन्होंने बताया कि कोई योजना निपटाने के पश्चात पांच साल तक दोहराया नहीं जा सकता। कुल मिलकर नत्थू द्वार पंचायत में चल रहे योजना संतोष जनक पाया गया।

डेरनी थानान्तर्गत वाहन जाँच के दौरान चोरी के मोटरसाईकिल के साथ 01 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार एवं 02 विधि विरूद्ध बालक को किया गया निरूद्ध

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक-17.10.24 को डेरनी थानान्तर्गत बली बाबा चौक के पास गस्ती टीम के द्वारा वाहन चेकिंग किया जा रहा था। वाहन चेकिंग के दौरान गस्ती टीम के द्वारा मोटरसाईकिल सवार संदिग्ध व्यक्तियों की जाँच / तलाशी ली जा रही थी। इसी क्रम में 01 मोटरसाईकिल सवार 01 व्यक्ति एवं 02 विधि विरूद्ध बालक से पूछ-ताछ एवं जाँच में उक्त मोटरसाईकिल के संबंध में पूछा गया तो उनके द्वारा मोटरसाईकिल से संबंधित कोई कागजात उपस्थित नहीं किया गया तथा मोटरसाईकिल के संबंद्ध में कोई संतोषजनक जबाब नहीं दिया गया। जाँच के क्रम में ज्ञात हुआ कि उक्त मोटरसाईकिल चोरी का है। इस संदर्भ में डेरनी थाना कांड सं0-220/24 दिनांक-17.10.2024 धारा-317 (5)/3(5) बी०एन०एस० दर्जकर अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

> गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पताः-
1. विकाश कुमार शर्मा, पिता- प्रमोद ठाकुर, साकिन पटराही खुर्द, थाना भेल्दी, जिला सारण।

> निरूद्ध विधि विरूद्ध बालक का नाम एवं पता :-
2. सुरज शर्मा, पिता मोहन शर्मा, साकिन पटराही खुर्द, थाना भेल्दी, जिला- सारण।
3. निखिल कुमार, पिता-राजकुमार बैठा, साकिन पटराही खुर्द, थाना भेल्दी, जिला- सारण।

> जप्त / बरामद सामानों की विवरणीः-
चोरी की गई मोटरसाईकिल -01

? टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी :-
पु०अ०नि० प्रियंका कुमारी थानाध्यक्ष डेरनी थाना, ढळउ गोपाल प्रसाद सिंह डेरनी थाना एवं डेरनी थाना के अन्य कर्मी।

सारण पुलिस,
आपकी सेवा में सदैव तत्पर...

पोषण पुनर्वास केंद्र में पूरे हो रहें बेबस मां के अरमान, नौनिहालों के चेहरे पर लौट रही है मुस्कान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- कुपोषित बच्चे के जीवन में उजियारा ला रहा है पोषण पुनर्वास केंद्र
- मेरी लाडली और लाडला दोनो हो गये थे कुपोषित, अब स्वस्थ होकर घर लौटे
- जागरूकता फैलाने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण

छपरा। हर मां की लालसा होती है कि कलेजे के टुकड़े को खिला-पिलाकर स्वस्थ रखे। उसके मनोरंजन के लिए मनपसंद खिलौने दे, लेकिन मुफलिसी व बेबसी के कारण उसकी इच्छा पूरी नहीं हो पाती। उसके अरमान को पूरा कर रहा है छपरा सदर अस्पताल में स्थापित पोषण पुनर्वास केंद्र। यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में न सिर्फ कुपोषण के चलते बीमारियों से ग्रसित नौनिहालों का उपचार किया जा रहा है, बल्कि वार्ड में बच्चों को खेलने से लेकर सभी सुविधाएं भर्ती के दौरान मुहैया कराई जा रही हैं। पोषण पुर्नवास केंद्र बच्चों को न केवल नवजीवन प्रदान कर रहा है, बल्कि कुपोषण के खिलाफ जारी जंग में बड़ा हथियार साबित हो रहा है। मेरी लाडली और लाडला को मिला जीवनदानमेरी तीन वर्षीय बेटी पीहू कुमारी कुपोषण का शिकार थी, वह काफी कमजोर थी जिस वजह से वह हमेश बीमार रहती थी, तब मुझे पोषण पुनर्वास केंद्र के बारे में जानकारी मिली तब मैनें अपने बेटी और बेटे दोनों को लेकर यहां आयी। जब यहां आयी थी तो बेटी पिहू का वजन सिर्फ 8 किलो 500 ग्राम था। यहां 21 दिन तक रही और सभी स्वास्थ्यकर्मियों ने अच्छेसे निस्वार्थ भाव से देखभाल और इलाज कर मेरी बेटी को पूरी तरह से स्वस्थ कर दिया। अब उसकी वजन बढ़कर 9 किलो 700ग्राम हो गया है। इसी तहर मेरा बेटा आशीष जो दो साल का है वह भी काफी कमजोर था। उसे खून की कमी थी। लेकिन यहां भर्ती होने के बाद वह पूरी तरह से ठीक हो गया। उसका भी वजहन 7 किलो 600 ग्राम से बढ़कर 8 किलो 700 ग्राम हो गया है। वह भी पूरी तरह से ठीक है।

सीमा देवी, गोदना, रिविलगंज सारण
अब मेरी बेटी खूब खिलखिलाती है और खेलती है:मेरी अनुष्का कुमारी जो 13 माह की है। हमेशा बीमार रहती थी, उसे हमेशा बुखार रहता था और सुस्त रहती थी। चेहरे पर कभी मुस्कान नहीं आती। कितना भी इलाज कराएं लेकिन ठीक नहीं हो रही थी। एक दिन मेरे पड़ोस की एक दीदी आयी और बोली कि यह कुपोषित है। इसे एनआरसी में ले जाओ वहां ठीक हो जायेगी। तब मैं यहां अपनी बेटी को लेकर आयी। 8 दिनों से यहां पर है। पहले से काफी ठीक हो चुकी है। इसका वजन भी बढ़ रहा है और अब हंसती खिलखिलाती है। सही से आहार भी खा लेती है। बुखार भी अब नहीं आ रहा है।

ललिता देवी, चतरा, जलालपुर सारण
हमेश सुस्त रही थी बेटी मेरी:
पहले में मेरी बेटी कनक कुमारी (2 साल) हमेशा सुस्त रहती थी, न खेलती थी न दूध पचा पा रही थी। उल्टी कर देती थी। इसको लेकर मुझे चिंता सता रही थी कि मेरी बेटी ठीक हो पायेगी या नहीं, लेकिन पोषण पुनर्वास केंद्र में आकर मेरा विश्वास बढ़ गया। यहां मेरी बेटी 13 दिनों से भर्ती है। अब इसके स्वास्थ्य में काफी सुधार है। इसका वजन भी पहले से बढ़ रहा है। जब आयी थी तो इसका वजन 7 किलो 800 ग्राम था जो अब बढ़कर 8 किलो 400 ग्राम हो गया है। अब दूध पीलाने और खिलाने पर अच्छे से खा रही है। इसे स्वस्थ देखकर मुझे काफी खुशी हो रही है। पूजा देवी, कादीपुर, नगरा सारण
कुपोषण के खिलाफ जंग में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण:किसी भी कार्यक्रम को समुदाय तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में पोषण पुनर्वास केंद्र को लेकर समुदाय में जागरूकता फैलाने में मीडिया ने महत्वपूर्ण भूमिका का निवर्हन किया है। यहां कुपोषित बच्चों के इलाज के साथ-साथ खेलने की सुविधाएं, रहने-खाने, माँ को साथ रहने की सुविधाएं है। साथ हीं माँ प्रतिदिन 100 रुपए के हिसाब से प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है। पोषण पुनर्वास केंद्र में समर्पित चिकित्सक और कर्मी तैनात हैं जो कुपोषित बच्चों का देखभाल करते हैं।

समस्तीपुर में भूसा लदे ट्रक से 2 हजार 617 लीटर विदेशी शराब जब्त, कारोबारी फरार, आधा दर्जन नामजद

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : बिहार में शराबबंदी और जहरीली शराब से लगातार हो रही मौत के बावजूद नशे का कारोबार धड़ल्ले से फल-फूल रहा है। शराब माफिया आए दिन शराब तस्करी के नए-नए तरीके ढूंढ ही लेते हैं। इसी क्रम में समस्तीपुर पुलिस ने कारोबारियों द्वारा नई तरकीब से शराब लाने और पहुंचाने का भंडाफोड़ किया है। बीते गुरुवार की रात गुप्त सूचना के आधार पर मुफस्सिल थाना की पुलिस ने दादपुर के गरूआरा चौर में धान के भूसा लदे ट्रक से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर कारोबारी वहां से फरार हो गए। पुलिस ने वहां से शराब लदे ट्रक बीआर02टी 7930 के साथ एक बाइक भी बरामद की है।
थानाध्यक्ष पिंकी प्रसाद ने बताया की गुरुवार को पुलिस की टीम गश्ती कर रही थी इसी बीच सूचना मिली कि गरूआरा चौर में एक ट्रक और उसके आसपास कुछ संदिग्ध लोग जमे है। सूचना मिलने पर मुफस्सिल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची तो शराब तस्कर व ट्रक चालक पुलिस को देख ट्रक छोड़कर फरार हो गए। इस दौरान एक कारोबारी का बाइक भी वहीं छूट गया, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। ट्रक की चेकिंग की गई तो धान के भूसा के बोरों के नीचे वृहत मात्रा में विदेशी शराब छुपाकर रखी गई थी। मामले को लेकर एलटीएफ प्रभारी चंद्रभूषण के आवेदन पर कारोबारी व चालक समेत आधा दर्जन लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। सभी नामजद आरोपी व कारोबारी की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस छापेमारी में जुटी हुई है।

डीएम ने जनता दरबार में 17लोगों की फरयादें सोनी

मो. सदरे आलम नोमानी
सीतामढ़ी:डीएम रिची पाण्डेय ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार कार्यक्रम में परिवादियों से मिलकर उनके समस्याओं को सुना। जिलाधिकारी द्वारा बारी-बारी से सभी परिवादियों से मुलाकात की गई एवं उनके समस्याओं को सुना गया।जनता दरबार में अधिकांश मामले अतिक्रमण, भूमि विवाद, आपसी विवाद,सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य,सड़क,विद्युत,पी एच ई डी एवं अन्य विभागों से संबंधित थे। जनता दरबार कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त जन शिकायतों के निष्पादन की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना सुनिश्चित करें।इसमें किसी भी तरह की कोताही स्वीकार्य नहीं होगी।आज जिला पदाधिकारी सीतामढ़ी श्री रिची पाण्डेय के द्वारा लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत द्वितीय अपीलीय प्राधिकार की सुनवाई की गई। कुल 17
परिवादों की सुनवाई की गई जिसमे 06 पर आदेश दिया गया।

मिथिलांचल का बदलो बिहार न्याय यात्रा तीसरे दिन गंगासागर-मधुबनी से रैयाम-दरभंगा की ओर रवाना

वरिष्टसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो .अबु बकर सिद्दीकी

मिथिलांचल का बदलो बिहार न्याय यात्रा तीसरे दिन गंगासागर-मधुबनी से रैयाम-दरभंगा की ओर रवाना
यात्रा के समापन पर पटना के मिलर हाई स्कूल मैदान में 27 अक्टूबर को होगा न्याय सम्मेलन- ध्रुवनारायण कर्ण न्याय यात्रा 175 किलोमीटर की दूरी तय कर मधुबनी, दरभंगा एवं समस्तीपुर 25 अक्टूबर को पहुंचेगी विभूतिपुर-बैधनाथ यादव
मधुबनी, भाकपा माले मिथिलांचल का बदलो बिहार न्याय यात्रा गंगासागर में रात्री विश्राम के बाद शुक्रवार को तीसरे दिन सुबह गंगासागर-मधुबनी के निधि चौक से शुरू हुआ। पदयात्रियों का स्वागत स्थानीय लोगों ने खासकर नौजवानों ने किया।मौके पर जन संवाद को संबोधित करते हुए भाकपा माले पोलिट ब्यूरो सदस्य सह मिथिलांचल प्रभारी धीरेंद्र झा ने कहा कि हमें बिहार को बदलना है। हमें नया बिहार चाहिए। बाबा साहेब ने हमें जो संविधान दिया है, इस संविधान में भारत के सभी नागरिकों से यह वादा किया गया है कि धार्मिक आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा, जाति के नाम पर भेदभाव नहीं होगा। आपकी भाषा जो भी हो, आपका धर्म जो भी हो, आप कुछ भी खाते हों, आप कुछ भी पहनते हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। भारत का संविधान गारंटी करता है कि भारत के तमाम नागरिकों को बराबरी का हक मिले। सब के लिए बराबरी, सब के लिए सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय का लक्ष्य संविधान के पहले पन्ने पर है। उन्होंने कहा कि गया में किसी मजदूर का हाथ काट लिया जाता है। मूंछ रखने पर सीवान में शिक्षक की हत्या कर दी जाती है। बिहार में यह क्या हो रहा है? बिहार में भूमि सुधार लागू नहीं हुआ। गरीबों के पास जो भी थोड़ी-बहुत जमीन बची है, वह लाल झंडे के बदौलत है। उन्होंने कहा कि सरकार का जमीन सर्वे गरीबों को जमीन से बेदखली का फरमान है। जब तक सभी भूमिहीन को वास भूमि एवं बसावट के आधार पर सभी गरीबों को पर्चा नहीं दे दिया जाता है, जमीन सर्वे कार्य रोक देना चाहिए।इससे पूर्व संध्या के समय मधुबनी स्टेशन परिसर में गांधी मूर्ति और समाहरणालय स्थित बाबा साहेब आंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया।इस मौके पर धीरेंद्र झा ने कहा कि अदानी अंबानी की संविधान विरोधी सरकार के खिलाफ जनता का जमीनी मोर्चा जरूरी है।

झारखंड चुनाव प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा से मिले केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, लोजपा (रा) का सीट होगा फाइनल?

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हरियाणा में रिकॉर्ड तीसरी बार सरकार बनाने में बीजेपी सफल रही। 17 अक्टूबर को हरियाणा के नए सीएम नायब सिंह सैनी शपथ ग्रहण करेंगे। वहीं उनके शपथ ग्रहण समारोह में कई एनडीए के कई नेता शामिल होंगे। इसी कड़ी में बिहार के लोकप्रिय सांसद और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी हरियाणा पहुंचे हैं। इस क्रम में चिराग पासवान ने असम के सीएम और झारखंड के प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा से मुलाकात की। इसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर दी। हिमंत बिस्वा सरमा से मिले चिराग सोशल मीडिया पर ट्विट कर चिराग पासवान ने कहा कि, "आज हरियाणा के नवनियुक्त मुख्यमंत्री नायाब सैनी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए चंडीगढ़ जाने के क्रम में असम के लोकप्रिय मुख्यमंत्री एवं झारखंड के प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा से मुलाकात हुई। इस दौरान झारखण्ड विधानसभा चुनाव को लेकर विस्तृत चचाएं हुई"।

मजदूर को आया 33 लाख रुपया का बिजली बिल, स्मार्ट मीटर का कमाल

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के उजियारपुर प्रखंड के चाँद चौर मथुरापुर निवासी ननकी दास को (पेशे से मजदूर हैं) के घर में स्मार्ट मीटर कुछ महीने पहले लगाया गाया था, बीते कुछ महीने से 50 - 70 यूनिट के बीच बिजली का बिल आता था। अचानक सितम्बर महीने का बिल 980343 यूनिट जो लगभग 33 लाख रुपए के आसपास आया है जो सिर्फ घर में बिजली उपयोग करते है इनका कोई फैक्ट्री या कोई बड़ा बिजनेस नहीं है जो इतना बिल आएगा हालांकि मामला मीडिया में आते ही बिजली विभाग के आला अधिकारियों द्वारा आनन-फानन में बिजली बिल को सुधार कर दिया गया है। इसी बीच भाकपा माले जिला स्थाई समिति सदस्य सह विधुत सुधार संघर्ष मोर्चा समस्तीपुर के जिला संयोजक ने प्रीपेड मीटर को त्रुटिपूर्ण बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की है।

मुख्यमंत्री बिहार का किया गया जयनगर रेलवे स्टेशन चौक पर पुतला दहन ,जमकर लगाया नारा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो . अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जयनगर : बिहार में विगरते कानून व्यवस्था एवं बिहार में शराब बन्दी कानून व्यवस्था के बाबजूद जहरीली शराब से हो रहे मौत को लेकर बिहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला दहन आज दिनांक 18/10/2024 को स्टेशन चौक पर समय 5:30 बजे की कुमार राणा प्रताप सिंह अंचल सचिव जयनगर की अध्यक्षता में की गई।विहित हो कि पिछले दिनों सिवान एवं छपरा जिला में 50 लोगों की मृत्यु जहरीली शराब पीने से हुई है स्वेग्य प्रशासन ने 30 लोगों की मृत्यु कबूल की है। जब कि ग्रामीणों के अनुसार मृतकों की सख्या 50 से उपर है। जो सरकार की बात विफलता है बिना प्रशासन के मिलीभगत से शराब का कारोबार करना मुमकिन नहीं है।वरिष्ट नेता रामजी यादव, आतिश कुमार,सुनील कुमार सिंह, रविन्द्र बिहारी, कन्हैया चौधरी, मुकेश कुमार, श्याम कुमार, मो.मंजूर, पवन कुमार यादव, सुरेश कुमार संजु ,धनिक लाल यादव, मो. अली हसन शेख, कपिल देव ,आत्म राम ,धीरेंद्र सिंह के अलावे अन्य ने सभा को सम्बोधित किया।

लोक शिकायत व डीएम के आदेश पर उमगांव में कराया गया अतिक्रमण मुक्त

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो . अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के हरलाखी प्रखंड क्षेत्र के उमगांव में लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के निदेर्शानुसार प्रशासन ने सरकारी भूमि से अतिक्रमण खाली करवाई है। दरअसल उमगांव निवासी गया सिंह के द्वारा दायर परिवाद की सुनवाई में लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी व मधुबनी डीएम ने अतिक्रमित सरकारी भूमि को खाली करवाने का निर्देश दिया था। जिसको लेकर दंडाधिकारी के रूप में सीओ रीना कुमारी के साथ साथ हरलाखी थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार सहनी भारी संख्या में पुलिस बल के साथ उमगांव पहुंची। जहां जेसीवी के मदद से प्रशासन के द्वारा अतिक्रमण को खाली कराया गया। इस संबंध में दंडाधिकारी सह सीओ रीना कुमारी ने बताया कि उमगांव वार्ड 12 निवासी किशुन महतो, प्रकाश महतो, झगरू यादव, नथुनी यादव व राम एकवाल यादव के विरुद्ध अतिक्रमण वाद चलाया गया।

मंत्री चिराग पासवान ने सिवान और छपरा में जहरीले शराब से हुई मौत पर अत्यंत दुख जताया

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने सिवान और छपरा में जहरीले शराब से हुई मौत पर अत्यंत दुख जताया है श्री चिराग ने जहरीली शराब के सेवन से कोई मौत को लेकर को लेकर पुलिस प्रशासन की कार्यशैली और भूमिका पर गंभीर सवाल उठाया है । श्री चिराग ने अपने एक्स पोस्ट पर लिखा है कि सिवान और छपरा में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत की खबर अत्यंत दुखद है। इस घटना से स्थानीय पुलिस प्रशासन की कार्यशैली और भूमिका पर गंभीर सवाल उठते हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर रक्ळ का गठन किया गया है, और दोषियों की गिरफ्तारी की जा रही है। मैंने माननीय मुख्यमंत्री जी से आग्रह किया है कि शराब तस्करों को चिह्नित कर उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, साथ ही मृतकों के आश्रितों को उचित मुआवजा सुनिश्चित किया जाए। मैं मृतकों के परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूँ।

सारण के सिवान और छपरा जिलों में जहरीली शराब से कुछ लोगों की मृत्यु हुई है, जो कि अत्यंत दुखद है।

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। कुछ लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।
सरकार पूरी तरह से सख्त है, सरकार प्रशासन पैनी निगाह से निगरानी कर रही है, और प्रशासन भी सख्ती से कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है, कुछ सिपाही को सस्पेंड और लाइन हाजिर भी किया गया है।।
फिर भी मैं सारण के प्रशासन से मांग करता हु की जिसकी भी मिली भगत से जहरीली शराब बनाई जा रही है, उन दोषियों को चिन्हित कर शीघ्र गिरफ्तार कर त्वरित करवाई करे । हम आम लोगो से भी अपील करते है कि शराबबंदी जनहित में उठाया गया एक बड़ा फैसला है, आप भी किसी तरह के शराब का सेवन ना करे, और शराब बिक्रेताओं की सूचना सरकार के टोल फ्री नम्बर पर दे अपने सामाजिक दायित्व को निभाये, जिस से क्षेत्र में किसी की जान न जाए।।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिला अध्यक्ष ने प्रभारी मंत्री को सौंपा ज्ञापन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। शुक्रवार को जिला 20 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की बैठक मे राष्ट्रीय लोक मोर्चा जिलाध्यक्ष सह जिला बीस सूत्री कार्यक्रम सदस्य विनोद चौधरी निषाद द्वारा विकास सम्बंधित एक मांग पत्र प्रभारी मंत्री को सौंपा गया जिसमें मोरवा पावर ग्रिड का किसी न किसी कारण से बाधित रहने का खामी दूर कर सुचारु रूप से संचालन, नवनिर्मित रामापुर महेशपुर पावर ग्रिड को ससमय चालु करवाना, स्मार्ट मीटर मे रिचार्ज सम्बंधित खामी को दूर करना।

संधारण के दृष्टिगत गौतम स्थान, घाटों एवं अन्य संवेदनशील जगहों का निरीक्षण किया गया ।

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज दिनांक 18.10.24 को जिलाधिकारी, सारण एवं पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा रिवीलगंज थाना अंतर्गत महावीरी अखाड़ा जुलूस शोभा यात्रा में विधि व्यवस्था संधारण के दृष्टिगत गौतम स्थान, घाटों एवं अन्य संवेदनशील जगहों का निरीक्षण किया गया ।
इस क्रम में पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा उचित दिशा निर्देश दिए गए तथा आम जनों से शांति एवं सैहार्दपूर्ण जुलूस सम्पन्न कराने की अपील की गई।

पैक्स की मतदाता सूची से 22तक नाम जोड़े जाएंगे

मो. सदरे आलम नोमानी
सीतामढ़ी: पैक्स के मतदाता सूची प्रकाशन का कार्यक्रम निर्गत है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन दिनांक 09.10.2024 को किया जा चुका है। यह प्राधिकार के वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। प्रारूप मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने के लिए अथवा किसी प्रविष्टि से संबंधित संशोधन के लिए दिनांक 22.10.2024 तक निर्वाचन पदाधिकारी (स. स.) सह प्रखंड विकास पदाधिकारी के कार्यालय में दावे/आपत्ति दाखिल किये जा सकेंगे। मतदाता सूची से नाम हटाने अथवा जोड़ने के संबंध में प्रपत्र एमझ3 में सभी साक्ष्यो के साथ आपत्ती दे सकते हैं।
वैसे व्यक्ति, जो अपने से जुड़े किसी प्रविष्टि में सुधार कराना चाहते हैं, वे प्रपत्र एम–4 में सभी साक्ष्य के साथ आपत्ति दे सकते हैं। उपर्युक्त दोनों पत्र तथा दोनों प्रपत्र निर्वाचन पदाधिकारी (स. स.) के कार्यालय एवं प्राधिकार के वेबसाइट ttps://bse.bihar.gov.inपर उपलब्ध है। एक प्रपत्र में एक ही व्यक्ति के संबंध में दावा/आपत्ति दायर की जा सकती है।
अतः सभी मतदाताओं को सलाह दी जाती है कि दिनांक 09.10.2024 को अपने प्रखंड कार्यालय में प्रकाशित एवं प्राधिकार के वेबसाइट पर अपलोड प्रारूप मतदाता सूची का अवलोकन कर लेंगे। प्रारूप मतदाता सूची में सुधार हेतु उपर्युक्त विहित प्रपत्र में दिनांक 22.10.2024 तक की अवधि में आपत्ति दर्ज कराएँगे। दर्ज आपत्ति पर निर्वाचन पदाधिकारी (स. स.) द्वारा आवेदन की सुनवाई कर मुखर आदेश पारित किया जायेगा। ?आपत्तियों के निष्पादन के पश्चात निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा दिनांक 25.10.2024 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा। इस अवधि में प्राधिकार में की जाने वाली शिकायत विचारणीय नहीं होगी।

मधुबनी जिला के बाढ़ प्रभावित प्रखंड मधेपुर के बसिपट्टी पंचायत स्थित उच्च विद्यालय बसिपट्टी के पास कोसी नदी में सहायक कमांडेंट एनडीआरफ संतोष यादव

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के बाढ़ प्रभावित प्रखंड मधेपुर के बसिपट्टी पंचायत स्थित उच्च विद्यालय बसिपट्टी के पास कोसी नदी में सहायक कमांडेंट एनडीआरफ संतोष यादव के नेतृत्व में 35 सदस्यों की टीम के द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। एनडीआरएफ की टीम ने मॉक ड्रिल के माध्यम से राहत खोज एवं बचाव कार्यों का जीवंत प्रदर्शन किया ,साथ ही विभिन्न आपदाओं विशेषकर बाढ़ आपदा से बचाव को लेकर लोगो को जागरूक भी किया। आपदा के समय कैसे त्वरित गति से रेस्क्यू किया जाता है,इसको लेकर एनडीआरएफ की टीम ने कोसी नदी में उसका जीवंत प्रदर्शन भी किया। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को बताया कि बाढ़ पूर्व,बाढ़ के समय एवं बाढ़ के बाद क्या करे जिससे आपदा के प्रभाव को काफी कम किया जा सके।उक्त कार्यक्रम में एडीएमओ रजनीश कुमार, अंचल अधिकारी मधेपुर सहित सभी संबधित विभागों के अधिकारी,कर्मी,स्थानीय ग्रामीण , स्थानीय आपदा मित्र सहित स्कूली बच्चों ने भी भाग लिया।

गिरिराज सिंह ने अपनी यात्रा को बताया गैर राजनीतिक

केंद्रीय मंत्री बोले-हिन्दू बन कर जा रहा हूं, BJP-JDU से लेना देना नहीं

बेगूसराय। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह शुक्रवार को भागलपुर से हिंदू स्वाभिमान यात्रा शुरू करेंगे। इसका समापन किशनगंज में होगा। यात्रा को लेकर विभिन्न राजनीतिक दल के नेता सवाल उठा रहे हैं। बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री ने पलटवार किया है। साथ ही यात्रा को पूरी तरह से गैर राजनीतिक बताया है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि यात्रा पूरी तरह से गैर राजनीतिक है। मैं स्वामी दीपंकर के नेतृत्व में हिंदू बनकर जा रहा हूं। इसका न बीजेपी से कोई लेना-देना है, न इसका जदयू-एनडीए से कोई लेना देना है। हिंदुओं को जगाने के लिए हम स्वामी दीपंकर महाराज के नेतृत्व में यात्रा कर रहे है। हिंदुओं को जगाना जरूरी हिंदुओं को जगाना जरूरी है, क्योंकि हमको

भुलाया नहीं है। कश्मीर में जिस तरीके से हिंदू ने पलायन किया। बांग्लादेश और पाकिस्तान की दुर्दशा हमने देखा है। वहां हमारी बेटियां शादी के मंडप से उठ गई। विभत्स दृश्य अभी बहराइच में देखा कि अब देश के अंदर दुर्गा मूर्ति के विसर्जन में क्या हुआ। क्या देश में बंटवारा इसी दिन के लिए हुआ था कि हमें दुर्गा की मूर्ति के विसर्जन के लिए भी यात्रा का परमिशन लेना पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज मुझे लग रहा है कि देश का माहौल वोट के ठेकेदारों ने ऐसा बना दिया है कि हिंदुओं को जातियों में बांट दिया। अगर हम एकत्रित नहीं हुए तो फिर कश्मीर की तरह भागना पड़ेगा। पाकिस्तान और बांग्लादेश की तरह भागना पड़ेगा, कटना पड़ेगा। इसीलिए यह यात्रा है कि बंटोगे तो कटोगे। हम हिंदुओं को जगाने के लिए यात्रा की शुरूआत कर रहे हैं।

अंबेडकर के मूलभूत भावनाओं के साथ जुड़ी है यात्रा

बाबा साहब अंबेडकर के मूलभूत भावनाओं के साथ जुड़ी हुई हमारी यह यात्रा है। जो लोग पूछते हैं और कहते हैं कि इनको इतनी ही पीड़ा है तो क्यों नहीं बांग्लादेश चले गए, जिसमें वहां हिंदुओं के साथ दुर्दशा हुई थी। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जब फिलिस्तीन और इजराइल की लड़ाई चल रही थी तो बेगूसराय से लेकर देश के हर शहर में फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शनकारी सड़क पर उतरे हुए थे, उनको क्यों नहीं कहते। कांग्रेस और राजद के लोग लेबनान के नसरुल्लाह की मौत के बाद छाती पीटने वाले को क्यों नहीं कहते हैं। वोट की खातिर यह कांग्रेस और राजद हिंदुओं को समाप्त करना चाहती है। इसलिए ऐसी यात्रा से वे घबरा रहे हैं। हिन्दुओं ने कभी नहीं कराया दंगा आज बेगूसराय से चल रहे हैं, कल भागलपुर से नवगछिया, कटिहार, पूर्णिया, अररिया होते हुए किशनगंज 22 को पहुंचेंगे। रास्ते में वोट के सौदागर छाती पीट रहे हैं। मैं उन लोगों से कहता हूं कि हिंदूओं ने आज तक न कभी दंगा कराया, न उसकी जुबान से किसी के प्रति नफरत का शब्द निकला है। हम अपने को बचाने के लिए निकल रहे हैं। हम अपने अस्तित्व के लिए निकल रहे हैं, अगर अस्तित्व ही नहीं रहा तो इस देश का लोकतंत्र भी खत्म हो जाएगा। राहुल गांधी चाहते हैं कि भारत मे गृह युद्ध हो। इसीलिए वह हमेशा हल्की बात करते हैं, कानून को नहीं मानते हैं। अगर उनको इतना ही था तो कांग्रेस को चुनाव का बहिष्कार करना चाहिए था। बदरुद्दीन अजमल ने वक्फ बोर्ड की जमीन पर संसद भवन बनाए जाने की बात पर गिरिराज सिंह ने कहा कि यह वही लोग कहते हैं, जो भारत को भारत माता नहीं मानते हैं। उनको भारत पर भरोसा नहीं है। संसद पर बोलने वाले की आइडेंटिटी ही खत्म हो जाती है। वक्फ बोर्ड कांग्रेस का नाजायज औलाद के रूप में है। जिसने कह दिया वक्फ जो कहे वही सही। कांग्रेस ने यह स्थिति पैदा की है। देश में कहीं कोई ऐसा संस्थान नहीं है, जो खुद कब्जा करे और खुद न्याय दे। कांग्रेस ने वक्फ बोर्ड को पैदा किया, उसे खत्म कर देना चाहिए।

ऑल बिहार शेरशाह वादी एसोसिएशन की बैठक

किशनगंज। ऑल बिहार शेरशाह वादी एसोसिएशन ने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर किशनगंज जिले के ठौआपाड़ा गांव में बैठक आयोजित की। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सईदुर रहमान, महासचिव मोहम्मद हसन, संयुक्त सचिव इनामुल हक मदनी, और सीमांचल के सभी जिलों के अध्यक्षों समेत विभिन्न सदस्य मौजूद रहे। बैठक की शुरूआत मौलाना शेख अत्ताउर रहमान के निधन पर शोक व्यक्त करने से हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर से लेकर राज्य स्तर तक मजबूत

करने पर जोर दिया गया और प्रत्येक पंचायत में संगठन को सक्रिय करने के दिशा-निर्देश दिए गए। शेरशाह वादी समुदाय के लोगों को जागरूक करने, उनके बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने पर चर्चा की गई। डॉ. सईदुर रहमान ने आगामी विधानसभा चुनाव में सीमांचल के हर जिले में शेरशाहवादी समुदाय को कम से कम एक टिकट मिलने की मांग की। उन्होंने कहा कि जो भी राष्ट्रीय पार्टी समुदाय के लोगों को हिस्सेदारी देगी, संगठन उसका समर्थन करेगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि समुदाय को पर्याप्त हिस्सेदारी नहीं दी गई, तो संगठन सीमांचल की सभी विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगा। बैठक में जिला अध्यक्ष मिसबाउद्दीन और भाजपा नेता अब्दुर रहमान ने कहा कि शेरशाह वादी समुदाय अब किसी अन्य राजनीतिक दल द्वारा शोषित नहीं होगा और समुदाय के प्रत्याशियों को विधानसभा में भेजने का समय आ गया है।

मॉब लिंचिंग मामले में प्रोजेक्ट मैनेजर अरेस्ट

भागलपुर। के बाइपास थाना क्षेत्र के डीवीसी स्थित नमामि गंगे प्रोजेक्ट में 3 दिन पहले चोरी का आरोप लगाकर युवक के साथ मॉब लिंचिंग हुई। इस मामले में पुलिस ने आरोपित प्रोजेक्ट मैनेजर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार मैनेजर ने संजय शर्मा को पहले थप्पड़ मारने के बाद लकड़ी के तख्ते और लोहे के रॉड से हमला किया था। यह बात उन्होंने पुलिस को दिए बयान में बताया है। पुलिस इस मामले में साइट इंजीनियर रविशंकर शर्मा और पेट्रोलियम कॉलेज के सिक्योरिटी गार्ड की तलाश कर रही है। मॉब लिंचिंग के शिकार हुए शकरुल्लाहचक निवासी संजय शर्मा की पिटाई के बाद बाइपास थाना में आवेदन दिया था। इसके आधार पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। इसके अलावा मृतक के पत्नी के फर्द बयान के आधार पर एक और FIR दर्ज किया। प्रोजेक्ट मैनेजर ने दर्ज कराई थी एफआईआर मामले में नमामी गंगे प्रोजेक्ट में पेटी कांट्रेक्टर के तौर पर काम कर रही एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर संजय कुमार मित्रा ने एफआईआर दर्ज कराई है। प्राथमिकी में उन्होंने बताया है कि पकड़े गये चोर की जब लोग पिटाई कर रहे थे, तब वह पहुंचे थे। डायल-112 की टीम को बुलाकर सुपुर्द कर दिया। मामले में हुई गिरफ्तारी के बाद प्रोजेक्टर मैनेजर ने पुलिस को दिये गये बयान में इस बात का खुलासा किया है कि उन्होंने ही चोरी करते हुए संजय शर्मा को पकड़ा था। पहले उन्होंने ही उसके साथ मारपीट की। उन्होंने अपने साइट इंजीनियर रविशंकर शर्मा को बुलाया। पास में ही मौजूद पेट्रोलियम कॉलेज का सिक्यूरिटी गार्ड वहां पहुंच गया। उसने वीडियो दिखाते हुए बताया कि चोर और उसके अन्य भाई प्रोजेक्ट पर आकर लोहे की चोरी करते हैं। इसके बाद उन लोगों ने संजय शर्मा को पकड़ लिया। हाथ-पैर को नारियल की रस्सी से बांध कर पीटा संजय शर्मा के हाथ-पैर को नारियल की रस्सी से बांध दिया। सिक्योरिटी गार्ड ने लकड़ी के तख्ते से और लोहे के रॉड से बेरहमी से उसकी पिटाई कर दी। वह अपने साइट इंजीनियर को यह बोल कर चाय पीने चले गए कि पुलिस को बुलाकर उसे सौंप दें। चाय पीने के बाद जब वह मौके पर पहुंचे, तो मौके पर दर्जनों लोगों की भीड़ जमा हो गयी थी।

स्कूल गए 7वीं के छात्र की पीट-पीटकर हत्या

समस्तीपुर। में स्कूल गए 7वीं के छात्र की उसके ही साथ पढ़ने वाले स्टूडेंट्स ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। मामला खानपुर थाना क्षेत्र के बिशनपुर स्थित अपग्रेड मध्य स्कूल का है। छात्र की मौत को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। कुछ लोग बता रहे हैं कि स्कूल में लंच के दौरान छात्रों के बीच मारपीट हुई। इसके बाद एक छात्र बेहोश हो गया। अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। कुछ का कहना है कि लंच के दौरान मारपीट हुई फिर सभी को समझाकर हटा दिया गया। छुट्टी के बाद स्कूल के बाहर फिर से झगड़ा हुआ इसमें आनंद राय के बेटे अमरनाथ कुमार (13) की गिरने से मौत हो गई। बच्चे की मौत की सूचना के बाद ग्रामीण स्कूल पहुंच गए और जमकर हंगामा किया। घटना की सूचना पर खानपुर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। झगड़ा करने वाला दूसरा बच्चा कौन था, इस बारे में जानकारी सामने नहीं आई है।छात्र के चाचा हरि नारायण राय ने कहा कि 'ये बहुत दुखद है। हम बच्चों को स्कूल वालों के भरोसे पढ़ने भेजते हैं। वहां इस तरह की घटनाएं होंगी तो कैसे बच्चों को स्कूल भेजेंगे। प्रिंसिपल और शिक्षकों ने बच्चों पर ध्यान नहीं दिया। इसी वजह से हमारा बच्चा आज हमारे बीच नहीं है।'खानपुर थाना अध्यक्ष सह ट्रेनिंग डीएसपी ऋषिका स्नान ने कहा कि 'स्कूल के बाद सड़क पर फिर से मारपीट के दौरान बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया था।

संक्षिप्त डायरी

दीपावली-छठ से पहले टमाटर 80 तो परवल 60 रुपए

बिहार। दीपावली-छठ पूजा से पहले बिहार में सब्जियों की कीमत काफी बढ़ गई है। बाजार में टमाटर 80 रुपए और परवल 60 रुपए प्रति किलो बिक रहे हैं। छठ पूजा जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे सब्जियों के दाम और बढ़ रहे हैं। सब्जियों के दाम बढ़ने से हर लोग परेशान हैं। थाली में परोसी जाने वाली सब्जियां अब सोच समझ कर लोग खरीद रहे हैं। क्योंकि, आलू-प्याज से लेकर सभी हरी सब्जियों के दाम काफी बढ़ गए हैं। सब्जी विक्रेताओं ने दीपावली और छठ पर्व से पहले सब्जियों के दाम और बढ़ने की संभावना जताई हैं। सब्जी विक्रेताओं की माने तो बिहार में आई बाढ़ से सब्जी की पैदावर को काफी नुकसान पहुंचा है। इस वजह से सब्जियों की कीमतों में इजाफा हुआ है। दीपावली और छठ पूजा के दौरान सब्जियों की डिमांड बढ़ जाती है, लेकिन आमद कम रहती है। इससे सब्जियों के दाम बढ़ सकते हैं।गया के केदार नाथ मार्केट स्थित सब्जी मंडी में हरी सब्जी खरीदने आई मीनू देवी ने बताया कि '500 रुपए में इन दिनों सब्जियों से बैग नहीं भर रहा है। 500 रुपए की सब्जी 5 या 6 दिन ही चल पाती है। आलू-प्याज की खपत अलग है। ये दोनों भी काफी महंगे हैं।'बाजार में आ चुका है नया आलू व्यापारियों का कहना है कि 'इंदौर और नासिक से प्याज बढ़े दर पर आपूर्ति की जा रही है। इसलिए यह महंगा हो गया है। वहीं, नया आलू बाजार में आ चुका है, लेकिन पुराने आलू के दाम कम नहीं हुए हैं। नया आलू 50-55 रुपए किलो बिक रहा है।

24 घंटे में डेंगू के 146 नए मामले आए

सीवान। बिहार में डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में पिछले 24 घंटे में 146 नए डेंगू के मामले सामने आए हैं। इनमें से पटना में सबसे अधिक 64 मामले दर्ज किए गए हैं। पूरे बिहार में इस वर्ष अब तक 4,976 लोग डेंगू की चपेट में आ चुके हैं। जबकि 12 मरीजों की मौत हो चुकी है। इनमें से पटना में 5 लोगों की मृत्यु हुई है। पिछले 24 घंटों में डेंगू के मामले पटना के अलावा गया से 8, बेगूसराय से 13, पूर्णिया से 7, औरंगाबाद से 6, सारण से 9, वैशाली से 5, भागलपुर से 2, मुजफ्फरपुर से 3, नालंदा से 3, समस्तीपुर से 1, नवादा से 1, मधुबनी से 3, भोजपुर से 1 मामले सामने आए हैं। इन जिलों के अलावा भी कई अन्य जिलों से डेंगू के केस दर्ज हुए हैं। डॉक्टरों की सलाह डाक्टरों ने जनता से अपील की है कि डेंगू के लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें और उचित उपचार लें। बुखार होने पर खुद से कोई दवाई न लें, केवल पेरासिटामोल का उपयोग करें। डॉक्टरों ने चेताया है कि डेंगू के दौरान अन्य दवाओं का गलत इस्तेमाल घातक हो सकता है।मुफ्त जांच और उपचार पटना के प्रमुख अस्पतालों - पीएमसीएच, एनएमसीएच, आईजीआईएमएस, एम्स, और आरआईआरआईएम में डेंगू की मुफ्त जांच की सुविधा उपलब्ध है। यदि जांच के परिणाम पॉजिटिव आते हैं तो डॉक्टर की सलाह पर मरीजों को आवश्यक दवाएं भी मुफ्त में उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकार और स्वास्थ्य विभाग ने जनता से अपील की है कि वे डेंगू से बचाव के उपायों का पालन करें, घरों के आसपास साफ-सफाई रखें, और मच्छरों से बचने के लिए सावधानियाँ बरतें।

चोरी के मोबाइल को नेपाल भेजने वाले गिरोह का खुलासा

सीतामढ़ी। पुलिस ने चोरी के मोबाइल का नेपाल और देश के अन्य राज्य का कनेक्शन का खुलासा किया है। जिला पुलिस ने आईफोन सीरीज के 24 मोबाइल समेत विभिन्न कंपनियों के 59 मोबाइल बरामद किए गए है। बताया गया की, भारतीय बाजार से मोबाइल चोरी कर नेपाल में बेचने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। साथ ही पुलिस ने चोरी के मोबाइल इंटनेशनल सौदागर को भी आईफोन सीरीज की 24 मोबाइल समेत विभिन्न कंपनियों के 59 और दो चोरी के लैपटॉप के साथ गिरफ्तार किया है। सीतामढ़ी पुलिस के लिए यह बड़ी सफलता बतायी जा रही है। साथ ही पुलिस ने चोरी के मोबाइल के इंटरनेशनल कनेक्शन का तार भी खोज निकाला है। एक सप्लायर को किया गया गिरफ्तार इसके तार सीतामढ़ी के अलावा भारत के कई प्रदेशों से जुड़ा है। जहां से भारतीय मोबाइल चोरी कर लॉक तोड़ने के बाद विदेशी बाजार नेपाल समेत अन्य देशों में पहुंचाया जा रहा था।

बाढ़ में अलग-अलग हादसे में 2 जखमी

पटना। बाढ़ अनुमंडल के बेलछी थाना अंतर्गत रासबाग गांव के पास एनएच-30अ पर अनियंत्रित हाईवा ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। बाइक सवार व्यक्ति हरनौत से अपने घर मंगरचक गांव आ रहा था। घायल व्यक्ति की पहचान हरिकांत कुमार(35) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। घायल को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ भेजा गया है। घायल व्यक्ति के सिर में गंभीर चोट लगने के कारण अनुमंडलीय अस्पताल से पीएमसीएच रेफर किया गया है। घर से दुकान हर दिन जाते हैं परिजनों ने बताया कि घायल व्यक्ति हरिकांत कुमार होम्योपैथिक डॉक्टर हैं, जिनका हरनौत रेलवे क्रॉसिंग के पास दुकान है। यह प्रतिदिन घर से दुकान तक बाइक से आना-जाना करते हैं। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ पहुंच गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल व्यक्ति को आनन-फानन में अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ भेज दिया। हालांकि, अनियंत्रित हाईवा की जानकारी नहीं मिल पाई है।वहीं, बाढ़ अनुमंडल के सकसोहरा थाना अंतर्गत अनियंत्रित हाईवा ने ई-रिक्शा से उतरकर घर जा रही बच्ची को टक्कर मार दी। बच्ची की पहचान बेलछी प्रखंड के लाखाचक गांव निवासी अन्नु कुमारी(18) के रूप में हुई है। घटना भामनचक गांव के सामने अस्सी पुल के पास एनएच-30अ पर हुई है। बच्ची सकसोहरा बाजार से घर लाखाचक जा रही थी। अस्सी पुल के पास ई-रिक्शा से उतरने के बाद अनियंत्रित हाईवा ने टक्कर मार दी। आनन-फानन में इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ लाया गया। वहां से पीएमसीएच रेफर कर दिया गया।

TTE पर दंपती से फजीवाड़ा का आरोप

आरा। आसाम के रहने वाले संजीब गोगई अपनी गर्भवती पत्नी राजश्री तमूली के साथ दिल्ली से ब्रह्मपुत्र मेल से 11 अक्टूबर को अपने घर लौट रहे थे। उसकी पत्नी गर्भवती थी। अचानक प्रसव पीड़ा की वजह से उसे आरा स्टेशन ही उतरना पड़ा और आरा सदर अस्पताल में 12 अक्टूबर को भर्ती कराया गया। लेकिन, डिलीवरी के बाद बच्चे को बचाया नहीं जा सका है। फिलहाल, महिला अस्पताल में भर्ती है। संजीब गोगई का आरोप है कि एसी कोच में वो अपनी को लेकर चढ़ा था। टीटी ने फाइन लगाया। 10 हजार रूपए लिए और टिकट नहीं बनाया। पैसा लेने के बाद जो सीट किसी अन्य के नाम पर रजिस्टर्ड थी, उसी जगह पर दोनों को बैठा दिया। काफी देर तक दोनों दंपती ने उस सीट पर सफर किया। लेकिन, थोड़ी देर बाद उस सीट पर लोग आ गए और टीसी ने संजीब और उसकी गर्भवती पत्नी को एसी कोच से ही उतार दिया। उसके बाद संजीव अपनी गर्भवती पत्नी को लेकर स्लीपर में बैठा।बता दें कि पैसों की कमी होने के कारण दंपती अपने घर नहीं जा रहे थे। आरा सदर अस्पताल में तैनात सुरक्षा बलों ने सुपरवाइजर रवींद्र सिंह और यू की टीम ने मानवता की मिसाल पेश की है। सभी गार्ड ने चंदा देकर दोनों दंपती को उनके घर भेजने की व्यवस्था की और मृत शिशु का अंतिम संस्कार कराया है।पत्नी का आखिरी महीना चल रहा था। इसलिए वो अपनी पत्नी को लेकर अपने घर परिवारों के बीच आ रहा था, ताकि उसकी पत्नी का डिलीवरी के दौरान उसके घर वाले उसके साथ हो। लेकिन, प्रसव पीड़ा से कराहती उसकी हालत काफी खराब होने लगी। महिला को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। डिलीवरी के बाद उसका बच्चा (बेटा) नहीं बच पाया। जिसे लेकर संजीब गोगई ने रेलवे प्रशासन पर बहुत बड़ा आरोप लगाया है। संजीब गोगई ने बताया कि वो और उसकी पत्नी पिछले छह महीनों से हरियाणा में एक मोबाइल कंपनी में जॉब करते है। शादी के बाद दोनों हरियाणा चले गए और जॉब करने लगे। जब पत्नी का नौवां महीना शुरू हुआ तो संजीव अपनी पत्नी को घर लाना चाहता था, ताकि डिलीवरी के दौरान उसका परिवार उसके साथ हो। जिसके बाद दोनों रेवाड़ी रेलवे स्टेशन से दिल्ली आए थे, जहां दोनों जेनरल टिकट लेकर ब्रह्मपुत्र मेल में चढ़ गए। दस हजार रुपए लेकर नहीं बनाया सीट संजीव ने बताया कि ब्रह्मपुत्र मेल के जेनरल डिब्बे में भीड़ बहुत अधिक थी, इसलिए वो थर्ड AC क्लास में अपनी पत्नी को लेकर चला गया। AC कोच में अपनी पत्नी को लेकर बैठा था, तभी एक टीटी ने फाइन लगाया । टीटी ने दंपती से दस हजार रुपए लेकर सीट नहीं बनाया। संजीव ने बताया कि जब स्लीपर में बैठा तो वहां भी एक दूसरे टीटी ने फाइन लगा दिया। जिसके बाद संजीव ने उस टीटी को पांच हजार रुपए दिए। पूरे पंद्रह हजार रुपए जुमार्ना भरने के बाद संजीव अपनी पत्नी को लेकर बक्सर पहुंचा। तभी उसकी पत्नी को प्रसव पीड़ा होना शुरू हो गया। लेकिन संजीव के पास अब पैसे नही थे और रेलवे की ओर से भी कोई मदद नहीं मिली थी जिसके बाद ट्रेन में सफर कर रहे लोगों ने मदद की और उनकी मदद से संजीव अपनी गर्भवती पत्नी को लेकर आरा सदर अस्पताल पहुंचा। जहां उसकी पत्नी का डिलीवरी हुआ। लेकिन उसका बच्चा नहीं बच पाया। आपको बता दे कि बरुआ संगमय के दीमो शिव सागर के रहने वाले गुनेन गोगई के बेटे संजीब गोगई और उसकी पत्नी राजश्री तमूली पिछले छह महीनों से हरियाणा में थे। दोनों ने 2021 के जनवरी माह में शादी की थी। इस घटना को लेकर संजीब ने रेलवे प्रशासन और टीटी पर आरोप लगाया है।

अखिलेश बोले-भाजपा ने हार के डर से चुनाव टाला

मिल्कीपुर में BLO बदले, अब बदनामी के डर से कोर्ट और आयोग के चक्कर लगा रहे

लखनऊ। में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। मिल्कीपुर उपचुनाव की घोषणा न होने और BLO को हटाने पर कहा- बीजेपी अपनी संभावित हार से बचने के लिए ऐसा कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा- भाजपा ने इंटरनाला सर्वे कराया था। मुख्यमंत्री कई बार मिल्कीपुर गए। प्रशासन के लोगों को बुलाकर पूछा। इंटेलिजेंस रिपोर्ट ली। जब पता लग गया कि इतने खेल खेलने के बाद भी हार रहे हैं, तो चुनाव को टालने का निर्णय लिया गया। सपा प्रमुख ने गुरुवार को नूरमंजिल लालबाग में महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।दो दिन के अंदर याचिका वापस लेंजो जंग में आने से पहले ही हार गए, वह अब बदनामी से बचने के लिए कोर्ट और चुनाव आयोग के चक्कर लगा रहे हैं, ताकि वहां चुनाव हो जाए। अगर 2 दिन के अंदर यह लोग कुछ नहीं कर पाए तो चुनाव नहीं होगा। हमारी भी अपील है की कम से कम 2 दिन के अंदर कोर्ट से याचिका वापस ले लें। समाज में भेदभाव खत्म करने का लिया संकल्प अखिलेश यादव ने महर्षि वाल्मीकि को नमन करते हुए कहा कि वाल्मीकि जी का समाज में पूजनीय स्थान है। उन्हें भगवान का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने रामायण के माध्यम से हमें जो सीख दी, उस प्रेरणा से आज हम संकल्प लेते हैं कि समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त कर सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलेंगे। शासन-प्रशासन की मिलीभगत से हो रहा अन्याय प्रशासन और शासन मिलकर अन्याय कर कर रहा है। जिस तरह से समाजवादी पार्टी ने वाल्मीकि जयंती पर छुट्टी घोषित की थी, उसी प्रकार जब हम फिर से सत्ता में आएंगे, तो वाल्मीकि समाज को वह सम्मान और सुविधाएं देंगे, जो उन्हें मिलनी चाहिए।इनका पूरा कार्यकाल तोड़फोड़, बुलडोजर चलाने वाला जेपीएलआईसी के जवाब में योगी सरकार नए कन्वेंशन केंद्र की बात कर रही है, लेकिन बीजेपी को समाज में नफरत फैलाने से फुरसत नहीं है। इनका पूरा कार्यकाल तोड़फोड़ और बुलडोजर चलाकर पुलिस प्रशासन से अन्याय करने का है। अब तो इनके जाने का समय आ गया है। जाते समय पता नहीं क्या नया काम करना चाहते हैं। अब सरकार के पास काम करने के लिए समय नहीं है। बहराइच में प्रशासन-पुलिस मिलकर कर रहा अन्याय बहराइच की घटना में प्रशासन और शासन का फेल रहा। जो लोग जीरो टॉलरेंस की बात करते थे, इस बात को कभी नहीं कहा- हर आयोजन को शांतिपूर्ण करते हैं। जहां इतना बड़ा आयोजन हो रहा था वहां पुलिस सुरक्षा क्यों नहीं थी। प्रशासन और पुलिस मिलकर वहां अन्याय कर रहा है। जहां थे दो विधायक, वहां ज्यादा सीट मिलने की उम्मीद अखिलेश यादव ने कहा- मैं कल महाराष्ट्र जा रहा हूं। हमारी कोशिश है कि इंडिया गठबंधन जीते। हमें उम्मीद है जहां हमारे दो विधायक थे, वहां हमें ज्यादा सीट मिलेगी। हम मजबूती के साथ इंडिया गठबंधन के साथ खड़े होंगे। यूपी में भी सीट बंटवारा बहुत जल्दी तय हो जाएगा।

समाज में भेदभाव खत्म करने का लिया संकल्प

अखिलेश यादव ने महर्षि वाल्मीकि को नमन करते हुए कहा कि वाल्मीकि जी का समाज में पूजनीय स्थान है। उन्हें भगवान का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने रामायण के माध्यम से हमें जो सीख दी, उस प्रेरणा से आज हम संकल्प लेते हैं कि समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त कर सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलेंगे।

संक्षिप्त डायरी

सेक्स रैकेटः मकान में दूसरे दिन भी लटकता मिला ताला

बस्ती। जिले के हाई प्रोफाइल सेक्स रैकेट के भंडाफोड़ का इंतजार अब भी बना हुआ है। लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। जिस मकान में इस रैकेट का संचालन हो रहा था, वहां पिछले दो दिनों से ताले लटके हुए हैं। माना जा रहा है कि खबर सामने आते ही आरोपी फरार हो गए हैं। पुलिस की सुस्ती और कार्रवाई की धीमी गति को लेकर आम जनता में भी आक्रोश है। शहर के संभ्रांत वर्ग में भी चर्चा तेज है कि आखिर पुलिस इतनी देर क्यों कर रही है। इस रैकेट से जुड़े कुछ बड़े और प्रभावशाली नाम भी सामने आ रहे हैं, जिनकी वजह से पुलिस पर कार्रवाई का दबाव बढ़ रहा है। अब पुलिस के सामने चुनौती है कि वह इस मामले में समय रहते जांच पूरी करे और दोषियों को सलाखों के पीछे पहुंचाए। अगर पुलिस ने सही तरीके से जांच की, तो यह मामला उसके खाते में एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर दर्ज हो सकता है।बुधवार को जब टीम मौके पर पहुंची, तो देखा कि जिस मकान में यह रैकेट चल रहा था, उसके मुख्य दरवाजे पर एक नहीं, बल्कि तीन ताले लटक रहे थे। यह मकान आबादी से दूर, एकांत में बना हुआ है और वहां कोई भी आ-जा नहीं रहा था। मकान के आस-पास झाड़ियों में शराब की खाली बोतलें और फूड पैकिंग के रैपर बिखरे पड़े मिले, जो इस बात का सबूत थे कि यहां आने वाले ग्राहकों की पूरी मेहमाननवाजी की जाती थी। शराब और खाने-पीने की चीजों की भरपूर व्यवस्था होती थी।इस मकान की सुरक्षा के लिए वहां कई सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए थे, ताकि बाहर से आने-जाने वालों पर नजर रखी जा सके। लेकिन जब मौके पर जांच की गई, तो देखा गया कि कुछ कैमरों के वायर कटे हुए थे। इससे साफ जाहिर होता है कि संचालक जल्दबाजी में पकड़े जाने के डर से डीवीआर समेत कुछ अहम सबूतों को भी हटा ले गए हैं। पुलिस को अब इस बात की जांच करनी होगी कि कैमरों के फुटेज में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती थी या नहीं। कोतवाली इंस्पेक्टर राणा देवेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि पुलिस मामले की जांच में लगी है और जल्द ही कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एमपी एमएलए कोर्ट ने शहर कोतवाल का किया तलब

बस्ती। के चर्चित व्यापारी पुत्र अपहरण कांड में वांछित पूर्व मंत्री अमर मणि त्रिपाठी की संपत्ति कुर्क कराने के मामले में,एमपी एमएलए कोर्ट ने शहर कोतवाल को तलब किया है। न्यायालय ने महराजगंज, लखनऊ की संपत्ति का कुर्की कुलिंदा पेश न करने को लेकर नाराजगी जाहिर की है।विशेष न्यायाधीश एमपी एमएलए फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम प्रमोद कुमार गिरी ने नोटिस जारी कर शहर कोतवाल को कुर्की कुलिंदा व वारंट का तामिला लेकर 25 अक्टूबर को 11 बजे कोर्ट में उपस्थित रहने को कहा है। न्यायालय ने कहा कि प्रभारी निरीक्षक स्पष्ट करें अन्यथा उनके खिलाफ प्रकीर्णवाद पेश कर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। न्यायाधीश ने नोटिस में लिखा है कि 15 अक्टूबर को न्यायालय में प्रभारी निरीक्षक की ओर से रिपोर्ट दी गई अभियुक्त अमिर मणि त्रिपाठी निवासी हुमायूपुर गोरखपुर की संपत्ति कुर्क कर तामिल कराया जा चुका है। लेकिन अभी तक कुर्की कुलिंदा पेश नहीं किया गया। यह आपत्तिजनक, कर्तव्यों के प्रति उदासीनता, उपेक्षा एवं दुराचरण का परिचायक है। इससे पहले न्यायालय में कोतवाली पुलिस ने बताया था कि गैंगेस्टर अधिनियम और अपहरण आदि की धाराओं नामजद अमरमणि त्रिपाठी की लखनऊ के विपुल खंड एवं गोमतीनगर में दो संपत्तियों के बारे में एसडीएम सदर गोमतीनगर से पत्राचार किया गया था। इसी तरह गोरखपुर विकास प्राधिकरण से भी संपत्तियों के बारे में जानकारी मांगी गई, दोनों जगह से बताया गया कि जो संपत्ति ज्ञात हुई थी, उसकी कुर्की की जा चुकी है। अब कोई संपत्ति शेष नहीं है। पूर्व मंत्री का नौतनवा स्थित आवास किया गया था कुर्क महराजगंज जनपद के नौतनवा में स्थित पूर्व मंत्री अमर मणि त्रिपाठी के आवास को 13 अप्रैल को कुर्क किया गया था, कुछ दिन बाद लखनऊ की संपत्ति भी कुर्क कर ली गई थी।

8 महीने पुरानी सड़क को बुलडोजर से उखाड़ा

गोरखपुर। के वार्ड संख्या 16 दिग्विजयनगर में मंगलवार की रात मात्र 8 महीने पुरानी 120 मीटर लंबी सीसी सड़क को ठेकेदार द्वारा बुलडोजर लगाकर उखाड़ दिया गया। इसके बाद सड़क का मलबा भी तुरंत ट्राली ट्रैक्टर से हटा लिया गया। स्थानीय लोगों की शिकायत पर पार्षद ऋषि मोहन वर्मा ने मौके का मुआयना किया और नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल को इस पूरे मामले की जानकारी दी। अधिकारियों की टीम ने किया निरीक्षण बुधवार को जांच के लिए अधिशासी अभियंता अमरनाथ, सहायक अभियंता शैलेष कुमार, अवर अभियंता विवेकानंद और अवनीश भारती मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से बातचीत के बाद मुख्य अभियंता को रिपोर्ट सौंपने की बात कही। फरवरी में बनी थी सड़क, रातोंरात तोड़ी गई 24 दिसंबर 2022 को पार्षद ऋषि मोहन वर्मा ने दिग्विजयनगर में विनोद शाह के घर से बलवंत के मकान तक सीसी सड़क बनाने का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद फरवरी 2024 में 13 लाख रुपये की लागत से 120 मीटर लंबी यह सड़क बनाई गई थी। लेकिन मंगलवार की रात अचानक इस सड़क को बुलडोजर और ट्रैक्टर-ट्राली से तोड़ दिया गया। पूरी सड़क का मलबा हड़हवा फाटक के पास रेलवे लाइन के निकट डाल दिया गया। जब स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया, तो ठेकेदार की टीम आधा मलबा छोड़कर फरार हो गई। जल निगम का काम या ठेकेदार की गड़बड़ी? स्थानीय लोगों ने इस मामले पर नाराजगी जाहिर करते हुए निगम अधिकारियों पर जनता के टैक्स के पैसे के दुरुपयोग का आरोप लगाया। जल निगम द्वारा इस सड़क पर सीवर लाइन बिछाने और हाउस कनेक्शन का काम चल रहा था, जिसके बाद मरम्मत का काम भी जल निगम के जिम्मे था। ऐसे में त्वरित योजना के तहत इस सड़क के लिए नए टेंडर की जरूरत नहीं थी।

ब्रह्मज्ञान से ही होता है आध्यात्म का प्रारंभःसाध्वी सुबुद्धा भारती

संवाददाता

कुशीनगर। दिव्य ज्योति जाग्रती संस्थान के द्वारा पावानगर महावीर इंटर कॉलेज फाजिलनगर के प्रांगण में चल रहे पांच दिवसीय श्री हरि कथामृत के दूसरे दिन कथा का वाचन करते हुए साध्वी सुबुद्धा भारती ने कहा मनुष्य के अंतःकरण में परमात्मा स्वयं विराजमान है। परंतु जब तक पूर्ण गुरु के सानिध्य में वह ब्रह्म ज्ञान नहीं प्राप्त करता तब तक यह भेद प्रायोगिक रूप में नहीं जान सकता है, और परमात्मा के विषय में अनेक धारणा को त्याग कर सत्य को नहीं जान सकता। अगर मनुष्य को शांति आनंद के साथ परमात्मा की प्रत्यक्ष अनुभूति करनी है तो श्री आशुतोष महाराज जी आज के समय में उपयुक्त माध्यम हो सकते हैं। इस दौरान साध्वी सुषमा भारती, स्वामी प्रबुद्धानंद,स्वामी यशवीर, नंदलाल सिंह, दुर्गेश सिंह मुकुल तिवारी, शेष मुनि गुप्ता, कुसुम जायसवाल आदि मौजूद रहे।

सरकार द्वारा पढ़ने वाले बच्चों को दी जा रही सभी सुविधाएंः चन्द्रशेखर

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। हाटा बिकास खण्ड के सिविलियन विधालय महादेव छपरा में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को शिक्षण सामग्री और आइ कार्ड एक कार्यक्रम आयोजित गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डायट मेंटर चन्द्रशेखर व एआरएपी बिनोद कुमार शर्मा द्वारा छात्र छात्राओं को पढ़ने लिखने के लिए शिक्षण सामग्री और आइकार्ड वितरण किया गया। मुख्यअतिथि डायट मेंटर चन्द्रशेखर ने कहा कि बच्चों को पढ़ने में कोई कठिनाइया न हो इसके लिए सरकार द्वारा

विभिन्न प्रकार की योजना चला रही है। बच्चों को गर्मागर्म स्वादिष्ट एमडीएम के द्वारा भोजन और सभी बच्चों के खाते में जूता यूनिफॉर्म के लिए पैसा भेजा जा रहा है जिससे सरकारी स्कूलों में अधिक से अधिक बच्चों का दाखिला ले सके कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एआरएपी बिनोद कुमार शर्मा ने कहा कि बच्चों को शिक्षण सामग्री और आइकार्ड विद्यालय परिवार के लोगों ने देकर एक सराहनीय कार्य किया है इसके लिए सभी विधालय परिवार के सदस्य बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार राव द्वारा आये सभी अतिथियों को आभार और सभी छात्र छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रकाश चौहान, संगीता सिंह, विनीता सिंह, राजेश सिंह, आनंद किशोर वर्मा आदि लोग उपस्थित थे।

महर्षि बाल्मीकि ने प्रभु श्रीराम की कृपा से की पवित्र ग्रंथ की रचनाः पुरन्दर यादव

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अन्तर्गत केश्वर इंटरमीडिएट कालेज बनवारी टोला में महर्षि बाल्मीकि जयंती पर विधिवत कार्यक्रम का आयोजन किया गया और श्रीराम नाम का संकीर्तन सामूहिक रूप से किया गया। गुरुवार को महर्षि बाल्मीकि की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य पुरन्दर प्रताप यादव के नेतृत्व में शिक्षकों व छात्र छात्राओं ने महर्षि के चित्र पर पुष्पार्चन किया। प्रधानाचार्य श्री यादव ने कहा कि महर्षि बाल्मीकि ने मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन पर बाल्मीकि रामायण की रचना की। अपने जीवन के शुरूआती समय में महर्षि बाल्मीकि एक डाकू थे लेकिन उनका हृदय परिवर्तन हो गया और उन्होंने राम नाम का जाप किया। प्रभु श्रीराम की कृपा से पवित्र ग्रंथ की रचना की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी देवेंद्र प्रताप यादव, कन्हैया कुशवाहा, कमलेश कुमार भारती, अमरजीत यादव, जयसिंह प्रसाद गोंड़ सतवीर कुशवाहा, शेषनाथ यादव, शशिमा पटेल, अम्बालिका यादव, मोनिका प्रसाद, गुड्डी मद्धेशिया, मुन्नी देवी सहित छात्र - छात्राएं मौजूद रहीं।

शरद पूर्णिमा पर विश्व कल्याण की कामना के साथ भिक्षुओं को दिया दान

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। शरदे पूर्णिमा, वषार्वास के समापन अवसर पर बौद्ध भिक्षुओं ने मुख्यमहापरिनिर्वाण मन्दिर में तथागत बुद्ध का विशेष पूजन अर्चन कर चीवर चढ़ाया और विश्वशांति व कल्याण की कामना की। गुरुवार की सुबह भिक्षु संघ के अध्यक्ष अग्ग महापंडित भदन्त ज्ञानेश्वर के निर्देशन में बुद्ध बिहारों के भिक्षुओं ने मुख्य मन्दिर में बुद्ध की लेटी प्रतिमा का धम्म पाठ के साथ पूजन किया और परिक्रमा की।वषार्वासे बौद्ध धर्मावलंबियों के लिये खास महत्व रखता है। तीन माह तक बौद्ध भिक्षु एक स्थान पर प्रवासे करते हैं और तथागत बुद्ध के पंचशील के सिद्धांतों के अनुरूप उनके उपदेशों का पालन करते हैं। बौद्ध भिक्षुओं को यात्रा करना वर्जित है। भिक्षु चाहे विश्व के किसी भी कोने में रहे, उन्हें वहीं रहकर बुद्ध के करुणा, शील और त्याग के सिद्धांतों का पूर्णरूपेण पालन करना होता है। अपना सारा समय लोगों की भलाई और तपस्या में लगाना होता है। इस मौके पर भिक्षुओ ने भिक्षाटन किया। जहां आशीष बरुआ, टिके राय, अम्बिकेश त्रिपाठी, विवेक गोंड़, ओमप्रकाश कुशवाहा, गोपाल मद्धेशिया, धर्मन्द्र गुप्ता, गौतम शर्मा, सूरज यादव, विकास शुक्ला, नीना राय, योगेन्द्र चौरसिया, कृष्ण मोहन गुप्ता, राम नगीना, मौसम, राजा चौरसिया, अवनेंद्र कुमार विश्वकर्मा व उपासकों ने सपरिवार भिक्षुओं को दान दिया। इस अवसर पर भिक्षु डॉ पी सोमपोंग, भन्ते पी दम, पी पविन, पी नरोंग, भन्ते एटी छाई, भन्ते पी वथना फोंग, फ्रा अनुवत, भन्ते पी आट, भन्ते पी जुट, माता जी सू, नन्दीका, शीलवासा, भन्ते उपाली, अशोक, भन्ते नंदिका, भन्ते शील प्रकाश, धम्म नैना, भन्ते विनय कीर्ति, भन्ते मायी बीक मौजूद रहे।

महिला आयोग की सदस्य को सम्मानित करते रोटरी क्लब के लोग

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष को रोटरी ने किया सम्मानि

संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी का कुशीनगर में प्रथम आगमन पर रोटरी क्लब कुशीनगर द्वारा बुधवार शाम भव्य स्वागत किया गया। यह कार्यक्रम कुशीनगर स्थित कुशीनगर इन रेस्टोरेंट में आयोजित किया गया, जहाँ श्रीमती चौधरी को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस स्वागत कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण, जागरूकता और सामाजिक उत्थान के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें उपाध्यक्ष श्रीमती चौधरी ने भी अपने विचार साझा किए।

उन्होंने कहा कि महिला आयोग महिलाओं के अधिकारों के प्रति संजीवनी का कार्य कर रहा है और कुशीनगर में महिलाओं के कल्याण हेतु हर संभव प्रयास किए जाएंगे। रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली ने इस अवसर पर कहा कि श्रीमती चारु चौधरी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय कार्य हो रहे हैं, रोटरी के सदस्य के रूप में भी ये कई वर्षों से सामाजिक कार्यों को करतीं आई हैं। कार्यक्रम का संचालन क्लब के सचिव अजय सिंह ने किया। इस सम्मान समारोह में रोटरी क्लब कुशीनगर के संरक्षक एवं नगर पालिका परिषद कुशीनगर के अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, क्लब अध्यक्ष वाहिद अली, सचिव अजय सिंह, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुवेर्दी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय गुप्ता, सह कोषाध्यक्ष सदरे आलम, निदेशक डॉ. सुनील सिंह, सार्जेंट एट आर्म्स विजय कृष्ण द्विवेदी, मीडिया प्रभारी अरुण वर्मा, अरुण मौर्या एवं हेमंत गर्ग सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भोजपुरी गायक समर सिंह ने मचाया धमाल

बस्ती। में दुर्गा पूजा के अंतिम दिन रोडवेज के समीप आयोजित देवी जागरण में भोजपुरी गायक समर सिंह ने जमकर धमाल मचाया। एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर उन्होंने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरी रात यहां देवी गीतों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। मां भगवती के पूजन के साथ जागरण का शुभारंभ किया गया। मंच पर जैसे ही भोजपुरी कलाकार ने माइक थामा, हजारों की संख्या में उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर उनका अभिवादन किया। इस बीच लोग अपने मोबाइल से वीडियो भी बनाते हुए देखे गए। समर ने कहा कि बस्ती वे पहले भी कई बार आए हुए हैं और बस्ती से बहुत लगाव है। फिल्म की भी शूटिंग हमने बस्ती में की है। बस्ती के लोगों का हमें बहुत प्यार मिला है। गांव क्षेत्रों से भी पहुंचे लोग कार्यक्रम के दौरान लोगों की इतनी भीड़ हो गई कि नियंत्रित करने में पुलिस कर्मियों के पसीने छूट गए। कुछ लोग तो ऐसे भी थे जो मंच तक जाना चाह रहे थे, लेकिन उन्हें हल्का बल प्रयोग कर रोका गया। समर ने जैसे ही दुर्गा माई का पचरा प्रस्तुत किया लोग भावविभोर हो गए। भजन के बीच-बीच में लोग जय माता दी का नारा लगाकर कलाकारों का हौसला बढ़ा रहे थे। ग्रामीण आंचलन से भी लोग भोजपुरी कलाकार को सुनने के लिए आए हुए थे।

मानसून में घर की दीवारों में आ जाती है नमी, तो आज से ही करें ये काम

मानसून आते ही मौसम में ह्यूमिडिटी बढ़ जाती है, जिसके कारण घर की दीवारों का पेंट फूलने लगता है। इससे न सिर्फ दीवारें खराब होती है बल्कि इससे सटाकर रखी गई सामान भी बेकार हो जाती है।

मानसून का मौसम जल्द ही दस्तक देने वाला है। ऐसे में मौसम तो काफी सुहाना रहता है लेकिन इस दौरान अक्सर घरों में सीलन आने लगती है। दीवार पर मौजूद नमी धीरे-धीरे इससे सटे हुए सामान जैसे अलमारी, बेड आदि को खराब कर देता है। दरअसल, बारिश के मौसम में नमी का स्तर काफी बढ़ जाता है। ऐसे में घर की दीवारों को खास देखभाल करने की जरूरत होती है। ह्यूमिडिटी बढ़ने के कारण वॉल पर फफूंद के निशान और अजीब से दुर्गंध आने लगती है। अगर आप इस मानसून घर की दीवारों को खराब होने से बचाना चाहती है तो आज ही कर लें ये काम।

वाटरप्रूफ पेंट का करें इस्तेमाल

घर को सुंदर दिखाने में पेंट का अहम रोल होता है। ऐसे में पेंट करवाते समय वाटरप्रूफ कलर का इस्तेमाल करें। इस तरह से आप एक साथ दो काम कर सकते हैं पहला घर लंबे समय तक सुंदर और दूसरा बरसात से घर को सुरक्षित।

प्लम्बर से नल को कराएं चेक

घर में लगे पानी के टैप को समय-समय पर चेक करें। बारिश का पानी के बजाय कई बार पाइप कनेक्शन से रिसने वाले पानी के कारण दीवार में नमी आती है। ऐसे में दीवार में आने वाली नमी के कारण पेंट फूल कर गिरने लगता है, जिससे गंदगी और स्मेल दोनों बढ़ जाती है।

वेंटिलेशन का रखें ध्यान

बारिश होने के बाद घर की खिड़कियों को जरूर खोल दें। हल्की धूप निकलने पर घर के कपड़े से लेकर मैट परदे आदि को धूप दिखाएं। वेंटिलेशन का खास ख्याल रखें ऐसा करने से आप दीवारों को नमी से कुछ हद तक बचा सकते हैं।

पानी को निकलने वाली जगह को रखें क्लीन

घर में जहां पर पानी निकलने का सोर्स है उस जगह को हमेशा साफ रखें। कई बार नाली में जमी गंदगी व कचरे के कारण बारिश का पानी आसानी से बाहर नहीं निकल पाता। पानी एकत्र होने के कारण दीवार की मदद से वह ऊपर चढ़ने लगता है।

सर्दी हो या गर्मी हर मौसम में घर की सफाई रखनी जरूरी होती है। खासतौर इसकी जरूरत बारिश में ज्यादा हो जाती है क्योंकि इस दौरान नमी की वजह घर से स्मेल आने लगती है।

मानसून के मौसम में इन हैक्स की मदद से करें सफाई क्लीन और स्मेल फ्री रहेगा घर

मानसून और बारिश में घर को साफ-सुथरा रखना किसी चैलेंज से कम नहीं होता। बारिश के कारण घर में 24 घंटे नमी बनी रहती है जिसकी वजह से लकड़ी के फर्नीचर और कपड़ों में स्मेल और दीमक लगने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं बाहर से आने पर घर में पानी के साथ-साथ कीचड़-मिट्टी हो जाता है। हालांकि सही क्लीनिंग हैक्स की मदद से इससे निजात पा सकती हैं। इन हैक्स को अपनाकर आप कम मेहनत में अपने घर को क्लीन और स्मेल फ्री रख सकती हैं।

बारिश में घर को साफ करने के लिए अपनाएं ये हैक्स

आमतौर पर बारिश के मौसम में सफाई का काम कई गुना बढ़ जाता है। इस समय कम धूप और ज्यादातर बारिश होती रहती है जिसके कारण से सीलन और चिपचिपाहट बनी रहती है। बेशक ही तेज हवा और बारिश गर्मी से आराम दिलाता है लेकिन काम बढ़ा देता है। इस दौरान न सिर्फ कीचड़ घर के अंदर आता है बल्कि कीड़े-मकोड़े भी बढ़ जाते हैं।

पानी सोखने वाले डोरमैट का करें इस्तेमाल

डोरमैट का इस्तेमाल हम सभी पैरों और जूतों पर लगी मिट्टी को साफ करने के लिए करते हैं। इस मौसम में घर के दरवाजे पर ऐसा डोरमैट बिछाए जो पानी और गंदगी को आसानी से सोख लें। आज के समय लोग बाजार में मिलने वाले फैशनेबल मैट का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें पानी और गंदगी को साफ करना आसान तो होता है लेकिन इन्हें साफ करना काफी मुश्किल हो जाता है। बारिश में हल्का और नमी सोखने वाला डोरमैट इस्तेमाल करें। आप चाहें तो इसे घर पर पुराने कपड़े की मदद से बना सकती हैं। पायदान को दूसरे व तीसरे दिन में धोकर सुखा दें।

घर के अंदर आने वाले पानी को रोके

बारिश में घरों में सीलन आने की समस्या काफी आम बात है। लेकिन इससे होने वाली दिक्कत हर किसी को परेशान करती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले सीलन की समस्या का उपाय खोज लें। इसके लिए घर में बनी नालियों को साफ करें। दीवारों पर वाटरप्रूफ पेंट करें। दरार वाली जगहों को चेक कर सही कराएं।

अलमारी को बारिश से पहले करें साफ

वैसे तो हर मौसम में अपनी अलमारी को साफ करना जरूरी है। लेकिन अगर आपने अलमारी को दीवार से चिपकाकर रखा है तो उसकी नमी कपड़ों तक पहुंच जाती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले अलमारी को दीवार से हटाएं। इसके बाद अलमारी के अंदर बनी रैक पर पेपर बिछाकर कपड़ों को सही से व्यवस्थित करें। नमी आने के कारण अक्सर कपड़े बदबू करने लगते हैं। ऐसे में आप कपूर, दालचीनी और नीम की पत्तियों को बांधकर इसके बीच में रखें। ये सामग्री नमी को सोखने का काम कर उन्हें सुरक्षित रखता है।

बरसाती कीड़ों से पाना है छुटकारा तो ऐसे करें घर की सफाई

बारिश के मौसम में बरसाती कीड़े के साथ ही घर में चीटी और काकरोच जैसी चीजें भी आने लगती है। ऐसे में अगर घर में छोटे बच्चे हैं तो आपको थोड़ा सतर्क रहना चाहिए। बारिश के मौसम में घर की सफाई करने के लिए आपको कुछ आसान हैक्स की मदद लेनी चाहिए।

दरार और छेद को बंद करें

घर की दीवारों, दरवाजों और खिड़कियों में मौजूद दरारों और छेदों को सीलेंट या प्लास्टर से बंद करें ताकि कीड़े घर के अंदर न आ सकें। ध्यान रखें कि मानसून के दिनों में घर की सफाई सही तरीके से करना चाहिए।

कूड़ेदान को साफ रखें

कूड़ेदान को रोजाना साफ करना चाहिए। अगर आप डेली कूड़ेदान को साफ नहीं करती हैं तो उसमें कीड़े लगने लगते है। कचरे को समय-समय पर बाहर निकालें। साथ ही आपको कूड़ेदान को भी धोते रहना चाहिए।

घर में जाली लगाएं

खिड़कियों और दरवाजों पर मानसून के महीने में जाली लगाएं ताकि कीड़े अंदर न आ सकें। साथ ही आपको रोजाना अपने घर को शाम के समय पोछा लगाना होगा।

गंदे बर्तन न छोड़ें

खाना खाने के बाद बर्तनों को तुरंत साफ करें। गंदे बर्तन लंबे समय तक छोड़ने के कारण बर्तन में कीड़े लगने लगते हैं। ऐसे में आपको ध्यान रखना है कि रात के समय भूलकर भी बर्तन को बेसिन में ना छोड़े।

बरसात में आपका घर न लगे अस्त-व्यस्त, इसलिए उसे इस तरह से करें व्यवस्थित

मानसून अपने साथ राहत लेकर आता है, यह तो हमको मालूम ही है। मगर आपने ध्यान दिया होगा कि अक्सर बारिश होने की वजह से चीजें अस्त-व्यस्त रहती हैं। घरों में सीलन आदि होने लगती है और इसी के कारण बदबू भी होने लगती है।

जरूरी है कि मानसून में आप अपने साथ-साथ घर का भी पूरा ख्याल रखें। अपने घर को मेंटेन रखने के लिए आप क्या-क्या तरीके अपना सकती हैं, इसके बारे में आपने सोचा है? अगर नहीं, तो हम ऐसे ही कुछ खास तरीके आपको बताने वाले हैं, जिसके साथ आप अपने घर को व्यवस्थित कर सकती हैं और मानसून की टेंशन से दूर हो सकती हैं।

खुशबू का रखें ख्याल

मानसून के कारण घरों में से एक अजीब से महक आना शुरू हो जाती है। वह दीवारों के गीले होने के कारण होती है। ऐसे में कभी आपके घर कोई मेहमान आ जाए तो आपको कितनी फजीहत होगी। ऐसा न हो इसके लिए हमेशा नियमित रूप से घर की साफ-सफाई करें। इसके अलावा अपने लिविंग रूम में एक पोटपोरी रखें, जिसमें एसेंशियल ऑयल डाला जाता है। इससे आपके कमरे खुशबू से महकते रहेंगे और गंदी बदबू से आपको छुटकारा मिलेगा।

इंडोर प्लांट्स लगाएं

अब इंडोर प्लांट्स तो आपके घर में होंगे ही, लेकिन ऐसे मौसम में उन पौधों को घर पर रखें, जो घर से ह्यूमिडिटी हटा सकें। साथ ही ऐसे पौधे भी लाएं, जो कम सनलाइट में भी बढ़ सकें। अगर किसी विशेष एरिया पर ज्यादा पौधे हैं, तो उन्हें हटाकर बालकनी की तरफ ले जाएं। मानसून में पौधों पर जल्दी कीड़े लगते हैं, इसका भी ध्यान रखें और उनकी देखभाल अच्छे से करें।

कारपेट्स को करें क्लीन

मानसून में सबसे ज्यादा गंदगी आपके कालीन पर होती है। वे जल्दी नम हो जाते हैं और उनमें धूल-मिट्टी भी चिपक जाती है। इस कारण कमरे में से गंदी बदबू आने लगती है। इसे हटाने के लिए कार्पेट को रोजाना वैक्यूम क्लीनर से क्लीन करें। हफ्ते में दो बार कार्पेट की डीप क्लीनिंग करें। वहीं, ऐसा बार-बार करना न चाहते हों, तो इस मौसम में कारपेट बिछाने से बचें। यह आप आपका वक्त भी बचाएगा और घर में गंदगी भी नहीं होगी।

लकड़ी के फर्नीचर का रखें खास ख्याल

हम सब जानते हैं कि मानसून में लकड़ी के फर्नीचर कितनी जल्दी खराब होते हैं। नमी के कारण लकड़ी फूल जाती है और दीमक की समस्या भी उत्पन्न होती है। इससे अपने फर्नीचर को बचाने के लिए नियमित रूप से वैक्सिंग का सहारा लें। अगर आपके दरवाजे, खिड़कियां फूली हुई लगें, तो सैंडपेपर की मदद से उन्हें साफ करें। ऐसे मौसम में किसी तरह का रेनोवेशन करवाने से भी बचना चाहिए। यह चीजों को और अस्त-व्यस्त कर सकता है।

किताबों की जगह बदलें

अगर आपके घर में सामान से ज्यादा किताबें रहती हैं, तो इस मौसम में उनका भी ख्याल रखें। अपने बुक शेल्फ को ऐसी जगहों से दूर कर दें, जहां नमी जल्दी पकड़ी हो। साथी ही उनके बीच कपूर की गोलियां डालना न भूलें। आप किताबों की आलमारी में सिलिका जेल के पाउच भी रख सकते हैं। इससे मॉइश्चर में कमी आती है और यह आसानी से बाजारों में उपलब्ध भी हो जाते हैं। इतना ही नहीं, घर की वायरिंग का भी खास ख्याल देना जरूरी है। मानसून में फ्लकचुएशन बहुत होती है। शॉर्ट सर्किट न हो इसके लिए अपनी वायरिंग की जांच भी करवाएं।

लुक चेंज करने के लिए पहनें माहेश्वरी साड़ी

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन यह तभी अच्छी लगती हैं, जब आप सही कलर और डिजाइन को इवेंट के हिसाब से वियर करते हैं।

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए जब भी साड़ी किसी खास दिन पर पहनने की बात आती है तो हम अलग-अलग डिजाइन ऑप्शन को सर्च करते हैं, ताकि सबसे अलग नजर आ सके। वहीं कई सारे लोग ऐसे होते हैं, जो इवेंट के हिसाब से साड़ी खरीदते हैं। वहीं कुछ फैब्रिक देखकर उन्हें खरीदना और पहनना पसंद करते हैं। अगर आपको भी कुछ नए फैब्रिक को ट्राई करना है तो आप इसके लिए मध्य प्रदेश की फेमस माहेश्वरी साड़ी को वियर कर सकती हैं। यह सिल्क फैब्रिक से तैयार की जाती है। साथ ही, पहनने में कंफर्टेबल होती है।

माहेश्वरी गोल्डन जरी वर्क साड़ी

साड़ी डिजाइन में आप गोल्डन वर्क वाली जरी वाले पैटर्न को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी सॉफ्ट कपड़े से बनाई जाती है। इसलिए, इसे पहनना आसान होता है। वहीं इसमें जो वर्क किया जाता है वो बॉर्डर और पल्लू पर किया जाता है। इससे साड़ी और अच्छी लगती है। इसे हैवी टत देने के लिए छोटी-छोटी बूटी के डिजाइन को पूरी साड़ी में डिजाइन किया जाता है। साड़ी सिंपल भी लगती है। लेकिन जब एक्सेसरीज के साथ वियर की जाती है तो हैवी लुक देती है। आप इसे किसी भी इवेंट पर वियर कर सकती हैं। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। इस तरह की साड़ी आपको मार्केट में 1,000 से 2,000 रुपये में मिल जाएगी।

बाटिक प्रिंट साड़ी डिजाइन

साड़ी स्टाइल करना पसंद है, तो आप बाटिक प्रिंट साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी दिखने में सुंदर लगती है। साथ ही, कॉटन साड़ी जैसा लुक देती है। आप इस तरह की साड़ी को ऑफिस या डे पार्टी में अच्छी एक्सेसरीज के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आप सबसे अलग नजर आएंगी। इसमें आपको प्रिंट और डिजाइन अलग-अलग मिल जाएंगे, जिससे आपका लुक अच्छा लगेगा। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 500 रुपये में मिल जाएगी।

कॉटन सिल्क माहेश्वरी साड़ी

आप फोटो में नजर आने वाली कॉटन माहेश्वरी सिल्क साड़ी को भी वियर कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी डिजाइन डिफरेंट होते हैं। साथ ही, स्टाइल करने के बाद अच्छे लगते हैं। इसमें आपको डबल कलर के साथ बॉर्डर मिलेगा। साथ में गोल्डन जरी वर्क डिजाइन का पैटर्न मिलेगा। इससे साड़ी क्लासी नजर आएगी। आप इस साड़ी को किसी भी फंक्शन में स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक अलग और सुंदर लगेगा। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 1,000 से 2,000 रुपये में मिल जाएगी। मार्केट जाकर इस बार सिल्क या कॉटन नहीं बल्कि माहेश्वरी साड़ी को वियर करें। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही आपको कुछ नया ट्राई करने को मिलेगा।

एलआईसी ने शुरू किया सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान

- छोटे निवेशकों को मिलेगा बड़ा फायदा

मुंबई । एलआईसी म्यूचुअल फंड ने निवेशकों के लिए छोटी बचत योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक नई डेली एसआईपी (सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) योजना शुरू की है, जहां निवेशक मात्र 100 रुपए प्रतिदिन के साथ निवेश कर सकते हैं। इससे छोटे व्यापो रियों को फायदा होगा` जो रोज पैसा कमाते हैं। यह सुविधा 16 अक्टूबर से शुरू हो गई है। एलआईसी म्युचुअल फंड ने सिर्फ एलआईसी एमएफ टैक्स सेवर और एलआईसी एमएफ यूलिप को छोड़ अपनी बाकी सभी स्कीमों में रोजाना 100 रुपए सिप से निवेश करने की इजाजत दे दी है। डेली सिप के लिए कम से कम 60 इंस्टॉलमेंट के निवेश की शर्त है। निवेशक अगर मंथली सिप से निवेश करना चाहते हैं तो वे एलआईसी म्यूचुअल फंड की स्कीमों में हर महीने सिर्फ 200 रुपए के स्ढ्ढक्से निवेश कर सकते हैं। इसके लिए न्यूनतम इंस्टॉलमेंट कम से कम 30 होना चाहिए। निवेशक अगर हर तिमाही निवेश करना चाहता है तो वह एलआईसी म्यूचुअल फंड की स्कीम में हर तिमाही न्यूनतम 1000 रुपए का निवेश सिप के जरिए कर सकता है। कुछ समय पहले सेबी ने म्यूचुअल फंड्स की स्कीमों को लोगों के निवेश के दायरे में लाने के लिए छोटे अमाउंट के सिप शुरू करने का ऐलान किया था। सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच भी कई बार माइक्रो सिप का जिक्र कर चुकी हैं। उनका मानना है कि इससे आबादी के बड़ा हिस्सा म्यूचुअल फंड की स्कीमों में निवेश कर ज्यादा रिटर्न का फायदा उठा सकता है।

निजी बीमाकर्ता भी कमीशन ढांचे में करेंगे बदलाव, अगले हफ्ते होगी बैठक

नई दिल्ली । बीमाकर्ताओं द्वारा पॉलिसियों को सरेंडर करने से संबंधित नियमों में बदलाव के बाद निजी क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनियां विभिन्न वितरकों के लिए अपने कमीशन ढांचे में फेरबदल करने पर` विचार कर सकती हैं। सामंजस्यपूर्ण कमीशन ढांचे की रूपरेखा तैयार करने के लिए अगले हफ्ते जीवन बीमा कंपनियों के प्रमुखों की जीवन बीमा परिषद के साथ बैठक प्रस्तावित है। घटनाक्रम के जानकार सूत्रों के अनुसार इस कदम का उद्देश्य पूरे उद्योग में कमीशन भुगतान में स्थिरता सुनिश्चित करना और वितरकों पर इसके असर को कम करना है। जिन विकल्पों पर विचार किया जा रहा है उनमें कमीशन वापस लेना, कमीशन स्थगित करना और कमीशन में कटौती शामिल है। उद्योग के सूत्रों के अनुसार बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों जैसे बड़े कॉरपोरेट एजेंट के लिए बीमा कंपनियां कमीशन वापस लेने का विकल्प चुन सकती है जबकि व्यक्तिगत एजेंट के मामले में कमीशन स्थगित करना और उसमें कमी करने पर विचार हो सकता है। हालांकि यह एजेंट के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। उद्योग के जानकारों का कहना है कि निजी बीमाकर्ता अभी वितरकों और एजेंटों के साथ चर्चा कर रहे हैं और अगले दो से तीन महीने में इस बारे में निर्णय ले लेंगे। कंपनियों का मानना है कि बेहतर कमीशन की पेशकश के हिसाब से कुछ व्यक्तिगत एजेंट एक से दूसरी कंपनी में जा सकते हैं। जीवन बीमा परिषद के आंकड़ों के अनुसार सितंबर तक जीवन बीमा क्षेत्र में 30 लाख से अधिक व्यक्तिगत एजेंट काम कर रहे थे, जिनमें भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के साथ 14.4 लाख एजेंट जुड़े हैं। निजी क्षेत्र की एक बीमा कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार कमीशन वापस लेने की व्यवस्था उन वितरकों पर लागू होगी जिनके साथ छोड़ने का बीमा कंपनियां जोखिम उठा सकती हैं। अन्य के मामले में कमीशन स्थगित करना और उसे घटाने का विकल्प अपनाया जा सकता है। अधिकतर बीमा कंपनियों ने हाल में ग्राहकों के लिए आंतरिक रिटर्न दर (आईआरआर) में कमी की है जो मुख्य रूप से ब्याज दर में बदलाव के कारण है। मगर नए सरेंडर वैल्यू मानदंड के कारण आगे इसमें और कटौती की जा सकती है।

अमेरिका में 43 फीसदी छोटी कंपनियों का बुरा हाल

उच्च ब्याज दरों के कारण ब्याज चुकाना भी हो रहा मुश्किल

नई दिल्ली ।

दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका में छोटी कंपनियों का बुरा हाल है। रसेल 2000 इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से 43 फीसदी घाटे में चल रही हैं। यह साल 2020 की महामारी के बाद सबसे अधिक है। यह 2008 के वित्तीय संकट से भी अधिक है तब 41 फीसदी छोटी कंपनियां घाटे में चल रही थीं। इतना ही नहीं इन कंपनियों का ब्याज के भुगतान पर भारी रकम खर्च करनी पड़ रही है। यह 2003 के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। उच्च ब्याज दरों के कारण इन कंपनियों के लिए ब्याज चुकाना भी मुश्किल हो रहा है। अमेरिका में छोटी कंपनियां ही नहीं बल्कि बड़ी कंपनियां भी मुश्किल में हैं। इस साल अब तक 512 बड़ी कंपनियां खुद को दिवालिया घोषित कर चुकी हैं। यह 2020 की महामारी के दौरान से बस 6 कम है। महामारी के दौर को हटा दिया जाए तो यह 14 साल में सबसे बड़ी संख्या है। सितंबर में जहां 59 कंपनियां दिवालिया हुईं, वहीं अगस्त में 63 कंपनियों ने खुद को बैंकरप्ट घोषित किया। सबसे ज्यादा 81 कंपनियां कंज्यूमर सेक्टर में बैंकरप्ट हुई हैं। इंडस्ट्रियल में 60 और हेल्थकेयर में 48 कंपनियां इस साल बैंकरप्ट हुई हैं। इस बीच अमेरिका का कर्ज तेजी से बढ़ता जा रहा है। यह 35.7 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है जो उसकी इकॉनम का करीब 125 फीसदी है। साल 2000 में अमेरिका पर 5.7 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज था जो साल 2010 में 12.3 ट्रिलियन डॉलर और 2020 में 23.2 ट्रिलियन डॉलर पहुंचा था। यूएस कांग्रेस के बजट दस्तावेजों के मुताबिक अगले दशक तक देश का कर्ज 54 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने का अनुमान है। पिछले तीन साल में ही देश का कर्ज 10 ट्रिलियन डॉलर से अधिक बढ़ चुका है। स्थिति यह हो गई है कि अमेरिका को रोज 1.8 अरब डॉलर ब्याज के भुगतान में खर्च करने पड़ रहे हैं।

सैटकॉम स्पेक्ट्रम आवंटन को लेकर परामर्श प्रक्रिया अभी जारी: ट्राई प्रमुख

- दूरसंचार नियामक सिफारिशें प्रस्तुत करने से पहले सभी सुझावों पर गौर करेगा

नई दिल्ली। सैटकॉम स्पेक्ट्रम आवंटन के तौर-तरीकों को लेकर खींचतान के बीच ट्राई के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि परामर्श प्रक्रिया अभी जारी है और दूरसंचार नियामक सिफारिशें प्रस्तुत करने से पहले सभी सुझावों पर गौर करेगा। नियामक की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब स्टारलिंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क और भारतीय दिग्गजों के बीच सैटेलाइट स्पेक्ट्रम को लेकर गतिरोध जारी है। ट्राई के चेयरमैन लाहोटी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के अवसर पर पत्रकारों से कहा` कि हमें दूरसंचार विभाग से संदर्भ मिला है। हमने दूरसंचार विभाग से प्राप्त संदर्भ के प्रत्युत्तर में परामर्श प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसमें उन मुद्दों को शामिल किया गया है जिन्हें दूरसंचार विभाग द्वारा ट्राई को भेजा गया है, परामर्श प्रक्रिया जारी है हम परामर्श प्रक्रिया के दौरान प्राप्त सभी विचारों पर गौर करेंगे और अपनी सुविचारित सिफारिशें प्रस्तुत करेंगे। रिलायंस जियो की स्थलीय तथा उपग्रह कंपनियों के बीच समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए ट्राई परामर्श पत्र को संशोधित करने की मांग पर ट्राई के चेयरमैन ने कहा` कि विभिन्न हितधारक परामर्श प्रक्रिया पर अलग-अलग मांग उठाते हैं। हम इन सभी दृष्टिकोणों तथा विचारों पर गौर करते हैं और एक सुविचारित दृष्टिकोण अपनाते हैं। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने उपग्रह-आधारित संचार में इस्तेमाल होने वाले स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी के जरिये किए जाने की भारतीय अरबपति मुकेश अंबानी और सुनील भारती मित्तल की मांग को अभूतपूर्व बताते हुए निशाना साधा है। अंबानी की दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो पुराने दूरसंचार परिचालकों को समान अवसर देने के लिए नीलामी के जरिये ऐसे स्पेक्ट्रम आवंटित करने की जरूरत पर बल दे चुकी है। भारती एयरटेल के प्रमुख मित्तल ने भी हाल ही में ऐसे आवंटन के लिए बोली लगाने की वकालत की। हालांकि मस्क की अगुवाई वाली स्टारलिंक वैश्विक रुख के अनुरूप उपग्रह-आधारित संचार के लिए लाइसेंसों का प्रशासनिक आवंटन किए जाने की मांग कर रही है। स्टारलिंक दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते मोबाइल टेलीफोन और इंटरनेट बाजार भारत में कदम रखने की योजना बना रही है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने में एआई निभाएगा अहम भूमिका

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को 2028 तक 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह खुलासा गूगल की रिपोर्ट से हुआ है। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 20 फीसदी होगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि एआई न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर उभरने में भी मदद करेगा।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2030 तक भारत में एआई के व्यापक उपयोग से कम से कम 33.8 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक मूल्य हासिल हो सकता है। रिपोर्ट बताती है कि भारत अपनी तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, उत्कृष्ट तकनीकी प्रतिभा, युवा जनसंख्या और जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम के साथ एआई से मिलने वाले लाभों का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए तैयार है। रिपोर्ट में कहा गया है एआई पहले से ही कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। एआई-संचालित प्लेटफॉर्म एग्रोस्टार किसानों को सशक्त बनाकर फसल उत्पादन बढ़ाने में मदद कर रहा है। इसी तरह स्वास्थ्य सेवा में, एआई निदान में सुधार कर रहा है और वंचित समुदायों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ा रहा है। भारत में एआई के संभावित लाभों को बढ़ावा देने के लिए रिपोर्ट ने तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया है- जिसमें बुनियादी ढांचे और नवाचार में निवेश, मानव पूंजी और एआई-सशक्त कार्यबल का निर्माण एआई के व्यापक अपनाने और सार्वभौमिक पहुंच को प्रोत्साहित करना शामिल है। गूगल का लक्ष्य है कि वह भारत में 10 मिलियन लोगों को एआई डिजिटल साक्षरता से सशक्त बनाए, जिसमें छात्र, नौकरी चाहने वाले, शिक्षक, स्टार्टअप, डेवलपर्स, और सिविल अधिकारी शामिल हैं। यह प्रयास भारत को एक वैश्विक एआई हब के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकता है।

क्वांट म्यूचुअल फंड क्यूआईपी में सबसे बड़े निवेशक के रूप में उभरा

नई दिल्ली । क्वांट म्यूचुअल फंड ने अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के हाल ही में संपन्न हुए 4,200 करोड़ रुपए के क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशंस प्लेसमेंट (क्यूआईपी) में सबसे बड़े निवेशक के रूप में उभरा है। कुल इश्यू का लगभग 47 फीसदी हिस्सा क्वांट म्यूचुअल फंड ने खरीदा है। स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल की गई जानकारी के अनुसार, क्वांट म्यूचुअल फंड की प्रमुख स्कीम क्वांट स्मॉल कैप फंड ने अकेले ही के यूआईपी में 17.41 फीसदी हिस्सेदारी ली है। अडानी एंटरप्राइजेज ने इस क्यूआईपी के माध्यम से लगभग 4,200 करोड़ जुटाए, जिसमें 1.42 करोड़ इक्विटी शेयर 2,962 प्रति शेयर के मूल्य पर जारी किए गए। यह मूल्य फ्लोर प्राइस से 4.99 फीसदी की छूट पर था। क्वांट म्यूचुअल फंड की अन्य योजनाओं में क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड, क्वांट एक्टिव फंड और क्वांट फ्लेक्सी कैप फंड ने भी अडानी एंटरप्राइजेज क्यूआईपी में 7 फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी ली है, जिससे इनका कुल निवेश 2,000 करोड़ से अधिक हो गया है। अडानी एंटरप्राइजेज ने यह क्यूआईपी 9 अक्टूबर 2024 को शुरू किया था और यह 15 अक्टूबर 2024 को बंद हुआ।

इंटेग्रम एनर्जी ने आईपीओ लाने के लिए दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली।

अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदाता इंटेग्रम एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए प्रारंभिक दस्तावेज जमा कर` दिए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष जमा किए दस्तावेजों के अनुसार आईपीओ 49.50 लाख के ताजा शेयर और निर्गम तथा प्रवर्तकों द्वारा 5.40 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। बयान में कहा गया कि कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। नए निर्गम से हासिल राशि का इस्तेमाल अनुषंगी कंपनी इंटेग्रम ग्रीन एसेट्स में निवेश के लिए किया जाएगा, ताकि दो मेगावाट पीक (एमडब्ल्यूपी) सौर संयंत्र की स्थापना के लिए वित्तपोषण किया जा सके और कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

टाटा पावर ने आरईसी पावर डेवलपमेंट से विशेष इकाई प्राप्त की

नई दिल्ली ।

टाटा पावर ने आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड से एक विशेष इकाई (एसपीवी) ईआरईएस-एक्सएक्सएक्सआईएक्स पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड हासिल कर ली है। टाटा पावर ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, उसे ईआरईएस-एक्सएक्सएक्सआईएक्स पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए आरईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड से आशय पत्र (एलओआई) मिला है। इसका वार्षिक परेषण शुल्क 289.729 करोड़ रुपये है।कंपनी सूचना के अनुसार, परियोजना एसपीवी ईआरईएस-एक्सएक्सएक्सआईएक्स को निर्माण-स्वामित्व-संचालन-हस्तांतरण के आधार पर विकसित किया जाएगा। यह वाणिज्यिक संचालन की निर्धारित तारीख 31 दिसंबर 2027 से 35 वर्षों के लिए परेषण सेवा प्रदान करेगा।

स्कोडा ऑटो इंडिया की बिल्कुल नई 'काइलैक' जल्द ही होगी मार्केट में

जमशेदपुर: नई कारों के प्रति कार प्रेमियों का रुझान हमेशा ही बरकरार रहता है। ऐसे में, नई कार की चाह रखने वाले कार प्रेमियों का इंतजार बस कुछ ही दिनों में खत्म होने को है, क्योंकि स्कोडा ऑटो इंडिया अपनी नई कॉम्पैक्ट एसयूवी 'काइलैक' के लॉन्च के साथ एक नए युग की शुरूआत करने जा रहा है। यह कार 6 नवंबर, 2024 को ग्लोबली लॉन्च होगी।

स्कोडा ऑटो इंडिया के सीईओ पीयूष अरोड़ा ने बताया कि काइलैक को खासतौर पर भारतीय बाजार के लिए डिजाइन किया गया है और इसे पूरी तरह भारत में ही बनाया गया है। ऐसे में, यह 'मेक इन इंडिया' की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। यह एसयूवी आराम, सुरक्षा और बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव का सही संयोजन है।

ब्रांड डायरेक्टर पेट्र जेनबा ने बताया कि काइलैक भारत में स्कोडा की सबसे बड़ी लॉन्च में से एक होगी और यह भारतीय ग्राहकों के लिए एक गेमचेंजर साबित होगी। काइलैक भारत में यूरोपीय तकनीक को आम लोगों के लिए उपलब्ध कराएगी।

काइलैक की डिजाइन मॉडर्न, बोल्ड और मस्कुलर है, जो नई पीढ़ी को आकर्षित करेगी। इसमें स्कोडा की पारंपरिक डिजाइन के साथ-साथ हाई ग्राउंड क्लियरेंस भी है, जिससे यह ऊबड़-खाबड़ सड़कों पर भी आसानी से चल सकेगी। इसमें 1.0 टीएसआई इंजन शामिल किया गया है, जो 85 किलोवॉट की पॉवर और 178 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है। इसे 6-स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ लॉन्च किया जाएगा। काइलैक ने ग्लोबल एनसीएपी टेस्ट में 5 स्टार रेटिंग हासिल की है, जो इसे सुरक्षित और भरोसेमंद कार बनाती है। काइलैक में 25 से ज्यादा सुरक्षा फीचर्स हैं, जैसे- छह एयरबैग्स, ट्रैक्शन और स्टेबिलिटी कंट्रोल, एंटी-लॉक ब्रेक्स, इलेक्ट्रॉनिक ब्रेक वितरण और आइसोफिक्स सीट्स। वहीं, कुछ खास वैरिएंट्स में लगभग 30 फीचर्स होंगे। इस एसयूवी को खास तौर पर भारत के ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिससे भारतीय बाजार में स्कोडा की उपस्थिति और भी मजबूत होगी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 494 , निफ्टी 221 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ । बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे भारतीय बाजार पर दबाव पड़ा है और वह नीचे आया । आज कारोबार के दौरान । रियल्टी, ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल शेयरों में भारी बिकवाली से भी बाजार गिरा । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 0.61 फीसदी तकरीबन 494.75 अंक नीचे आकर 81,006.61 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी पकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.89 फीसदी तकरीबन 221.45 अंक फिसलकर 24,749.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी की 41 कंपनियों के शेयर नीचे आये जबकि केवल 9 के शेयर ही लाभ में रहे।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में नेस्ले इंडिया का शेयर 3 फीसदी से ज्यादा गिरा । सितम्बर तिमाही का लाभ भी 0.94 फीसदी नीचे आकर 899.49 करोड़ रुपये रहने से एफएमसीजी कंपनी के शेयर में यह गिरावट आई है। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्रा सीमेंट, बजाज फिनसर्व, टाइटन, टाटा स्टील, मारुति, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स के शेयर भी नीचे आये।

वहीं दूसरी ओर इन्फोसिस, टीसीएस (टीसीएस), टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक जैसी आईटी कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावर ग्रिड, एल एंड टी के शेयर भी लाभ पर बंद हुए।

जानकारों के अनुसार बाजार में गिरावट का एक बड़ा कारण बजाज ऑटो के शेयरों का नीचे आना रहा। बजाज ऑटो के शेयर आज 12 फीसदी तक नीचे आये। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की निकासी से भी बाजार पर दबाव आया।

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 3,435.94 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए जबकि यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार पॉजिटिव दायरे में बंद हुए थे। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी से हुई। अमेरिकी शेयर बाजार

की तेजी से उत्साहित होकर बाजार में लगातार दो दिन से जारी गिरावट पर ब्रेक लग गया। बेंचमार्क इंडेक्स, सेंसेक्स और निफ्टी ने हरे निशान पर कारोबार की शुरुआती की। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 192 अंक की बढ़त लेकर 81,693 पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 0.06 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 4,986 पर खुला। विदेशी बाजारों की बात करें तो एशिया-पैसिफिक बाजारों में वॉल स्ट्रीट की बढ़त के बाद तेजी देखी जा रही है। जापान का निक्की 225 इंडेक्स 0.27 फीसदी बढ़ा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.85 फीसदी चढ़ा। कोरिया का कोस्पी 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था।

सेवेंटीन ने जीयूवीएनएल के साथ पहला हाइब्रिड बिजली खरीद समझौता किया

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड की शाखा जेएसडब्ल्यू रिन्यू एनर्जी सेवेंटीन लिमिटेड ने एसटीयू से जुड़ी 192 मेगावाट पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता के लिए गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि यह समझौता पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता के लिए कंपनी का पहला बिजली खरीद समझौता (पीपीए) है। बयान के अनुसार, पीपीए पर 3.27 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की दर से 25 वर्ष की अवधि के लिए बिजली आपूर्ति के लिए हस्ताक्षर किए गए हैं।इस परियोजना के 24 महीने के भीतर शुरू होने की उम्मीद है। इसे गुजरात में एसटीयू (राज्य ट्रांसमिशन यूटिलिटीज) से जोड़ा जाएगा।

मुआवजा उपकर को 28 फीसदी जीएसटी स्लैब में मिलाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली । राज्य सरकारों ने केंद्र को बताया है कि वे मार्च 2026 के बाद मुआवजा उपकर की मौजूदा व्यवस्था समाप्त होने पर उसे 28 फीसदी के उच्चतम वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) स्लैब में मिला देने के पक्ष में हैं। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की अध्यक्षता में जीएसटी मुआवजा उपकर पर मंत्रिसमूह की पहली बैठक में राज्यों ने यह प्रस्ताव भी दिया कि नया जीएसटी स्लैब बनाने के लिए उपकर को विलय करने के दौरान, विलासिता और अहितकर वस्तुओं की सूची में कोई नया सामान नहीं जोड़ा जाना चाहिए। बैठक में शामिल एक राज्य के वित्त मंत्री ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा, 'सभी राज्यों ने उपकर को जीएसटी दरों में मिलाने का अनुरोध किया। उपकर वर्तमान में केंद्र द्वारा संग्रह किया जाता है और इसके जीएसटी दर में विलय के बाद राज्यों को ज्यादा राजस्व जुटाने में मदद मिलेगी क्योंकि इसे केंद्र और राज्यों के बीच समान रूप से बांटा जाएगा। अगली बैठक में मंत्रिसमूह इस पर चर्चा करेगा कि मुआवजा उपकर को किस तरह से जीएसटी दर में शामिल किया जाए। मंत्रिसमूह को 31 दिसंबर तक जीएसटी परिषद को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है। चौधरी ने कहा कि मुआवजा उपकर के मुद्दे पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई गई थी। राज्यों ने इस मसले पर अपने विचार साझा किए। बैठक में मुआवजा उपकर को आगे बढ़ाने या उसे घटाने पर भी चर्चा की गई। अगली बैठक नवंबर के दूसरे हफ्ते प्रस्तावित है।

हल्दीराम की प्रमोटर फैमिली का फैसला, अब 10 से 15 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे

नई दिल्ली। देश के प्रमुख नमकीन और मिठाई ब्रांड हल्दीराम को खरीदने के लिए दुनिया की बड़ी कंपनियां दिलचस्पी ले रही हैं। हल्दीराम की प्रमोटर फैमिली ने पहले मैज्योरिटी हिस्सेदारी बेचने की योजना बनाई थी, लेकिन अब उन्होंने योजना में बदलाव किया है। कंपनी अब 10 से 15 फीसदी हिस्सा ही बेचेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बेन कैपिटल, ब्लैकस्टोन, और टेमासेक होल्डिंग्स जैसी प्राइवेट इक्विटी फर्मों ने हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने में रुचि है। हालांकि, इन कंपनियों ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। हल्दीराम का बिजनेस मुनाफे में है और स्नैक्स मार्केट में इसका प्रदर्शन मजबूत है। 2032 तक भारतीय स्नैक्स मार्केट के दोगुना होकर 95,521.8 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है, जो इसे निवेश के लिए आकर्षक बनाता है। इससे पहले मई में खबरें आई थीं कि ये कंपनियां हल्दीराम की 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए 8-10 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर बातचीत कर रही थीं लेकिन वैल्यूएशन को लेकर मतभेदों के चलते यह सौदा टल गया। हल्दीराम ने आईपीओ लाने पर भी विचार किया था, लेकिन इस पर बात नहीं बनी। हल्दीराम का बिजनेस नागपुर और दिल्ली गुटों के मर्जर के बाद एकीकृत हो चुका है। हल्दीराम स्नैक्स फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड की 56फीसदी और हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड की 44फीसदी हिस्सेदारी है।

बता दें हल्दीराम की शुरुआत 1937 में गंगा बिसन अग्रवाल ने की थी और आज यह कंपनी

100 से ज्यादा देशों में 400 से ज्यादा फूड आइटम्स बेच रही है। हल्दीराम का मुख्य मुकाबला बालाजी वैफर्स, बीकानेरवाला, आईटीसी, पार्ले प्रॉडक्ट्स, और पेप्सिको जैसी कंपनियों से है। हल्दीराम की भारतीय स्नैक्स मार्केट में 21फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि पेप्सिको की 15फीसदी है।

केबीसी 16 में, अमिताभ बच्चन ने पहली बार विद्या बालन को देखा था

मुंबई : केबीसी 16 में, बॉलीवुड के सुपरस्टार विद्या बालन और कार्तिक आर्यन का स्वागत किया जाएगा। एक दिल छूने वाले पल में, अमिताभ बच्चन ने 2005 की फिल्म परिणीता में विद्या की असाधारण शुरूआत को याद किया। एक व्यक्तिगत याद को साझा करते हुए, श्री बच्चन कहते हैं, पहली बार मैंने आपको परिणीता की स्क्रीनिंग के दौरान देखा था, और मैं कुछ दिग्गजों के साथ बैठा था और करण जौहर उनमें से एक थे। मैंने उनसे कहा, ह्यइस लड़की को जल्दी से साइन करो, यह बहुत बड़े कलाकार बनने वाली है। बिग बी को उनके विनम्रतापूर्ण बातों के लिए धन्यवाद देते हुए, विद्या ने कहा कि 2007 की फिल्म एकलव्य में पहली बार उनके साथ काम करने का अवसर पाकर वे बेहद खुश थीं।

जम्मू-कश्मीर में महका लोकतंत्रः सरकार से बड़ी उम्मीदें

ललित गर्ग

केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूती दे रहा है। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे हिंसा, अस्थिरता, आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं। जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी।

आखिरकार जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की धूप खिल ही गयी, पांच साल बाद केन्द्र शासित जम्मू-कश्मीर को निर्वाचित सरकार मिल गयी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद केन्द्र शासित प्रदेश में यह पहली चुनी हुई सरकार है, जो नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। उमर अब्दुल्ला पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास है। नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कठिन चुनौती भी है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है। घाटी में दशकों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के मद्देनजर घाटी के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया। तमाम ऊहापोह, सुरक्षा चुनौतियों तथा विदेशी दखल की तमाम आशंकाओं को निर्मूल करते हुए जम्मू-कश्मीर के जनमानस ने स्पष्ट सरकार बनाने का जनादेश दिया है। इस भूमिका तक पहुंचाने में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनना ऐसे ही प्रयासों की सार्थक निष्पत्ति है। नई सरकार को विकास की चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए आतंकमुक्त कश्मीर के संकल्प को मंजिल तक पहुंचाना होगा।

जम्मू एवं कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार का गठन अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेगा बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। बहरहाल, ऐसे में नवनिर्वाचित सरकार और केंद्र का दायित्व है कि घाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जतायी है, उसे पूरा करने में भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मतदाता डर कर मतदान करने हेतु नहीं निकलते थे। मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाता निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को सकारात्मक समर्थन दिया है। यद्यपि लोकसभा चुनाव में नेशनल

कॉन्फ्रेंस को कामयाबी नहीं मिल पायी थी, लेकिन जनता ने उन्हें राज्य में सरकार चलाने का स्पष्ट जनादेश दिया है। वहीं दूसरी ओर, इस भारी मतदान व स्पष्ट बहुमत का एक निष्कर्ष यह भी है कि लोग घाटी में शांति और सुकून, अमन एवं विकास, सौहार्द एवं सद्भावना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस क्षेत्र में शांति कायम होने के साथ विकास की नई बयार चले। जिसमें आम नागरिक खुद को सुरक्षित अनुभव करते हुए राष्ट्रीय विकास की धारा के साथ-साथ कदमताल कर सके।

निश्चित ही उमर के सामने चुनौतियां बड़ी हैं, आम लोगों को भी उनकी कठिनाइयों का अंदाजा है, वहीं खुद उमर ने भी व्यावहारिक नजरिया अपनाने का संकेत दिया है। चुनाव के दौरान अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर कड़ा रुख अपनाने वाले उमर ने चुनाव नतीजे आने के बाद इस मसले पर अपना रुख नरम कर लिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात ऐसे नहीं हैं, जिनमें इस मुद्दे पर जोर देने का किसी को कुछ फायदा होगा। उम्मीद बढ़ाने वाली बात यह भी है कि चुनावी कड़वाहट को पीछे छोड़ते हुए सभी पक्षों ने सहयोग का रुख अपनाने का संकेत दिया है। न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नई सरकार के साथ मिलकर काम करने का संकेत दिया है बल्कि खुद उमर ने भी उपराज्यपाल से टकराव की बजाय आपसी समझ एवं सकारात्मकता से शासन करने की मंशा जतायी है, जो जहां जम्मू-कश्मीर की जनता के हित में है वही उमर की राजनीतिक सूझबूझ, परिपक्वता एवं विवेक का परिचायक है। चाहे उपमुख्यमंत्री पद जम्मू संभाग से चुने गए विधायक सुरिंदर चौधरी को स्थान देने की बात हो या कांग्रेस के लिए कैबिनेट में स्थान खाली रखने की, उमर अब्दुल्ला यह संकेत दे रहे हैं कि वह सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। कांग्रेस ने फिलहाल सरकार को बाहर से समर्थन देने की बात कही है, लेकिन इसका कारण राज्य का दर्जा न मिलने को बताया है। उमर को हर कदम सावधानी से उठाने होंगे ताकि कोई भी स्थिति मंत्री पदों की संख्या का या इंडिया गठबंधन के घटक दलों में मतभेद एवं टकराव का न बन जाए। उमर के एक-एक फैसले पर कैबिनेट और उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र का मसला सामने आ सकता है। ऐसे में देखना होगा कि इन सबके बीच जम्मू-कश्मीर की नई सरकार उमर के नेतृत्व में कितने सधे कदमों से आगे बढ़ती है। क्योंकि सरकार को अपना दायित्व इस बात को ध्यान में रखकर निभाना होगा कि केंद्रशासित प्रदेश में उपराज्यपाल के पास व्यापक अधिकार हैं।

केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूती दे रहा है। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे हिंसा, अस्थिरता, आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं। जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी। इसलिये जम्मू-कश्मीर में नई सरकार को व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करते हुए बदली हुई शासन व्यवस्था के साथ भी साम्य स्थापित करना है। इस बात का अहसास उमर अब्दुल्ला को भी है कि शासन चलाने में अब पहले जैसी स्वतंत्रता नहीं होगी। विश्वास किया जाना चाहिए कि कम से कम सीमावर्ती घाटी की संवेदनशीलता को देखते हुए इस केंद्रशासित प्रदेश में वैसा टकराव देखने को नहीं मिलेगा, जैसा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और एलजी के बीच देखने को मिलता रहा है। विश्वास करें कि नई सरकार को प्रशासनिक मामलों में नौकरशाही का पर्याप्त सहयोग मिलता रहेगा। नीति-नियंताओं को ध्यान रखना होगा कि सरकार चलाने में किसी भी तरह का अनावश्यक व्यवधान कालांतर अशांति का वाहक बनेगा। उम्मीद करें कि यथाशीघ्र पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर में प्रशासन की विसंगतियां दूर की जा सकेंगी। राज्य ने साम्प्रदायिकता, आतंकवाद तथा अस्थिरता के जंगल में एक लम्बा सफर तय किया है। उसकी मानसिकता घायल है तथा जिस विश्वास के धरातल पर उसकी सोच ठहरी हुई थी, उसमें नई उम्मीदों को पंख लगे हैं। अलगाव से बाहर निकलने का नया विश्वास जगा है। पाकिस्तानी आतंकी सोच के नुकसान को प्रांत ने झेला और महसूस किया है। गुलाम कश्मीर के लोगों की दुर्दशा को देखा जा रहा है। इसीलिये इन चुनावों में जम्मू-कश्मीर के लोग सक्रिय रूप से भाग लेकर और बड़ी संख्या में मतदान कर लोकतांत्रिक सरकार बनायी है, जो शांति और विकास के नये द्वार उद्घाटित करते हुए युवाओं के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करे एवं आतंकमुक्ति का एक नया अध्याय रचे। आज सबकी आंखें एवं कान उमर की भविष्य के शासन एवं नीतियों पर टिकी है। निश्चित ही इस नई सरकार से उम्मीद जगी है कि उसके प्रयासों से जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक विकास और शांति-समृद्धि-स्थिरता का नया दौर शुरू होगा। ऐसा होना ही नई सरकार एवं उमर के नेतृत्व की सार्थकता है।

संपादकीय

आगे की चुनौतियां

नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री बने हैं। 2019 में संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद से राज्य के राजनीतिक और प्रशासनिक बनावट में काफी बदलाव आए हैं। केंद्र शासित प्रदेश की यह पहली निर्वाचित सरकार है जिसमें मुख्यमंत्री की शक्तियां और अधिकतर देश के अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम है। इसी वर्ष जुलाई में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उपराज्यपाल को अधिक शक्ति और अधिकार देने के लिए जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 की धारा 55 को संशोधित किया। इस संशोधन के बाद उपराज्यपाल के पास पुलिस, लोक व्यवस्था, अखिल भारतीय सेवा और भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो से संबंधित अंतिम फैसला लेने का अधिकार होगा। शायद इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए फारुक अब्दुल्ला ने अपने पुत्र उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद को कांटों का ताज कहा है। हालांकि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बहुत सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते हुए जम्मू संभाग से सुरेंद्र चौधरी को उपमुख्यमंत्री के पद पर नियुक्त किया है। उन्होंने शपथ ग्रहण के बाद कहा कि हमें लोगों की समस्याओं को दूर करने के लिए जनादेश मिला है और हम पहले दिन से ही यह करना चाहते हैं। सीमित शक्तियों के साथ जनता की आकांक्षाओं को कितना पूरा कर पाते हैं यह देखने वाली बात होगी। नेशनल कांफ्रेंस की मुख्यमंत्री प्रमुख रूप से दो विशेष मांगे हैं। जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना और अनुच्छेद 370 की वापसी। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला और उनकी पार्टी के अन्य नेताओं ने चुनाव में प्रमुख रूप से इन्हीं दो मुद्दों के आधार पर जनता से वोट मांगा है। जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा वैधानिक मांग है। लेकिन अनुच्छेद 370 इतिहास बन गया है अगर नेशनल कांफ्रेंस इसे बहाल करने की बात करती है तो केंद्र के साथ टकराव बढ़ेगा यह स्थिति उमर के प्रतिकूल जाएगी। राज्य के विकास योजनाओं को लेकर उमर को उपराज्यपाल के साथ समन्वय बनाकर चलना होगा। उमर अब्दुल्ला पहले भी मुख्यमंत्री रहे हैं। लेकिन अब परिस्थितियों काफी बदल गई है। इन बदली भी परिस्थितियों के साथ उमर अपने आप को कितना ढ़ाल पाते हैं यह आने वाला समय बताएगा।

चिंतन-मनन

दान और परोपकार से घटता नहीं है धन

सभी धर्मों में कहा गया है कि दान करो। दान करने से धन घटता नहीं है बल्कि आपका धन बढ़ता है। लेकिन समस्या यह है कि लोग धन बढ़ने का तात्पर्य यह समझते हैं कि आज आप सौ रुपए कमाते हैं तो कल हजार रुपए कमाने लगेंगे। शास्त्रों में मुद्रा को धन कभी कहा ही नहीं गया है। शास्त्रों के अनुसार व्यक्ति जो पुण्य अर्जित करता है वही धन है। पुण्य रूपी धन परोपकार और जनहित से बढ़ता है। मुद्रा रूपी धन तो आपको उतना ही मिलेगा जितना आपकी किस्मत में होगा। अगर आप दान भी कर दें तो आपके पास उतना ही रहेगा जितना आपके भाग्य में है। अगर आप संचित करके भी रखेंगे तब भी उतना ही बचेगा जितना आपकी किस्मत में विधाता ने लिख दिया है।

दक्षिण भारत की एक कथा है इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। एक गरीब ब्राह्मण था। दिन भर अपना काम करता इसके बाद जो भी समय बचता उसे भगवान की सेवा में लगा देता। ब्राह्मण की पत्नी अक्सर ब्राह्मण से कहती पूजा-पाठ से क्या लाभ है भगवान तो हमारी सुनते ही नहीं, पता नहीं हमारी गरीबी कब दूर होगी। एक दिन ब्राह्मणी की बात सुनकर ब्रह्मण बहुत दुःखी था। पूजा करने बैठा तो भगवान प्रकट हो गये। भगवान को देखते ही ब्रह्मण अपनी गरीबी दूर करने के लिए प्रार्थना करने लगा। भगवान ने कहा तुमने पूर्व जन्म दान नहीं किया है इसलिए तुम्हारे भाग्य में अन्न धन की मात्रा कम है। अगर तुम चाहो तो तुम्हें तुम्हारे भाग्य का अन्न धन एक साथ मिल सकता है। लेकिन एक बार अन्न धन खत्म होने के बाद तुम क्या करोगे। अच्छा होगा कि तुम धीरे-धीरे अपने हिस्से का अन्न धन प्राप्त करो।

ब्रह्मण ने कुछ देर सोचा फिर बोला प्रभु मेरे भाग्य का सारा अन्न धन एक साथ दे दीजिए। कुछ दिन तो सुखी से जी लूंगा। भगवान ने तथास्तु कह दिया। ब्राह्मण का घर अन्न से भर गया। ब्राह्मणी अन्न का भंडार देखकर खुश हो गयी। ब्राह्मण ने कहा कि इसे हम एक साथ खर्च नहीं करेंगे। हमारा जीवन जैसे चल रहा था हम वैसे ही जिएंगे। अगले दिन से ब्राह्मण गरीबों को अन्न-धन बांटने लगा। ब्राह्मण की किस्मत में जितना अन्न धन का सुख था वह उसे मिलता रहा। लेकिन दान के प्रभाव से उसके पुण्य में वृद्धि होती गयी और ब्राह्मण का नाम एवं यश चारों ओर फैलने लगा। पुण्य की वृद्धि और उदारत से प्रसन्न होकर भगवान ने ब्राह्मण की गरीबी दूर कर दी।

बातचीत से कनाडा ही नहीं इन देशों का भी निकलेगा हल

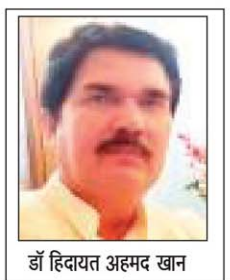

डॉ हिदायत अहमद खान

भारत और कनाडा के बीच काफी लंबे समय से चली आ रही तनातनी अब दोतरफा राजनयिक कार्रवाई तक पहुंच गई है। इससे दोनों ही देशों के रिश्ते रसातल पर पहुंच गए हैं। यह सही है कि कनाडा ने भारत पर बहुत ही गंभीर आरोप लगाए हैं। मुमकिन है कि ऐसा आगामी चुनाव को देखते हुए कनाडा ने किया हो। निज्जर और पन्नू तो एक बहाना है, असल मकसद तो चुनाव साधना है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के पास जनता को बतलाने के लिए कुछ खास तो बचा नहीं है, ऐसे में भारतीय मूल के वोटरों के एक बड़े धड़े को खुश करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। इस तरह से सियासी पैंतरेबाजी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर खूब चला है। नतीजा यह हुआ कि भारतीय उच्चायुक्त सहित छह राजनयिकों को निज्जर हत्याकांड से सीधे जोड़े जाने के चलते भारत ने कनाडा के डेप्युटी हाई कमिश्नर सहित छह राजनयिकों को देश छोड़ने को कह दिया और वहां से अपने राजनयिक बुलाने के आदेश दे दिए। अब चूंकि कनाडा में भारत विरोधी ताकतों का जमावड़ा लगा हुआ है और उन पर कोई कार्रवाई भी नहीं की जा रही है। ऐसे में रिश्तों में दरार बढ़ना लाजमी है, लेकिन इसके दूरगामी परिणाम घातक होंगे, जिसे दोनों ही देश नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। ऐसे में कनाडा सरकार के लिए बेहतर यही होगा कि वह अपने देश में जमें अलगाववादियों के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय कार्रवाई करे और बातचीत के जरिए समस्या का समाधान निकाले। यदि ऐसा नहीं हुआ तो राजनयिकों के खिलाफ की गई दोतरफा कार्रवाई के अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक समीकरण पर भी इसका असर जरुर ही देखने को मिलेगा।

यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि निज्जर मामले के अलावा भारत को अलगाववादी और अमेरिकी-कनाडाई नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश संबंधी आरोपों का भी सामना करना पड़ रहा है। कनाडा से रिश्ते बिगड़ते देख अमेरिका भी मुखर हो गया है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। जून 2023 में निज्जर की हत्या के बाद से कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो मानों बौखला गए हैं। उन्होंने पिछले साल ही 21 सितंबर को नई दिल्ली मे आयोजित जी20 शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। तब से ट्रूडो निज्जर की हत्या में किसी भारतीय एजेंट के हाथ होने का आरोप लगाते आ रहे हैं। खास बात यह है कि उन्होंने इन आरोपों को सिद्ध करने के कोई पुख्ता सबूत पेश नहीं किए। इससे भी जब दिल नहीं भरा तो कनाडा पुलिस ने अब एक नया संगीन आरोप लगाते हुए कह दिया कि कनाडा की नागरिकता वाले सिख अलगाववादियों को धमकाने के लिए पंजाब के लॉरेंस विश्नोई गेंग का इस्तेमाल भारत की ओर से हो रहा है। अब भले ही इस मामले में कोई पुख्ता सबूत पेश नहीं किए जा रहे हों, लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत शक के दायरे में तो आता दिख ही रहा है। इससे अलगाववादी ताकतों को ही बल मिलेगा और आज नहीं तो कल ये ताकतें कनाडा समेत अन्य देशों के गले की फांस भी बनते देर नहीं लगाएंगी। यदि ऐसा नहीं है तो क्या कारण है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कनाडा की सड़कों पर भारत विरोधी प्रदर्शन होते हैं और नारे लगाए जाते हैं। यही नहीं भूतपूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी लगाकर दिखाई जाती है और कनाडा का शासन-प्रशासन मूक दर्शक बना सब होते हुए देखता रहता है। कुछ ऐसा ही नजारा अमेरिका और ब्रिटेन में भी देखने को मिले। अब इसका विस्तार अन्य और देशों में भी हो सकता है, क्योंकि साझेदार देशों में इसे लेकर संवेदनशीलता तो देखने को मिलती ही है। आगे चलकर यदि ऐसा ही कुछ ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में भी देखने को मिले तो हैरानी नहीं होगी, क्योंकि इन देशों में सिख प्रवासियों की संख्या अच्छी खासी है। इस पर भारत सरकार को गौर करने की आवश्यकता है। इससे पहले कि मामला हाथ से निकले और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इसे लेकर सियासत शुरू हो बातचीत के लिए एक माहौल तैयार करने की आवश्यकता है।

यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि कनाडा ने न केवल अमेरिका को इस घटनाक्रम की पूरी जानकारी दी है, बल्कि अपने साझेदार अन्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त बैठक कर उन्हें भी यथास्थिति से अवगत कराने का बड़ा काम कर दिया है। इसलिए आशंका है कि भविष्य में भारत के इन देशों से भी रिश्ते पटरी से उतरते दिख सकते हैं। अंततः भारत के पड़ोसी देशों में जिस तरह के हालात बने हैं, उन्हें देखते हुए भारत को और मुल्कों से संभलकर रिश्ते कायम रखने होंगे। स्थिति बेहतर हो और सकारात्मक बातचीत के जरिए समस्याओं का समाधान निकले। इससे विश्वशांति की ओर अग्रसर होने का संदेश देने में भी भारत सफल हो सकेगा, जिससे विकास के तार भी जुड़े हैं।

चिंतन : बुद्ध धम्म शिक्षा में पाली की भूमिका

बैशाली सरकार

पाली बुद्ध के समय, यानी 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व में, जन भाषा (लिंगुआ फ्रैंका) थी। कई अन्य साहित्यिक भाषाओं की तरह, यह विभिन्न बोलियों के मिश्रण से विकसित हुई है, जो भाषाई प्रभावों की एक समृद्ध विविधता को दर्शाती है, जिसमें अर्धमागधी प्रमुख थी। इसे मुख्य रूप से प्रारंभिक बौद्ध परंपरा के भीतर उपयोग किया गया है। पाली भाषा ने अपनी अनूठी विकास प्रक्रिया के कारण बुद्ध धम्म के प्रसार में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

थेरवाद बौद्ध परंपरा में पाली भाषा का विशेष महत्त्व है, क्योंकि यह बुद्ध के उपदेशों का मूल माध्यम है। यह विशेष रूप से तिपिटक में स्पष्ट होता है, जो बुद्ध को समर्पित उपदेशों का सबसे व्यापक और प्रामाणिक संग्रह है। त्रिपिटक तीन 'पिटकों' (टोकरी) में विभाजित हैः विनय पिटक, जो भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिए मठवासी आचार संहिता को निर्धारित करता है; सुत्त पिटक, जिसमें बुद्ध के उन उपदेशों को संग्रहित किया गया है जो उन्होंने पैंतालीस वर्षों की महान यात्रा के दौरान दिए, जिसमें उपयुक्त उदाहरण, रूपक और उपमाएँ शामिल हैं; और अभिधम्म पिटक, जो शिक्षाओं का दार्शनिक और मानसिक विश्लेषण प्रदान करता है, जिससे मन, मानसिक कारक, भौतिक तत्वों और पदार्थ की गुणवत्ता के बीच के अंतरसंबंध और इनसे परे जाने की प्रक्रियाओं को स्पष्ट किया जाता है।

यह मनोविज्ञान और नैतिकता का सच्चे अर्थों में संयोजन है। बौद्ध धर्म के इन तीन विभागों का आपस में गहरा संबंध है और ये बुद्ध की शिक्षाओं के अभिन्न और परस्पर पूरक भंडार हैं। ये क्रमशः सदाचार (शील), ध्यान (समाधि) और प्रज्ञा (पन्ना) के मार्गों को स्पष्ट करते हैं, जो साधकों के लिए मोक्ष और निर्वाण प्राप्ति के अंतिम लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए एक समग्र मार्गदर्शक प्रदान करते हैं। पाली दक्षिण पूर्व एशिया के कई देशों, जैसे भारत, श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमार, लाओस और कंबोडिया आदि में पारंपरिक बौद्ध मठवासी शिक्षा प्रणालियों के भीतर एक जीवित भाषा के रूप में आज भी फल-फूल रही है। इन क्षेत्रों में पाली का अध्ययन मठवासी प्रशिक्षण का एक आधारभूत हिस्सा है, जहां भिक्षु और भिक्षुणियां पाली ग्रंथों में महारत हासिल करने के लिए लंबे समय तक अध्ययन करते हैं।

जैसे-जैसे बौद्ध धर्म वैश्विक रूप से फैलता और विकसित होता जा रहा है, पाली का ज्ञान पारंपरिक बौद्ध देशों के बाहर के विद्वानों, साधकों और शिक्षकों के लिए अत्यधिक महत्त्वपूर्ण बना हुआ है। यह सतत अध्ययन आधुनिक दर्शकों के लिए बुद्ध के उपदेशों को अनुकूलित और व्याख्यायित करने में मदद करता है, जबकि उनके मूल संदर्भ के प्रति निष्ठा बनाए रखता है। भारत सरकार द्वारा पाली को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्रदान करना एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो इसके पुनर्जीवन और पुनरुत्थान का मार्ग प्रशस्त करता है। शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्रदान करना उन देशों की सांस्कृतिक धरोहर के एक महत्त्वपूर्ण घटक के रूप में पाली की स्थिति को रेखांकित करता है, जहां बुद्ध धम्म फला-फूला है।

अधिकांश बौद्ध देशों के संघों के अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के सदस्य होने के साथ, जो संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन है, शास्त्रीय भाषाओं जैसे पाली के ज्ञान का सक्रिय रूप से उत्सव मनाते हैं; पाली भाषा के पुनरु त्थान की दिशा में काम करते हुए, हम केवल एक प्राचीन भाषा को पुनर्जीवित नहीं कर रहे हैं, बल्कि बुद्ध धम्म के सार को उसकी वास्तविक रूप में समझने के द्वार खोल रहे हैं। युवा विद्वानों और साधकों को पाली अध्ययन में शामिल करके, आईबीसी उन्हें उन शिक्षाओं की खोज और व्याख्या के लिए प्रोत्साहित करता है, जिन्हें लंबे समय तक भाषाई बाधाओं के कारण गलत समझा या गलत व्याख्यायित किया गया था। भाषा की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को समझने में भूमिका को मान्यता देते हुए, आईबीसी विशेष रूप से उन अस्पष्टताओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिन्हें ऐतिहासिक रूप से अनुवाद की त्रुटियों ने धुंधला कर दिया था। यह मान्यता सरकार को पाली को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के उद्देश्य से लक्षित पहलों को लागू करने के लिए सशक्त बनाती है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि पाली आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रासंगिक बनी रहे। शैक्षिक कार्यक्रमों, सांस्कृतिक पहल और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से पाली अपने स्थान को फिर से हासिल कर सकती है, जो उन समाजों की आध्यात्मिक और बौद्धिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा है, जो इसे संजोते हैं।

(लेखिका बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में पीएचडी स्कॉलर हैं)

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया |सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार` मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

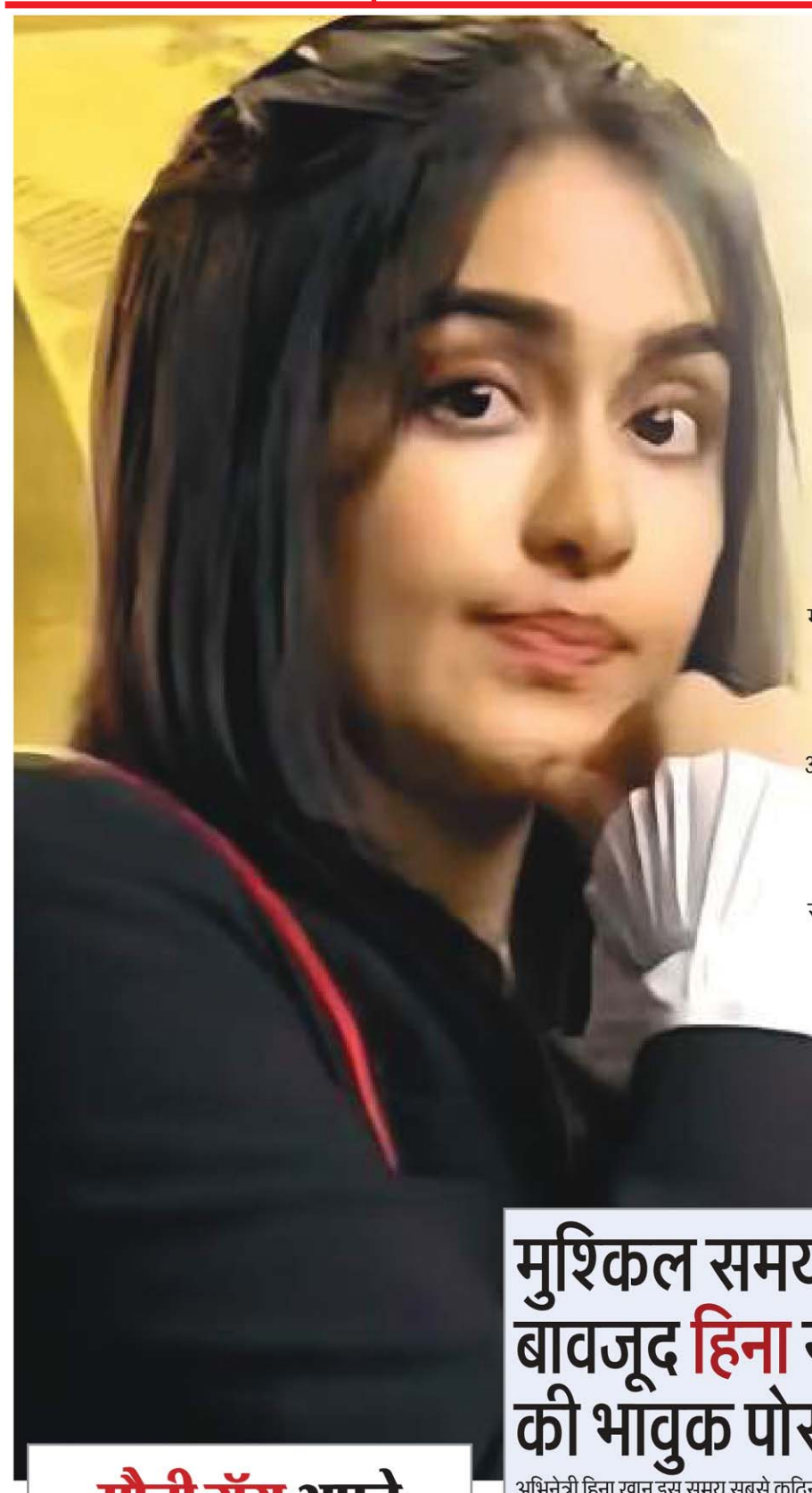

रीता सान्याल आ रही है आपको चौकाने और हंसाने के लिए

डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने हाल ही में थ्रिलर ड्रामा सीरीज, रीता सान्याल की घोषणा की है, जिसमें शानदार अदाह शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। अदाह के साथ अंकुर राठी, राहुल देव और माणिक पपनेजा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार हैं। रीता सान्याल को केलाइट प्रोडक्शन्स द्वारा प्रोड्यूस किया गया है और ये डिज्नी प्लस हॉटस्टार मोबाइल ऐप पर मुफ्त में स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध होगी। लुक्स से लेकर जस्टिस तक, रीता सान्याल आपको चौकाने, सोचने और हंसाने आ रही है! पेशे से वकील और दिल से जासूस, रीता सान्याल एक नई और ताज़गी भरी टवीस्ट लेकर आती हैं। केलाइट प्रोडक्शन्स के बैनर तले राजेश्वर नायर और कृष्णन अय्यर द्वारा प्रोड्यूस की गई और अभिरूप घोष द्वारा निर्देशित डिज्नी प्लस हॉटस्टार की 'रीता सान्याल' मशहूर लेखक अमित खान द्वारा रचित किरदार पर आधारित है। इसे डिज्नी प्लस हॉटस्टार के मोबाइल ऐप पर मुफ्त में देखा जा सकेगा, और नए एपिसोड सोमवार से शुक्रवार तक जारी होंगे! हम सभी डिटेक्टिव थ्रिलर्स के फैन रहे हैं और डिज्नी प्लस हॉटस्टार की रीता सान्याल उसी में एक मजेदार टिवस्ट लेकर आई है जिसका इंतजार हम सभी को था! अदाह शर्मा शानदार प्रदर्शन करती हैं, जहां वो एक मेहनती वकील और तेज-तर्रार जासूस का किरदार निभाती हैं जो अपनी चतुराई और हाज़रिजवाबी से मुश्किल केस सुलझाती हैं। उनकी अद्भुत क्षमता उन्हें हर स्थिति में ढलने देती है, और वो खतरनाक कानूनी मोर्चों पर भी मजबूती से डटी रहती हैं। मशहूर लेखक अमित खान, जिन्होंने रीता सान्याल का किरदार रचा है, ने कहा, रीता सान्याल एक वकील है। रीता सान्याल न केवल कोर्ट में केस हल करती है बल्कि खुद जांच भी करती है। उसके केस सुलझाने का तरीका बहुत अनोखा है और वो अपराधियों के बीच घुलने-मिलने के लिए अलग-अलग भेष धरती है। अदाह शर्मा ने 'रीता सान्याल' के किरदार को जीवंत कर दिया है। उन्होंने रीता सान्याल के हर अलग भेष को बखूबी निभाया है।

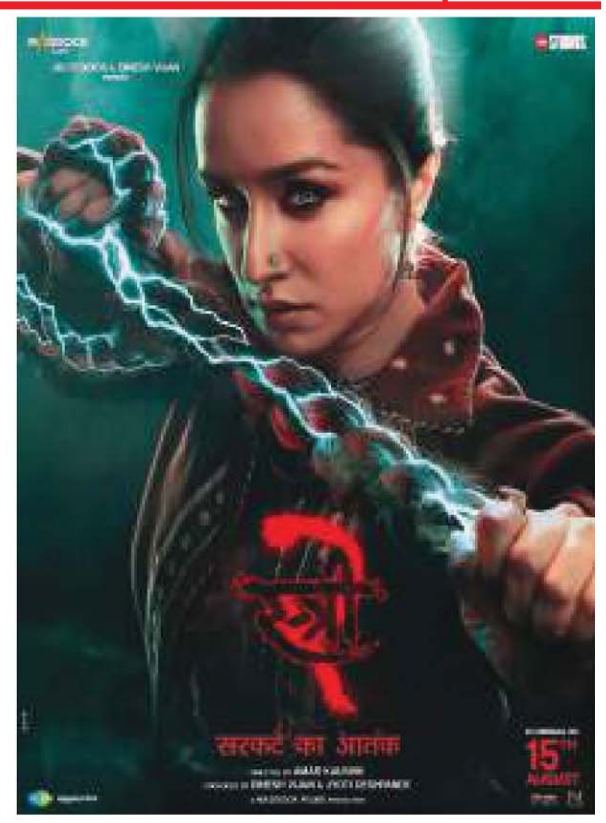

फिल्म स्त्री 2 की सफलता का जश्न मना रही श्रद्धा कपूर

अपनी फिल्म स्त्री 2 की सफलता का बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इन दिनों जश्न मना रही हैं। एक्ट्रेस अपने प्यारे पेट्स के साथ समय बिताते हुए सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। श्रद्धा ने अपने पेट स्मॉल के पसंदीदा गाने के बारे में खुलासा किया, जिसने उनके फैंस के बीच हलचल मचा दी है।

श्रद्धा के पास दो प्यारे पेट्स हैं - शल्योह और स्मॉल, जिनके साथ उनकी बॉन्डिंग सोशल मीडिया पर अक्सर दिखती है। इस बार श्रद्धा ने बताया कि स्मॉल का फेवरेट गाना 90 के दशक की हिट फिल्म मिस्टर और मिसेज खिलाड़ी का प्रसिद्ध गाना समोसे में आलू है। श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर इस गाने का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, मेरे स्मॉल का फेवरेट सॉन्ग। श्रद्धा ने इस पोस्ट के साथ एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें उनके दोनों पेट्स गली में मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए श्रद्धा ने मजाकिया अंदाज में कैप्शन लिखा, मेरी सोसाइटी बॉस लोग। अभिनेत्री ने अपने पेट्स को लेकर अक्सर प्यारी और दिलचस्प पोस्ट्स शेयर की हैं, जो उनके फैंस के बीच काफी लोकप्रिय हैं। फिल्मी मोर्चे पर श्रद्धा कपूर को हाल ही में स्त्री 2 में देखा गया, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना नजर आए। स्त्री की सफलता के बाद, स्त्री 2 से भी दर्शकों की उम्मीदें काफी थीं, और फिल्म ने इन उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरते हुए जबरदस्त कमाई की। श्रद्धा को फिल्म में उनके किरदार और अभिनय के लिए काफी सराहना मिल रही है।

श्रद्धा की पिछली फिल्मों में आशिकी 2, ओके जानू, एक विलेन, हसीना पार्कर, छिछोरे, और स्ट्रीट डांसर 3 डी जैसी हिट फिल्में शामिल हैं, जिन्होंने उन्हें बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों की सूची में मजबूती से स्थापित किया है। फिलहाल, श्रद्धा अपने करियर के सुनहरे दौर का आनंद उठा रही हैं और अपने प्यारे पेट्स के साथ मस्ती करते हुए अपने फैंस से जुड़े रहने का हर मौका तलाश रही हैं। बता दें कि श्रद्धा ने स्मॉल को 21 सितंबर को अपने परिवार में शामिल किया था और इंस्टाग्राम पर स्मॉल की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा था, मेरे घर आई एक नई स्त्री... मिलिए स्मॉल से। यह मेरे परिवार की नई सदस्य और मेरी दोस्त है। मुझे यह तोहफे में मिली है।

अनन्या ने आर्यन खान को लेकर किया दिलचस्प खुलासा

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को लेकर एक दिलचस्प खुलासा किया है। एक्ट्रेस अनन्या पांडे इस समय अपनी वेब सीरीज़ सीटीआरएल के प्रमोशन में व्यस्त हैं। प्रमोशन के दौरान अनन्या ने बताया कि बचपन में आर्यन खान ने उन्हें और उनकी दोस्तों को एक बार धमकी दी थी। अनन्या ने कहा, मैं अक्सर ब्लॉग बनाती थी जिसमें मैं अपने दिनभर की गतिविधियां और खाने-पीने की चीजें रिकॉर्ड करती थी, लेकिन इन्हें कभी पोस्ट नहीं करती थी। उस समय, फोटोबूथ और एप्पल जैसी नई चीजें आई थीं, और हम सुहाना, शनाया और मैं इसे रिकॉर्ड करते थे। एक बार आर्यन ने हमें धमकी दी कि अगर हम उसके लिए काम नहीं करेंगे, तो वह हमारे प्राइवेट वीडियो और ब्लॉग्स लीक कर देगा। अनन्या ने इस मजाक को बचपन की शरारत बताया और कहा कि यह सब किसी गंभीरता से नहीं किया गया था। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ऑनलाइन सेफ्टी के मुद्दे पर जागरूकता फैलाना बेहद जरूरी है।

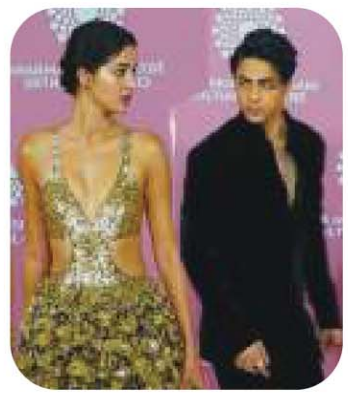

अनन्या ने कहा, आजकल सोशल मीडिया पर सुरक्षा के मुद्दे पर ध्यान देना बहुत जरूरी है, और हमें इसके बारे में सचेत रहना चाहिए। जहां अनन्या और सुहाना बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत कर चुकी हैं, वहीं उनकी दोस्त शनाया कपूर जल्द ही अपनी फिल्मों से पर्दे पर दिखाई देगी। शनाया अपनी पहली फिल्म के लिए तैयार हैं और उनके फैंस इसको लेकर काफी उत्साहित हैं। दूसरी ओर, आर्यन खान अपने दोस्त बंटी सिंह के साथ मिलकर एक लग्जरी लाइफस्टाइल ब्रांड लेटी ब्लागोर्वा लॉन्च कर चुके हैं। इस बयान के बाद, सोशल मीडिया पर लोग अनन्या और आर्यन की बचपन की इस मजाक को लेकर चर्चा कर रहे हैं। हालांकि, अनन्या ने इसे सिर्फ एक हल्का-फुल्का मजाक बताया, और इस घटना को लेकर किसी प्रकार की कोई नकारात्मकता नहीं जताई है। बता दें कि शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और एक्ट्रेस अनन्या पांडे बचपन से ही अच्छे दोस्त रहे हैं। दोनों अक्सर साथ स्पॉट होती हैं और एक-दूसरे के साथ समय बिताती हैं।

मुश्किल समय के बावजूद हिना ने शेयर की भावुक पोस्ट

अभिनेत्री हिना खान इस समय सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। एक्ट्रेस ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। इस मुश्किल समय के बावजूद हिना ने हाल ही में एक भावुक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी आंखों और पलकों की तस्वीर साझा की। तस्वीर में उनके लंबी और खूबसूरत पलकों का गिरना साफ नजर आ रहा है, जो कि कीमोथेरेपी का असर है। अब उनकी आखिरी पलक बची हुई है। हिना ने इस कठिन समय को अपनी प्रेरणा बताया और लिखा कि यही आखिरी पलक उनके संघर्ष और साहस की प्रतीक है। हिना खान ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, जानना चाहते हैं कि इस समय मेरी प्रेरणा का सोर्स क्या है? एक समय था, जब मेरी सुंदर पलकें मेरी आंखों की शोभा बढ़ाती थीं। ये जेनेटिकली बहुत लंबी और सुंदर लैशेस थीं। ये बहादुर... अकेली योद्धा मेरी आखिरी पलक ने मेरे साथ सबकुछ सहन किया है, लड़ा है। मेरी कीमो के आखिरी सेशन में ये अकेली पलक मेरी प्रेरणा है। हम इस मुश्किल समय को भी पार कर लेंगे। हिना ने यह भी बताया कि पिछले एक दशक से उन्होंने नकली पलकें नहीं पहनी थीं, लेकिन अब उन्हें शूट्स के लिए इसे पहनना पड़ता है। उन्होंने इस मुश्किल वक्त में भी अपने आत्मविश्वास को कायम रखते हुए कहा, कोई नहीं, सब ठीक हो जाना है। गौरतलब है कि हिना खान कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के बावजूद अपने काम से दूर नहीं हुई हैं। वह लगातार शूट्स में व्यस्त हैं और अपने पेशेवर जीवन को भी संभाल रही हैं।

मौनी रॉय अपने फैशन सेंस से खींचा सभी का ध्यान

अभिनेत्री मौनी रॉय ने लंदन फैशन वीक 2025 में जबरदस्त प्रभाव डाला है। मौनी ने इस इवेंट में 1 मिलियन डॉलर की मीडिया इम्पैक्ट वैल्यू (एमआईवी) दर्ज की। इस आयोजन में वह एकमात्र भारतीय सेलिब्रिटी थीं, जिन्होंने न केवल भारत का प्रतिनिधित्व किया, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने फैशन सेंस से भी सबका ध्यान आकर्षित किया। एक पोस्ट के अनुसार, मौनी रॉय ने इस कार्यक्रम के दौरान मीडिया इम्पैक्ट वैल्यू में डॉलर 1 मिलियन का आंकड़ा छूने में सफलता प्राप्त की। एमआईवी ब्रांडों को उनके पोस्ट, इंटरैक्शन और लेखों के लिए वित्तीय मूल्य का निर्धारण करने में मदद करता है, जिससे वे अपने ब्रांड और विपणन सहयोग की प्रभावशीलता का आकलन कर सकते हैं। मौनी की प्रभावशीलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने कार्यक्रम की पहुंच को बढ़ाया और विभिन्न ब्रांडों को सबसे आगे लाया। इस लिस्ट में मौनी रॉय के साथ-साथ प्रसिद्ध हस्तियों जैसे हू बिंग, डायमोंटे हार्पर, डेक्लान राइस और लेह-ऐनी पिन्नॉक का भी नाम था, लेकिन मौनी रॉय ने इस प्रतिस्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया। डालर 1 मिलियन की एमआईवी के साथ, वह अब सबसे प्रभावशाली हस्तियों में गिनी जाती हैं।

इस सफलता ने यह साबित कर दिया है कि मौनी रॉय केवल एक बॉलीवुड स्टार ही नहीं, बल्कि एक ग्लोबल आइकन भी हैं, जो हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर रही हैं। मौनी ने इस इवेंट में अपने बेदाग फैशन सेंस से भी सबको मंत्रमुग्ध किया और खुद को एक सच्चे फैशनिस्टा के रूप में स्थापित किया। इसके अलावा, काम के मोर्चे पर भी उन्होंने उल्लेखनीय प्रगति की है। हाल ही में उन्होंने बेंगलुरु में अपनी रेस्तरां चैन बदमाश का विस्तार किया, जो पहले से ही मुंबई में सफलता प्राप्त कर चुकी थी।

स्कैम से बचो अभियान के ब्रांड एंबेसडर बन आयुष्मान

मेटा ने अपनी नई सुरक्षा मुहिम स्कैम से बचो अभियान का एक्टर आयुष्मान खुराना को ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचाव और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए जागरूक करेंगे।

इस अभियान को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारतीय साइबर क्राइम समन्वय केंद्र और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से लॉन्च किया गया है। मेटा का यह अभियान देश में बढ़ती ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर क्राइम के मामलों से निपटने में सरकार के प्रयासों का समर्थन करता है और यूजर्स की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को उनके रोजमर्रा के जीवन में होने वाली आम धोखाधड़ी से सतर्क करना है और उन्हें इस बारे में जागरूक करना है कि वे डिजिटल दुनिया में किस प्रकार सुरक्षित रह सकते हैं। अभियान के तहत एक शैक्षिक फिल्म बनाई गई है, जिसमें आयुष्मान खुराना एक शादी के मेहमान के रूप में नजर आते हैं। फिल्म में आयुष्मान उन लोगों को ठगी से बचाने का काम करते हैं जो धोखाधड़ी का शिकार होने वाले होते हैं। उनका हास्यपूर्ण अंदाज और शीघ्र सोच ने फिल्म को आकर्षक और जागरूकता पैदा करने वाला बना दिया है। फिल्म में फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर उपलब्ध सुरक्षा सुविधाओं को भी प्रमुखता से दिखाया गया है, जो यूजर्स को अपनी ऑनलाइन सुरक्षा पर नियंत्रण रखने का अवसर प्रदान करती हैं। इस अभियान में मेटा की सुरक्षा सुविधाओं पर भी जोर दिया गया है, जिनमें टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन, ब्लॉक और रिपोर्ट, और व्हाट्सएप की समूह गोपनीयता सेटिंग्स जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इन सुविधाओं का उद्देश्य यूजर्स को ऑनलाइन ठगी, धोखाधड़ी और अकाउंट खतरे से बचाने के लिए जरूरी सुरक्षा उपकरण प्रदान करना है। अभियान के लॉन्च पर आयुष्मान खुराना ने कहा, आज के डिजिटल युग में ऑनलाइन धोखाधड़ी और ठगी के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। यह जरूरी है कि हम सतर्क रहें और खुद को सुरक्षित रखने के उपायों के बारे में जानें। मैं मेटा की इस सुरक्षा पहल का हिस्सा बनकर खुश हूं, जिसका उद्देश्य लोगों को साइबर ठगी से बचाव के बारे में जागरूक करना है। यह अभियान हमें याद दिलाता है कि किसी भी कार्रवाई से पहले दो बार सोचें और मेटा के सुरक्षा टूल्स का इस्तेमाल करें, जो आपकी ऑनलाइन सुरक्षा को सुनिश्चित करते हैं। इस अभियान में ओटीपी ठगी, व्यक्तिगत खातों और गोपनीय जानकारी को नुकसान पहुंचाने वाली ठगी, नकली निवेश और व्यापार घोटाले, फर्जी लोन ऐप्स और ऑफर जैसी धोखाधड़ी का प्रदर्शन किया गया है।

जब वी मेट में मुख्य भूमिका के लिए चुना गया था भूमिका को

बालीवुड अभिनेत्री भूमिका चावला ने हाल ही में अपने करियर से जुड़े कुछ दिलचस्प खुलासे किए हैं। भूमिका ने बताया कि उन्हें इम्तियाज अली की हिट फिल्म जब वी मेट और राजकुमार हिरानी की मुन्ना भाई एमबीबीएस से रिप्लेस किया गया था। भूमिका ने दौरान कहा कि उन्हें जब वी मेट में मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना गया था, लेकिन बाद में करीना कपूर को उनकी जगह कास्ट कर लिया गया। भूमिका ने बताया कि पहले इस फिल्म का नाम ट्रेन रखा गया था और उनके साथ बॉबी देओल को कास्ट किया गया था। बाद में, कई कास्टिंग बदलाव हुए और आखिरकार करीना और शाहिद कपूर को फिल्म में लिया गया। उन्होंने कहा, मुझे केवल एक बार बुरा लगा, जब मैंने जब वी मेट साइन की थी लेकिन काम नहीं कर पाई। इसके अलावा, भूमिका ने यह भी खुलासा किया कि उन्हें संजय दत्त की फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस के लिए भी साइन किया गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह ग्रेसी सिंह को लिया गया। हालांकि, भूमिका ने इस बात को स्वीकार किया कि फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे बदलाव सामान्य हैं और उन्होंने इसे सहजता से लिया। भूमिका ने अपने करियर में हिंदी के अलावा तेलुगु, तमिल और मलयालम सिनेमा में भी काम किया है। तेरे नाम से उन्हें काफी प्रसिद्धि मिली थी। इसके बाद उन्होंने कई और फिल्मों में काम किया। साल 2023 में भूमिका ने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान के साथ बॉलीवुड में वापसी की थी। भूमिका ने सलमान खान के साथ फिल्म तेरे नाम में अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने कामयाबी हासिल की थी।

भारत /न्यूजीलैंड : भारत के 231 पर तीन आउट, अभी भी 125 रन पीछे

बेंगलुरू (एजेंसी)। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने तीसरे दिन रचिन रविन्द्र (157 गेंदों पर 13 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 134 रन) के शतक की बदौलत 402 के स्कोर के साथ पहली पारी में भारत पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। न्यूजीलैंड के पास अब 356 रन की मजबूत बढ़त हैं। रचिन के अलावा डेवोन कॉनवे और टिम साउथी ने क्रमशः 91 और 65 रन की शानदार पारी खेलते हुए टीम को 400 के पार पहुंचाया। भारत की तरफ से कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने 3-3 विकेट अपने नाम किए। मोहम्मद सिराज को 2 विकेट मिले जबकि अश्विन और जसप्रीत बुमराह के नाम 1-1 विकेट रहा।

भारत ने रोहित शर्मा, विराट कोहली और सरफराज खान के अर्धशतकों की बदौलत तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 3 विकेट गंवाकर 231 रन बनाए। इस दौरान यशस्वी जायसवाल (35), रोहित शर्मा (52) और विराट कोहली (70) के विकेट गंवाए जबकि सरफराज खान क्रीज पर टिके रहे। टीम इंडिया अभी भी 125 रन पीछे है।

इससे पहले वर्षा प्रभावित टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के मैट हेनरी (5) और विलियम ओरोर्के (4) की शानदार गेंदबाजी के कारण भारत पहले टेस्ट की पहली पारी में 46 रन पर ढेर हो गया। भारत की तरफ से 5 खिलाड़ी शून्य पर आउट हो गए जिसमें विराट कोहली, सरफराज खान, केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन जैसे बड़े खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं रोहित शर्मा ने मात्र 2 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने 13 रन की पारी खेली जबकि ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 20 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड ने गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजी की शानदार शुरूआत की और दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए। इससे न्यूजीलैंड ने पहली पारी में भारत पर 134 रन की बढ़त बना ली है। इस दौरान डेवोन कॉनवे (91) शतक से चूक गए।

भारत ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को टॉस जीतकर न्यूजीलैंड के खिलाफ बल्लेबाजी से शुरुआत करने का फैसला किया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टॉस के बाद रोहित ने कहा कि पिच शुरु में गेंदबाजो के लिए मददगार साबित हो सकती है लेकिन विकेट के नेचर को देखते हुए उनकी टीम स्कोरबोर्ड पर अधिक से अधिक रन का स्कोर खड़ा करना चाहती है इसलिए उन्होंने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया है।

न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लेथम ने कहा कि खराब मौसम के कारण उनकी टीम को तैयारी करने का पर्याप्त मौका नहीं मिल पाया लेकिन

चूंकि विकेट काफी समय तक ढका रहा है और बारिश भी हुई है तो ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि सतह से उनके तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी। इससे पहले बारिश के कारण पहले दिन खेल बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था और टॉस भी नहीं हो सका।

प्रमुख कोच हथरुसिंघे पर गिरी गाज, बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने इस कारण पद से हटाया

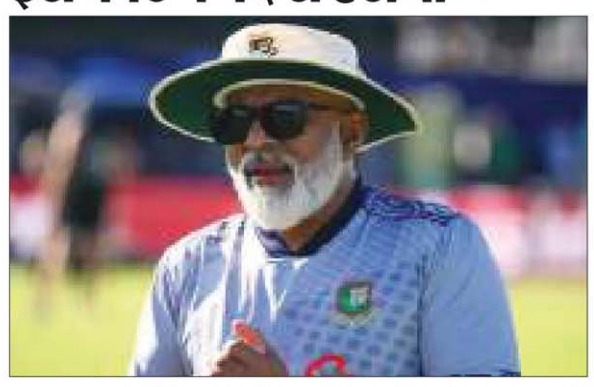

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने टीम के प्रमुख कोच चंडिका हथरुसिंघे को दो दिन पहले हुए निलंबन के बाद पद से हटा दिया है। यह निलंबन मैदान पर मौजूद उनके व्यवहार और रोजगार शर्तों के उल्लंघन के आधार पर किया गया है।

बीसीबी के अध्यक्ष फारूक अहमद ने मंगलवार को कहा कि हथुरुसिंघे ने बंगलादेश के एक क्रिकेटर के साथ मारपीट की और अपने अनुबंध में उल्लेखित से अधिक छुट्टियां लीं। बोर्ड ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर कदाचार के दो मामलों पर स्पष्टीकरण मांगा था। हथुरुसिंघे ने अगले दिन प्रतिक्रिया दी जिसके बाद गुरुवार को स्थिति की समीक्षा के लिए एक आपातकालीन बोर्ड बैठक बुलाई गई।

बीसीबी ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'सभी कारकों पर विचार करने के बाद बोर्ड ने हथुरूसिंघे के स्पष्टीकरण को असंतोषजनक और अस्वीकार्य माना। उनकी बर्खास्तगी तत्काल प्रभाव से लागू होती है।' बंगलादेश के कोच के रूप में हथुरुसिंघे का दूसरा कार्यकाल समाप्त हो गया। उनका अनुबंध जनवरी 2025 तक था। फिल सिमंस को फरवरी 2025 में होने वाली आगामी चैंपियंस ट्रॉफी तक टीम का प्रमुख कोच नियुक्त किया गया है।

रणजी ट्रॉफी : सुदर्शन का दोहरा शतक, तमिलनाडु ने एक विकेट पर बनाए 379 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कप्तान हिम्मत सिंह को परिस्थितियों को सही से नहीं पढ़ पाने का खामियाजा भुगतना पड़ा जिससे तमिलनाडु ने बी साई सुदर्शन के नाबाद दोहरे शतक की बदौलत ग्रुप डी रणजी ट्रॉफी मैच के पहले दिन स्टंप तक एक विकेट गंवाकर 379 रन बना लिए।

सुदर्शन 202 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं, उन्होंने एन जगदीशन (101 गेंद में 65 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 168 रन तथा वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 96 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए अभी तक 211 रन की शतकीय साझेदारियां निभाईं। दिल्ली के कप्तान हिम्मत पिच पर बहुत घास होने के कारण सही फैसला नहीं कर सके जबकि यह सपाट निकली। इससे तमिलनाडु के बल्लेबाजों ने दिल्ली के गेंदबाजों की खूब धुनाई की।

नवदीप सैनी (17 ओवर में 65 रन देकर एक विकेट) और हिमांश चौहान (17 ओवर में 50 रन देकर कोई विकेट नहीं) ने शुरूआती स्पैल में प्रभाव डाला लेकिन सुदर्शन और जगदीशन ने खराब स्पिन गेंदबाजी पर तेजी से रन बटोरे। वहीं दिल्ली के टीम प्रबंधन ने बायें हाथ के स्पिनर सुमित माथुर को अंतिम एकादश में नहीं चुना जिन्होंने पिछले सत्र में अपने पदार्पण में 9 विकेट झटके थे।

गुजरात टाइटन्स के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी अपने खिलाड़ियों का खेल देख रहे थे और सुदर्शन के स्ट्रोक्स से वह प्रभावित दिखे। सुदर्शन ने दिन के अंत में हर्ष त्यागी पर तेजी से एक रन लेकर 249 गेंद में अपना दोहरा शतक पूरा किया। गुवाहाटी में एक अन्य मैच में असम ने चंडीगढ़ के खिलाफ पहले दिन स्टंप तक आठ विकेट गंवाकर 249 रन बना लिए।

राजकोट में छत्तीसगढ़ ने संजीत देसाई के नाबाद 81 और अमनदीप खरे के नाबाद 51 रन की बदौलत सौराष्ट्र के खिलाफ दो विकेट पर 236 रन बनाये। अहमदाबाद में ग्रुप के एक अन्य मैच में विराट सिंह के नाबाद 103 रन, ईशान किशन के 101 रन और नाजिम सिद्दीकी के 96 रन से झारखंड ने रेलवे के खिलाफ पांच विकेट पर 325 रन बनाकर अच्छी शुरूआत की।

कोच श्रीजेश की देखरेख में भारतीय जूनियर टीम सुल्तान जोहोर कप में जापान के खिलाफ करेगी आगाज

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। ।दो बार के ओलंपिक पदक विजेता दिग्गज पीआर श्रीजेश को भारत के नए जूनियर पुरुष हॉकी कोच के रूप में अपनी पहली बड़ी परीक्षा का सामना शनिवार को यहां जापान के खिलाफकरना पड़ेगा, जब अंडर-21 टीम 12वें सुल्तान जोहोर कप में अपने अभियान का आगाज करेगी। इस 36 वर्षीय पूर्व गोलकीपर ने पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम के कांस्य जीतने के बाद खिलाड़ी के तौर पर खेल को अलविदा कह दिया था। उन्होंने इसके तुरंत बाद जूनियर टीम की बागडोर संभाली जो सुल्तान जोहोर कम में चौथी बार चैम्पियन बनने के इरादे से मैदान में उतर रही है।

भारत ने मई 2023 में जूनियर एशिया कप में अपने आखिरी मुकाबले में जापान पर 3-1 से जीत हासिल की और 2022 के सुल्तान जोहोर कप में भी इस टीम को 5-1 से हराया था। कप्तान आमिर अली ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, ''टीम नए मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में अच्छी ट्रेनिंग कर रही है और हम उनके साथ अपना पहला टूर्नामेंट खेलने के लिए उत्साहित हैं।'' उन्होंने कहा, ''पिछली बार जर्मनी से हारने के बाद, हम अपने खिताब का बचाव नहीं कर सके थे। इस बार हमारी तैयारी अच्छी है और हम प्रतियोगिता में किसी भी टीम से मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।''

भारतीय टीम 2013, 2014 और 2022 में इस खिताब को जीत चुकी है। टीम इस स्पर्धा में चार बार दूसरे स्थान पर भी रही है। जापान के बाद भारतीय टीम 20 अक्टूबर को ग्रेट ब्रिटेन, 22 अक्टूबर को मेजबान

मलेशिया और फिर 23 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। भारत ग्रुप चरण में 25 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना आखिरी मुकाबला खेलेगा। लीग चरण में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीमें 26 अक्टूबर को फाइनल में भिड़ेंगी। भारतीय उपकप्तान रोहित ने कहा, ''हम सुल्तान जोहोर कप से पहले सर्वश्रेष्ठ स्थिति में पहुंचने के लिए पिछले कुछ दिनों से कड़ा अभ्यास कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''इस बार टीम में कई नए खिलाड़ी हैं जो मैदान पर अपनी क्षमता दिखाने के लिए उत्साहित हैं। सभी खिलाड़ी अपने खेल में सुधार के साथ एक-दूसरे को प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारी नजरें इस प्रतियोगिता के साथ नवंबर में मस्कट में खेले जाने वाले जूनियर पुरुष एशिया कप पर भी हैं।'' पेरिस भारतीय टीम को पदक दिलाने में अहम योगदान निभाने के बाद श्रीजेश ने कहा था कि वह हमेशा से कोचिंग की महत्वाकांक्षा रखते थे और युवा पीढ़ी के खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर भारतीय हॉकी के राहुल द्रविड़ बनना चाहते थे। सीनियर टीम के कोच के रूप में काम करने से पहले द्रविड़ ने काफी समय तक अंडर-19 खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दिया था।

विराट 9000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन अपने अपने 9000 रन पूरे कर लिए। विराट दूसरी पारी में 70 रन बनाकर आउट हुए जबकि उन्हें 9000 रन पूरे करने के लिए केवल 53 रनों की जरूरत थी। विराट के इस मैच से पहले 8947 रन थे। वह पहली पारी में शून्य पर आउट हुए लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने अर्धशतक लगा दिया। विराट 9000 रन पूरे करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने हैं। विराट से पहले ये उपलब्धि सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर के नाम है। इसके साथ ही वह टेस्ट में नौ हजार रन या उससे ज्यादा रन बनाने वाले 18वें बल्लेबाज भी बन गये हैं। विराट ने अब तक अपने टेस्ट करियर में 115 मैच खेलते हुए 8947 बनाए हैं। इसमें 29 शतक और सात दोहरे शतक शामिल है। कोहली ने 30 अर्धशतक भी लगाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 254 है।

ऋषभ पंत के बाद यशस्वी जायसवाल भी बेंगलुरु टेस्ट में चोटिल

बेंगलुरू । न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में पहले टेस्ट में गुरुवार को विकेटकीपिंग करते समय घुटने में चोट लगने के कारण ऋषभ पंत को मैदान से बाहर जाना पड़ा और शुक्रवार को तेज कैच लेने के दौरान यशस्वी जायसवाल के अंगूठे में

चोट लगने के बाद भारत की चिंता बढ़ गई। मैच के तीसरे दिन मोहम्मद सिराज के गेंदबाजी करते समय खड़े जायसवाल को डेरिल मिशेल के बल्ले से एक किनारा लगा जो भारतीय सलामी बल्लेबाज की तरफ गया। उन्होंने तुरंत मुंह बनाया और हाथ हिलाया, फिर उन्हें चिकित्सा के लिए मैदान से बाहर ले जाया गया। जायसवाल की जगह अक्षर पटेल को मैदान में उतारा गया। हालांकि बाद में जायसवाल अपने बाएं अंगूठे पर भारी टेप लगाकर मैदान पर लौटे, जिससे भारत की चिंता कम हुई। इससे पहले शुक्रवार को खेल शुरू होने से पहले बीसीसीआई ने घोषणा की कि पंत अपनी चोट के बढ़ने के किसी भी जोखिम से बचने के लिए मैदान से बाहर रहेंगे, जो दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना के बाद उनके घुटने का ऑपरेशन किया गया था। ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग करना जारी रखेंगे। गुरुवार को स्टंप्स के बाद रोहित ने कहा था, 'गेंद सीधे उनके घुटने पर लगी, जिस पैर की सर्जरी हुई थी। इसलिए उस पर थोड़ी सूजन है। इस समय मांसपेशियां थोड़ी नरम हैं। यह एहतियाती उपाय है।' पंत की चोट पर बीसीसीआई के अपडेट में कहा, 'मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नजर रख रही है।' इस बीच न्यूजीलैंड ने रचिन रवींद्र के शतक और टिम साउथी (65) के तेज अर्धशतक की बदौलत 402 रन बनाए और पहली पारी में 352 रन की लीड हासिल की।

नोमान अली का कहर, पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 152 रन से हराया

मुल्तान (एजेंसी)। बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद नोमान अली (आठ विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 152 रन से हरा दिया है। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी कर ली। पाकिस्तान ने गुरुवार को दूसरी पारी में आगा सलमान के (63) अर्द्धशतक की मदद से 221 रन बनाकर इंग्लैंड़ को जीत के लिए 297 रनों का लक्ष्य दिया था। दूसरी पारी में 36 रन पर दो विकेट खोकर संकट से जूझ रही इंग्लैंड को आज नोमान अली ने 144 पर ढ़ेकर पाकिस्तान को 152 रन से जीत दिला दी।

आज सुबह के सत्र में एन अली ने जो रूट (18) को आउट इंग्लैंड को चौथा झटका दिया। इसके बाद 20वें ओवर में अली ने हैरी ब्रूक (16) को भी पवेलियन भेज दिया।

जेम्स स्मिथ (6), कप्तान बेन स्टोक्स (37), ब्राइडन कार्स (27), जैक लीच (एक) और शोएब बशीर (शून्य) को भी एन अली ने अपना शिकार बनाया। पाकिस्तान ने इंग्लैंड की पूरी टीम को 33.3 ओवर में 144 रन पर समेट दिया। पाकिस्तान की ओर से नोमान अली ने 16.3 ओवर में 46 रन देकर आठ विकेट लिये। साजिद खान को दो विकेट मिले।

इससे पहले पाकिस्तान ने कामरान (118) रनों की शतकीय और सईम अयूब (77) रनों की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत पहली पारी में 366 का स्कोर खड़ा किया। जिसके जवाब में इंग्लैंड के बेन डकेट (114) शतकीय पारी खेली। शेष कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका और इंग्लैंड की पारी 67.2 ओवर में 291 रन पर सिमट गई। इसके बाद पाकिस्तान दूसरी पारी मे 221 रन ही बना सका हालांकि उसे पहली पारी के आधार पर 75 रनों की बढ़त मिली थी और उसने इंग्लैंड को जीत के लिए 297 रनों का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी 33ः3 ओवरों में 144 पर सिमट गई। दोनों पारियों में नौ विकेट लेने वाले पाकिस्तान के गेंदबाज साजिद खान को प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया।

अब टेस्ट क्रिकेटर खेलना चाहते हैं सैमसन

नई दिल्ली । विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अब तक भारतीय टीम के किसी भी प्रारुप में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। एकदिवसीय और टी20 में तो उन्हें अवसर मिल जाता है पर अब तक टेस्ट टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है। इसी को देखते हुए ही अब सैमसन लंबे प्रारुप में भी जगह बनाना चाहते हैं और इसी कारण रणजी ट्रॉफी में भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ अंतिम टी20 में शानदार शतक से उनके हौंसले बुलंद हैं। सैमसन ने 40 गेंदों पर ही शतक लगाया था जोकि किसी भारतीय बल्लेबाज का टी20 में दूसरा सबसे तेज शतक है। सैमसन अब कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट टीम में जगह के लिए दावेदारी करना चाहते हैं। सैमसन ने कहा कि से मेरा मानना है कि मेरे पास लाल गेंद वाले क्रिकेट में सफल होने की भी क्षमता है। इसलिए मैं केवल सफेद गेंद वाले क्रिकेट तक ही सीमित नहीं रखना चाहता। मेरी इच्छा भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने की है। दलीप ट्रॉफी से पहले, नेतृत्व समूह ने मुझे बताया था कि वे रेड-बॉल क्रिकेट के लिए मेरे बारे में सोच रहे हैं और इसे गंभीरता से लेने और अधिक रणजी ट्रॉफी मैच खेलने के लिए कहा था।

सैमसन ने कहा कि इस बार मेरी तैयारी अच्छी थी। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के बाद राजस्थान रॉयल्स अकादमी में राहुल द्रविड़ और जुबिन भरूचा से प्रशिक्षण लिया और अपने खेल पर काम किया। सैमसन ने कहा, दलीप ट्रॉफी में शतक से मेरा मनोबल बढ़ा है। यह देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों के खिलाफ मैंने लगाया था। हाल ही में सैमसन ने दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने अनंतपुर में दूसरे और तीसरे राउंड में इंडिया डी के लिए खेला था। इसमें उन्होंने अपना 11वां प्रथम श्रेणी शतक लगाया।

आईपीएल में पोंटिंग के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी पंजाब किंग्स

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में इस बार मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के मार्गदर्शन में पंजाब किंग्स की टीम बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। पंजाब किंग्स ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई रिकी पोंटिंग से 4 साल का करार किया है। पोंटिंग पिछले सत सत्र से दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रहे थे। पोंटिंग के रहते पंजाब किंग्स का लक्ष्य लीग में आगे बढ़ना रहेगा। पंजाब किंग्स की ओर से पिछले 2024 सत्र में जितेश शर्मा, अर्शदीप सिंह, शशांक सिंह, आशुतोष शर्मा और सैम कुरेन ने अच्छा प्रदर्शन किया था। अब देखना होगा कि इनमें से किन खिलाड़ियों को टीम अपने पास बरकरार रखती है। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश ने कहा कि अभी तक पंजाब किंग्स मैनेजमेंट से उन्हें कोई संदेश नहीं मिला है। साथ ही कहा कि अगर मुझे अवसर

मिलता है तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करुंगा। जितेश ने टीम मालकिन प्रीति जिंटा की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि वह हमेशा सभी का ध्यान रखती हैं। गेम हारने के बाद भी वह सभी का समर्थन करती हैं। साथ ही कहा कि अगर अवसर मौका मिला तो वह पोंटिंग के साथ दोबारा काम करना चाहेंगे।

जितेश ने कहा कि जब मैं मुंबई इंडियंस के साथ था तब मैंने पोंटिंग के साथ काम किया है। मैं इस बात से अच्छी तरह जानता हूं कि वह किस तरह के हैं। मैंने उसके साथ अपने समय का आनंद लिया है। वह खेल पर बहुत केंद्रित रहते हैं। अगर मुझे पंजाब किंग्स द्वारा रिटेन किया जाता है, तो मैं वास्तव में रिकी पोंटिंग की कोचिंग के तहत खेलना चाहूंगा।

30 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह टीम का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। उनके अनुसार, वह एक नेता की भूमिका का आनंद लेते हैं और तभी उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने आता है। उन्होंने कहा कि अगर पंजाब किंग्स मुझसे टीम का नेतृत्व करने के लिए कहती है तो मैं बहुत अच्छी तरह से तैयार हूं। मुझे लगता है कि एक लीडर के रूप में मैं काफी बेहतर तरीके से प्रदर्शन करने में सक्षम हूं।

शाकिब अल हसन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, विदाई टेस्ट में खेलने पर बना सस्पेंस

स्पोर्ट्स डेस्क। शाकिब अल हसन ने कहा है कि ढाका में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के कारण वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पहले टेस्ट के स्थल की यात्रा करने की संभावना नहीं रखते हैं। शाकिब को पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम में शामिल किया गया था, जो इस प्रारूप में उनका अंतिम प्रदर्शन होने वाला था। शाकिब ने व्हाट्सएप के माध्यम से एक वेबसाइट से बातचीत में कहा, 'मुझे नहीं पता कि मैं आगे कहां जा रहा हूं, लेकिन यह लगभग तय है कि मैं घर नहीं जा रहा हूं।'

शाकिब ने पहले बांग्लादेश आने पर अपनी सुरक्षा के बारे में चिंता व्यक्त की थी, क्योंकि 5 अगस्त से अवामी लीग के नेताओं की गिरफ्तारी की गई है, जिस दिन उनकी सरकार ने 15 साल बाद सत्ता से इस्तीफा दे दिया था। शाकिब अपने गृहनगर मगुरा से संसद सदस्य थे। वह अशांति के दौरान कथित हत्या के लिए एफआईआर में नामित 147 लोगों में से एक थे। हालांकि मुख्य चयनकर्ता गाजी अशरफ हुसैन के अनुसार शाकिब पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम में बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें शाकिब के बारे में बीसीबी से कोई और निर्देश नहीं मिले हैं। बुधवार को टीम की घोषणा करते समय चयनकर्ता हन्नान सरकार ने कहा कि उन्होंने शाकिब को अधिकारियों से ÷ग्रीन सिग्नल÷ मिलने के बाद चुना है।

अशरफ ने कहा, 'हमें बीसीबी या क्रिकेट संचालन समिति से कोई और निर्देश नहीं मिले हैं। फिलहाल यह रुका हुआ है। वह दुबई में ट्रांजिट में है।' शाकिब को बांग्लादेश में सुरक्षित मार्ग का आश्वासन दिया गया था, बुधवार शाम से छात्रों ने उनके आगमन का विरोध करना शुरू कर दिया। खुद को 'मीरपुर छात्रो जनता' के रूप में पहचानने वाले एक समूह ने बीसीबी को सूचित किया कि वे स्टेडियम में शाकिब की उपस्थिति का विरोध करेंगे। बुधवार शाम को देर से शाकिब को कथित तौर पर दुबई में इंतजार करने के लिए कहा गया, जहां वह न्यूयॉर्क से ट्रांजिट कर रहे थे। हालांकि शाकिब की फ्लाइट गुरुवार शाम को है, लेकिन उनके ढाका आने की संभावना नहीं है।

इस बीच मुख्य सलाहकार के उप प्रेस सचिव आजाद मजूमदार ने कहा कि देश लौटने का फैसला शाकिब पर निर्भर है। मजूमदार ने कहा, 'शाकिब कभी भी बांग्लादेश लौट सकते हैं। यह उनका फैसला है कि वह यहां आएंगे या नहीं।' युवा और खेल सलाहकार आसिफ महमूद ने एक बयान में कहा कि उन्होंने शाकिब को 'अप्रिय परिस्थितियों से बचने' के लिए घर वापस न लौटने की सलाह दी है। आसिफ ने कहा, 'मैंने शाकिब को किसी भी अप्रिय परिस्थिति से बचने के लिए

[बांग्लादेश] न आने की सलाह दी है। यह निर्णय खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और देश की छवि की रक्षा करने के लिए लिया गया है।'

ऑस्ट्रेलिया में जीत को इसलिए अहम मानते हैं ऋषभ

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अगले माह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को लेकर उत्साहित हैं। ऋषभ के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम आक्रामक क्रिकेट खेलती है, ऐसे में उसके खिलाफ उसी की धरती पर जीत दर्ज करने से बेहतर कुछ नहीं रहेगा। ऋषभ का मानना है कि जब आप ऑस्ट्रेलिया जाते हैं, तो आपको उछाल और शॉर्ट पिच गेंदों से निपटना आना चाहिये। इसका कारण है कि वहां का माहौल अलग होता है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घर में बेहद खतरनाक रहती है। वे नहीं चाहते कि आप जीतें, जिससे। साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया एक टीम के रूप में खेलती है। वे आपको कुछ भी आसानी से नहीं देते हैं। वे आक्रामक क्रिकेट खेलते हैं। इसलिये उनके खिलाफ जीतने के लिए आक्रामक मानसिकता की ही जरुरत होती। अपने पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान गाबा टेस्ट में अपनी पारी की याद करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं नहीं जानता कि इसके बारे में क्या कहूं पर मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करता हूं। कुछ ऐसे प्रदर्शन होते हैं जिन्हें आप जीवन भर याद रखते हैं, उनमें से एक एक गाबा टेस्ट है। शुरुआत में मुझे एहसास नहीं हुआ कि यह कितना अहम था। रोहित भाई वहां थे, और उन्होंने मुझसे कहा, 'तुम्हें पता नहीं है कि तुमने क्या किया है। उन्होंने कहा, मैं ऐसा कह रहा था, मैंने क्या किया है। मेरा लक्ष्य केवल मैच जीतना था। रोहित भाई ने कहा, बाद में तुम्हें समझ आएगा कि तुमने क्या किया है। अब, जब भी मैं लोगों को उस गाबा मैच के बारे में बात करते हुए सुनता हूं, तो मैं समझता हूं कि उनका क्या मतलब था और यह कितना अहम था।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटिश सिंगर लियाम पायने की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत

ब्यूनस आयर्स,एजेंसी। पॉप बैंड वन डायरेक्शन के पूर्व सदस्य और सिंगर लियाम पायने की

तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई. तीसरे मंजिल के कमरे की बालकनी से गिरने के बाद वो मृत पाए गए हैं. हालांकि, अभी मौत के कारणों का पता नहीं चला है और पुलिस की जांच जारी है. पुलिस की ओर से एख बयान जारी कर कहा गया है कि उन्हें ड्रग्स और शराब के नशे में एक शख्स के बारे में सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस होटल पहुंची थी. होटल मैनेजर ने कहा कि उसने होटल के पीछे से तेज आवाज सुनी और जब पुलिस वहां पहुंची तो उन्होंने पाया कि एक आदमी अपने कमरे की बालकनी से गिरा हुआ था. आपातकालीन कर्मियों ने 31 वर्षीय ब्रिटिश गायक की मौत की पुष्टि की है. एमटीवी ने एक्स पोस्ट में कहा, आज लियाम पायने के दुखद निधन के बारे में जानकर हमें गहरा दुख हुआ है. इस कठिन समय के दौरान उनके परिवार, प्रियजनों और प्रशंसकों के साथ हैं. लियाम जेम्स पायने अंग्रेजी गायक थे. बैंड वन डायरेक्शन के सदस्य के रूप लियाम चर्चित हुए थे।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू बोला- कनाडा को भारत विरोधी जानकारियां दीं, ट्रूडो को भारतीय उच्चायोग का खुफिया नेटवर्क बताया, 3 साल से उनके संपर्क में हूं

वॉशिंगटन, एजेंसी। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने बुधवार को कनाडाई में कहा कि उसने कनाडा को भारत के खिलाफ जानकारियां दी हैं। उसका आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस पिछले 2 से 3 सालों से कनाडाई जस्टिन ट्रूडो के साथ संपर्क में है। उसने भारतीय उच्चायोग के खुफिया नेटवर्क के बारे में ट्रूडो को जानकारी दी है। पन्नू फिलहाल अमेरिका में रहता है और सिख फॉर जस्टिस नाम का संगठन चलाता है। उसके पास अमेरिका और कनाडा दोनों देशों की नागरिकता है। रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को जगमीत सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था कि हम भारतीय राजनयिकों और पर प्रतिबंध की मांग करते हैं। एक आतंकवादी संगठन है, जो कनाडा और अन्य देशों में हिंसक गतिविधियों को अंजाम देता है। ट्रूडो की पार्टी के सांसद ने उनका इस्तीफा मांगा भारत और कनाडा के विवाद के बीच ट्रूडो की लिबरल पार्टी के एक सांसद ने अगले साल कनाडा में होने वाले चुनाव से पहले ट्रूडो का पार्टी अध्यक्ष के पद से इस्तीफा मांगा है। सांसद सीन केसी ने ट्रूडो के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि देश के लोग अब और सहन नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब ट्रूडो के जाने का समय आ गया है, लोगों का धैर्य टूट रहा है। जून में हुए उपचुनाव में पार्टी को मिली हार के बाद पिछले हफ्ते ही हार की समीक्षा को लेकर एक बैठक हुई थी। इससे पहले जून में भी एक और सांसद वेन लॉन्ग ने ट्रूडो के इस्तीफे की मांग की थी।

गाजा में दिल दहला देने वाला मंजर, सड़क पर शवों को नोच खा रहे कुत्ते,अब तक 42 हजार मौतें

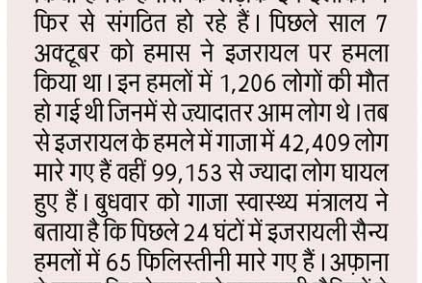

फिलिस्तीन, एजेंसी। इजरायल और हमास के बीच जंग छिड़े अब एक साल से भी ज्यादा का समय बीत चुका है। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास के इजरायल पर हमले के बाद से गाजा में संघर्ष जारी है। अब युद्धग्रस्त गाजा से दिल दहला देने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में आवारा कुत्ते लावारिश शवों को खाते नजर आ रहे हैं। गाजा के आपातकालीन सेवाओं के प्रमुख फारेस अफाना ने बताया है कि उन्हें और उनके सहयोगियों को उत्तरी गाजा में मारे गए फिलिस्तीनियों के शव मिले हैं जिनमें से कई पर जानवरों द्वारा शवों को खाए जाने के निशान हैं। फारेस अफाना ने सीएनएन को बताया, भूखे आवारा कुत्ते सड़क पर इन शवों को खा रहे हैं। इससे हमारे लिए शवों की पहचान करना भी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने उत्तरी गाजा और जबालिया क्षेत्र में हवाई और जमीनी हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि इजरायली सेना का कहर जारी है। अब त्रासदी से जूझते गाजा में शवों को अंतिम संस्कार भी नसीब नहीं हो पा रहा है। वहीं इजरायल ने दावा किया है कि हमास के लड़ाके इन इलाकों में फिर से संगठित हो रहे हैं। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर हमला किया था। इन हमलों में 1,206 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें से ज्यादातर आम लोग थे। तब से इजरायल के हमले में गाजा में 42,409 लोग मारे गए हैं वहीं 99,153 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। बुधवार को गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि पिछले 24 घंटों में इजरायली सैन्य हमलों में 65 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। अफाना ने बताया कि सोमवार को इजरायली सैनिकों ने फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी द्वारा संचालित एक राहत शिविर केंद्र में खाने की तलाश कर रहे भूखे लोगों पर गोलीबारी की है। उन्होंने कहा, स्थिति बदतर होती जा रही है।

यूक्रेन के लिए दूर की कौड़ी बना नाटो, क्यों नहीं मिल रही सदस्यता; कहां अटका पेच

कीव, एजेंसी। दो साल से नाटो में सदस्यता का प्रयास कर रहे यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को एक बार फिर निराशा हाथ लगी है। नाटो ने एक बार फिर से यह स्पष्ट किया कि वह यूक्रेन को अपने संगठन में शामिल करने के लिए तैयार नहीं है। यूक्रेन के लिए नाटो की सदस्यता दूर की कौड़ी होती जा रही है। दो साल से सदस्यता लेने का प्रयास कर रहे यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को एक बार फिर निराशा हाथ लगी है। नाटो ने एक बार फिर से यह स्पष्ट किया कि वह यूक्रेन को अपने संगठन में शामिल करने के लिए फिलहाल तैयार नहीं है। नाटो के सहयोगी देशों ने जेलेंस्की से उनकी विक्ट्री प्लान के बारे में और जानकारी मांगी है, जो रूस के साथ चल रहे युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से बनाई गई है।

जेलेंस्की जल्द चाहते हैं नाटो की सदस्यता : जेलेंस्की की योजना इस पर केंद्रित है कि नाटो उनकी सदस्यता आवेदन पर तेजी से कार्य करे। यूक्रेन द्वारा यह आवेदन दो साल पहले रूस के आक्रमण के बाद नाटो से संरक्षण मांगने के तहत किया गया था। दरअसल नाटो की सबसे बड़ी विशेषता उसका सामूहिक सुरक्षा गारंटी है, जिसका उल्लेख संगठन के अनुच्छेद 5 में कहा गया है। यह 32 सदस्य देशों द्वारा किए गए राजनीतिक वचनबद्धता है कि यदि किसी सदस्य देश की संप्रभुता या क्षेत्र पर हमला होता है, तो सभी सदस्य उसकी सहायता करेंगे। लेकिन यह प्रावधान यूक्रेन जैसे सहयोगी देशों पर लागू नहीं होता। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, नाटो महासचिव मार्क रूटे ने जेलेंस्की के विक्ट्री प्लान पर किसी स्वागत योग्य प्रतिक्रिया नहीं दी और कहा कि वे और सहयोगी इस पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि यूक्रेन कब नाटो में शामिल हो सकता है, सिर्फ यह कहा कि यूक्रेन एक दिन सदस्य बनेगा।

नाटो का यूक्रेन को दिलासा : रूटे ने कहा, इस योजना में कई राजनीतिक और सैन्य मुद्दे हैं जिन पर हम यूक्रेन के साथ चर्चा करेंगे। हमें यह देखना होगा कि हम क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। फिलहाल नाटो का ध्यान यूक्रेन को और अधिक क्षेत्रीय जीत दिलाने और भविष्य की शांति वार्ताओं के लिए उसकी स्थिति को मजबूत करने पर है। उल्लेखनीय है कि यह वक्त यूक्रेन के लिए काफी कठिन है। यूक्रेनी सैनिक डोनेट्स्क क्षेत्र में बेहतर तैयार और सुसज्जित रूसी बलों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं।

यूक्रेन के लिए फिलहाल नाटो की सदस्यता नहीं चाहता अमेरिका : नाटो के सदस्यता की मांग यूक्रेन 16 सालों से कर रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। हालांकि, नाटो के बड़े सदस्य देश जैसे अमेरिका और जर्मनी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि यूक्रेन को सदस्यता देने से वे परमाणु शक्ति संपन्न रूस के साथ एक व्यापक युद्ध में घसीटे जा सकते हैं। इसलिए यह देश तब तक यूक्रेन को नाटो में शामिल करने का विरोध कर रहे हैं जब तक युद्ध समाप्त नहीं होता।

बेरूत में मारे गए आईआरजीसी के वरिष्ठ कमांडर, शव बरामद: ईरान

तेहरान , एजेंसी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने वरिष्ठ कमांडर अब्बास निलफोरूशन के मौत की पुष्टि करते हुए कहा है कि शव बरामद कर लिया गया है। निलफोरूशन पिछले महीने इजरायली हवाई हमले में हिज्बुल्लाह के नेता हसन नसरल्लाह के साथ कथित बैठक के दौरान मारे गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, आईआरजीसी ने शुक्रवार को सेपाह न्यूज पर कहा कि सर्च टीम द्वारा निरंतर प्रयासों के बाद निलफोरुशन का शव बरामद कर लिया गया है। आईआरजीसी ने शानदार जनरल की शहादत पर संवेदना व्यक्त की। साथ ही संकेत दिए कि उनके पार्थिव शरीर को ईरान लाया जाएगा। हालांकि कब इसे लेकर कुछ स्पष्ट नहीं किया है। बता दें कि निलफोरूशन 27 सितम्बर को इजरायली अटैक में मारे गए थे। तब इजरायल ने बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहियाह में हिजबुल्लाह के मुख्यालय पर बड़े पैमाने पर टार्गेट अटैक किया था। इस हमले के दौरान नसरल्लाह के साथ-साथ हिजबुल्लाह के भी कई बड़े नेता मारे गए थे। अटैक के वक्त निलफोरूशन और नसरल्लाह के बीच बैठक चल रही थी। उल्लेखनीय है कि 1 अक्टूबर को आईआरजीसी ने इजरायल के रणनीतिक स्थानों पर करीब 180 मिसाइलें दागी थी।

कितना बदल गया बांग्लादेश! मुक्ति संग्राम और मुजीब से जुड़े दिनों पर सारी छुट्टियां रद्द

ढ़ाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अगस्त महीने में तख्तापलट हो गया था। इस दौरान खूनखराब हुआ तो तत्कालीन पीएम शेख हसीना ने देश छोड़ दिया था और भारत आ गई थीं। तब से वह यहीं पर निर्वासित जिंदगी जी रही हैं। उनकी सत्ता से बेदखली के बाद नोबेल विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने कमान संभाल रखी है। वह भले ही अर्थशास्त्री हैं और दुनिया भर में उनका नाम है, लेकिन वह बांग्लादेश को पाकिस्तान के एजेंडे पर आगे बढ़ाते दिख रहे हैं। यही वजह है कि अब बांग्लादेश में मुक्ति संग्राम और उसके नायक मुजीबुर रहमान से जुड़े दिनों पर होने वाली छुट्टियों को रद्द कर दिया गया है। माना जा रहा है कि इस तरह बांग्लादेश की सरकार का वैचारिक झुकाव पाकिस्तान की ओर बढ़ रहा है। वही पाकिस्तान जिससे अलग होकर बांग्लादेश का गठन हुआ था। बांग्ला भाषी लोगों पर अत्याचार, भेदभाव के आरोप तत्कालीन पाकिस्तान सरकार पर लगे थे। इसी के विरोध में आंदोलन भड़का था, जिसे बांग्ला मुक्त संग्राम का नाम मिला था। अंत में 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। इसमें भारत ने भी मदद की थी। मुजीबुर रहमान को उस आंदोलन का नायक माना जाता है। यही वजह थी कि उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर बांग्लादेश में छुट्टी होती रही है। अब बांग्लादेश सरकार ने इन छुट्टियों को रद्द कर दिया है। कुल 8 राष्ट्रीय अवकाशों को मोहम्मद यूनुस सरकार ने रद्द कर दिया है। इनमें 7 मार्च और 15 अगस्त शामिल हैं, जिन्हें मुक्त संग्राम से जोड़ा जाता है। इन छुट्टियों को रद्द करने का फैसला हाल ही में हुई कैबिनेट मीटिंग में लिया गया था। इस संबंध में जल्दी ही नोटिफिकेशन भी जारी किया जाएगा।

भारत के खिलाफ ठोस सबूत नहीं; भारत बोला- रिश्ते खराब करने के लिए कनाडाई पीएम ही जिम्मेदार

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने माना है कि पिछले साल जब उन्होंने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट्स के शामिल होने का आरोप लगाया था, तब उनके पास केवल खुफिया जानकारी थी। कोई ठोस सबूत नहीं था। रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। ट्रूडो सरकार पहले दावा करती रही है कि उसने निज्जर हत्याकांड से जुड़े सबूत भारत को दिए थे। वहीं, भारत कहता रहा है कि कनाडा ने इस हत्या से जुड़ा कोई सबूत नहीं दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने ट्रूडो के बयान के बाद गुरुवार (17 अक्टूबर) को कहा कि दोनों देशों के संबंध खराब होने के पीछे कनाडा के पीएम ही जिम्मेदार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा की राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर एक जांच समिति बनाई गई थी। ट्रूडो बुधवार को इसमें पेश हुए। इसमें उन्होंने कहा- मुझे फाइव आइज देशों से खुफिया जानकारी मिली थी, जिससे साफ हो गया था कि भारत, कनाडा की धरती पर उसके नागरिक की हत्या में शामिल है।

मेरा मकसद सिर्फ भारत सरकार से बातचीत करना था। जब मैंने ऐसा किया तो उन्होंने हमसे सबूत मांगे। तब हमने बताया कि हमारे पास खुफिया जानकारी है, फिलहाल कोई ठोस सबूत नहीं हैं। इसलिए हमें मिलकर काम करने की जरूरत है।

अमेरिका ने यमन में हूती विद्रोहियों पर हमला किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी एयर फोर्स ने बुधवार रात यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर बमबारी की। अलजजीरा ने अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के हवाले से बताया कि क्क-2 स्पिरिट बॉम्बर से यमन की राजधानी सना के नजदीक 5 ठिकानों पर पर सटीक हमला किया गया।

ऑस्टिन ने कहा कि जमीन के भीतर हूती विद्रोहियों ने घातक हथियार छुपा रखे थे। इसका इस्तेमाल वे दूसरे देशों पर हमला करने और लाल सागर और अदन की खाड़ी में जहाजों को निशाना बनाने के लिए करते थे। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि ये हमले राष्ट्रपति बाइडेन के निर्देश पर किए गए। उन्होंने कहा कि हमारे जवाब से साफ है कि दुश्मन अपने हथियारों को जमीन के कितने ही भीतर छुपाकर रख ले, हम उसे ढूंढ़कर बर्बाद कर देंगे। हूती विद्रोहियों ने भी इस हमले की पुष्टि की है। हालांकि इसमें कितना नुकसान हुआ है इस बारे में उन्होंने जानकारी नहीं दी। ये पहली बार है जब अमेरिका ने यमन में बी-2 स्पिरिट बॉम्बर का इस्तेमाल किया है। इसके पहले अमेरिकी सेना यमन में फाइटर जेट का इस्तेमाल करती रही है। अमेरिका ने एक महीने पहले ही में बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर की तैनाती हिंद महासागर में मौजूद सीक्रेट मिलिट्री बेस डिएगो गार्सिया पर की थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक बी-22 स्टील्थ बॉम्बर को अमेरिका का सबसे घातक हथियार माना जाता है। कोल्ड वॉर के दौरान अमेरिका और रूस खतरनाक हथियारों की रेस में लगे थे। तब अमेरिका में इसे तैयार किया गया था। साल 1987 से 2000 तक बी-2 स्टील्थ बॉम्बर का निर्माण हुआ। अमेरिका ने 132 यूनिट बी-22 स्टील्थ बॉम्बर बनाने का टार्गेट रखा था

मगर 21 का ही निर्माण किया जा सका। दो बी-22 विमान 2008 और 2022 में हादसे का शिकार हो गए थे। अमेरिका के पास अब सिर्फ 19 बी-22 स्टील्थ बॉम्बर बचे हैं। बी-22 विमान फाइटर जेट की तुलना में ज्यादा बमों को ले जाने में सक्षम है। यह परमाणु हथियार भी ले जा सकता है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक बजट ज्यादा होने की वजह से अब बी-22 विमान नहीं बनाया जाता है। अमेरिका ने आज तक किसी भी देश को यह विमान नहीं बेचा है।

अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के ठिकाने पर हमला क्यों किया

इजराइल 7 अक्टूबर से ही गाजा पर हमला कर रहा है। इसके जवाब में हूती विद्रोही समंदर में इजराइल के सहयोगी देशों के जहाजों को निशाना बना रहे हैं।

अमेरिका बोला-भारत पन्नू मामले की जांच में सहयोग कर रहा, कनाडा ने जिस पर हत्या की साजिश का आरोप लगाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने गुरुवार को कहा कि खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर हो रही जांच में भारत की तरफ से सहयोग किया जा रहा है, उससे वे संतुष्ट हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि भारतीय अधिकारी हमें अपनी जांच का अपडेट दे रहे हैं और हम अपनी जांच का अपडेट उन्हें दे रहे हैं। पन्नू मामले में जांच को लेकर भारतीय टीम वॉशिंगटन में है।

मिलर ने गुरुवार को प्रेस ब्रीफिंग में ये भी बताया कि जिस शख्स पर अमेरिका में पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था, अब वह भारत सरकार का कर्मचारी नहीं है। दरअसल, अमेरिका ने पहले आरोप लगाया था कि पन्नू की हत्या की साजिश रचने में आरोपी निखिल गुप्ता, भारत सरकार के एक कर्मचारी का सहयोगी है। इन्होंने मिलकर न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की साजिश रचने में मदद की थी।

14 अक्टूबर को अमेरिका ने कहा था कि भारत ने पन्नू की हत्या की कोशिश करने के आरोपी खुफिया अधिकारी को गिरफ्तार किया है। वॉशिंगटन पोस्ट में इस अधिकारी

का नाम विक्रम यादव बताया गया था। भारत सरकार ने 1 जुलाई 2020 को पन्नू को क्क के तहत आतंकी घोषित किया था। पन्नू के पास कनाडा और अमेरिका की नागरिकता है। भारत सरकार ने 1 जुलाई 2020 को पन्नू को क्क के तहत आतंकी घोषित किया था। पन्नू के पास कनाडा और अमेरिका की नागरिकता है। पन्नू की हत्या की साजिश का मामला पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 30 जून 2023 को चेक रिपब्लिक पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद 14 जून 2024 को निखिल को अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया था। निखिल पर अमेरिका में केस चलाया गया, जहां उसने खुद को निर्दोष बताया था।

पन्नू को मारने के लिए दिए गए थे 83 लाख रुपए : अमेरिकी एजेंसियों के मुताबिक, पन्नू को मारने साजिश पिछले साल सितंबर में क्क मोदी के अमेरिका दौरे के वक्त की गई थी। चार्जशीट के मुताबिक, भारत के एक पूर्व अफसर ने निखिल गुप्ता से पन्नू की हत्या की साजिश करने को कहा था। निखिल ने एक व्यक्ति के साथ काम के बदले 83 लाख रुपए देने की डील की थी। यादव ने पन्नू के बारे में भारतीय एजेंट निखिल गुप्ता को जानकारी भेजी, जिसमें उसके न्यूयॉर्क में होने के बारे में पता चला था। इसके बाद निखिल गुप्ता ने पन्नू को मारने के लिए एक एजेंट से संपर्क किया। हालांकि, साजिश कामयाब होने से पहले ही निखिल गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया गया था।

हिजबुल्लाह की इस ताकत ने उड़ा दिए हैं इजरायल के होश

जेरूसलम, एजेंसी। इजरायल एक तरफ गाज़ा पर ताबड़तोड़ हमले किए पड़ा है और दूसरी तरह लेबनान में हिजबुल्लाह पर लगातार हमले किए जा रहा है. हिजबुल्लाह पर हमले होते हुए करीब एक महीना होने जा रहा है. ऐसे में हिजबुल्लाह भी न तो झुकता दिख रहा है और न ही इजरायल की ओर से कोई नरमी बरती जा रही है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जरूर इजरायल को शांत करने की कोशिशें आरंभ हो गई हैं. वहीं, इजरायल की ओर से अभी तक गाज़ा या कहें हमास को लेकर कोई ढिलाई करने के मूड में नहीं है. लेकिन, दूसरी तरफ लेबनान में हिजबुल्लाह लड़ाकों को लेकर कुछ शर्तों के साथ हमले रोकने की बात को तैयार है. आखिर ऐसा क्यों है. इसके पीछे जो वजह निकलकर सामने आ रही है वह जानकर अमेरिका से लेकर कई दमदार देश हैरान हैं. इजरायली नौसेना की चिंता येरुसेलम पोस्ट में छपी खबर के मुताबिक इज़रायली नौसेना के अधिकारियों का कहना है कि हिज़्बुल्लाह के पास अभी भी एक कार्यरत नौसैनिक शाखा है जिसके पास जहाज-रोधी मिसाइलें और संभावित नौसैनिक बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं. यह डर इजरायल की नौसेना को सता रहा है. हिजबुल्लाह के पास नौसेना की ताकत बता दें कि आईडीएफ ने पिछले दशक में हिज़्बुल्लाह की नौसैनिक क्षमताओं पर बारीकी से नज़र रखी है. इसका अधिकांश ध्यान रूस निर्मित

सुपरसोनिक याखोंट मिसाइल पर था. एक आकलन के मुताबिक, मिसाइल रूस से सीरिया को बेची गई थी और फिर हिजबुल्लाह को हस्तांतरित कर दी गई थी. ईरान की मदद से नौसेना तैयार कहा जा रहा है कि हिजबुल्लाह ने ईरान के समर्थन से एक गुप्त नौसैनिक इकाई तैयार की है. इसने काफी तैयारी कर ली है लेकिन, इजरायल समय-समय पर इसे कम करता रहा है. इस बात पर इजरायल लगातार नज़र बनाए रखे था और धीमें-धीमें अपनी तैयारी भी करता आया है. हिजबुल्लाह की नौसैनिक इकाई के पास पोर्ट पर हमले की क्षमता है और इजरायल की नौसेना को इसी बात का डर सताता है. इजरायल के पास तकनीक रूप से उन्नत मिसाइलें और राडार सिस्टम हैं. इजरायल की एक और चिंता यह है कि यमन में हूती आतंकियों के पास भी कुछ मिसाइलें हो सकती हैं।

फ्रेंकफर्ट-मुंबई विस्तारा फ्लाइट में बम की धमकी, पाकिस्तान के एयर स्पेस में मिला इमरजेंसी सिग्नल, 4 दिन में विमान में बम की 20वीं धमकी

फिलिस्तीन, एजेंसी। विस्तारा की फ्रेंकफर्ट-मुंबई फ्लाइट के-028 में गुरुवार को बम होने की धमकी मिली। इसके बाद फ्लाइट की मुंबई में आपात लैंडिंग कराई गई। यह धमकी सोशल मीडिया के जरिए दी गई। जब अधिकारियों ने बम की धमकी की सूचना क्रू मेंबर्स को दी, विमान पाकिस्तान के एयर स्पेस में उड़ान भर रहा था। फ्लाइट में 147 यात्री सवार थे। लैंडिंग के बाद विमान को आइसोलेशन में ले जाया गया, जहां सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार लिया गया। इससे पहले बुधवार को सात और फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। इसमें इंडिगो की चार, स्पाइसजेट की 2 और अकासा की एक फ्लाइट शामिल है। पिछले 4 दिन में कुल 20 विमानों को बम की धमकी मिल चुकी है। 15 अक्टूबर को 7 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। इन फ्लाइट्स में एअर इंडिया एक्सप्रेस का दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। उसे कनाडा डायवर्ट कर इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया था। जांच में इन फ्लाइट्स में बम की खबर झूठी निकली थीं। हालांकि, सभी एयरपोर्ट्स पर सिक्योरिटी बढ़ाई गई है। लगातार मिल रही धमकियों के बीच केंद्र ने बुधवार को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या को दोगुना करने का फैसला किया है। ये विमान में सादे कपड़े में रहेंगे। इसके अलावा गृह मंत्रालय ने एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी है।

धमकी भरे मैसेज भेजने वालों की पहचान- एविएशन मिनिस्ट्री : एयरलाइंस को धमकी भरे मैसेज भेजने के मामले में बुधवार को एविएशन मिनिस्ट्री ने संसदीय समिति को जवाब दिया। मिनिस्ट्री ने कहा कि

आरोपियों की पहचान कर ली गई है और एक्शन लिया जा रहा है। साथ ही कहा कि और ज्यादा जानकारी इकट्ठा की जा रही है और ऐसे कई मामलों पर कदम उठाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सभी साइबर यूनिट्स को धमकी देने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स को ट्रैक करने का निर्देश दिया गया है। इनमें से ज्यादातर अकाउंट विदेश से चल रहे हैं। 15 अक्टूबर- एक शख्स ने धमकी भेजी थी, सभी झूठी निकलीं मंगलवार को 7 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। धमकी मिलने वाली फ्लाइट्स में एअर इंडिया की दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। इसके बाद उसे कनाडा डायवर्ट कर दिया गया। प्लेन को कनाडा के इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया। यहां यात्रियों और उसमें मौजूद सामान की जांच की गई थी। दिनभर में 7 फ्लाइट्स को धमकी मिलने की वजह से सिक्योरिटी एजेंसियों ने कई एयरपोर्ट्स पर काउंटर टेररिस्ट ड्रिल किए थे। जांच में पता चला है कि सभी धमकियां एक ही शख्स की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भेजी गई थीं।

शरद पवार से जेड प्लस सुरक्षा लेने का आग्रह करेगी केंद्रीय एजेंसियां

मुंबई। एनसीपी अजित पवार गुट के नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद केंद्रीय एजेंसियां अलर्ट हो गया है। केंद्रीय एजेंसियों द्वारा संभावित खतरों की समीक्षा के बाद महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रवादी

कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार से जेड प्लस सुरक्षा पाने के लिए संपर्क करने वाली है। मालूम हो कि केंद्रीय एजेंसियों ने पहले शरद पवार को जेड प्लस सुरक्षा दी थी लेकिन तब पवार ने इसे लेने से इनकार कर दिया था। अब बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद सूत्रों ने जानकारी दी है कि केंद्रीय एजेंसियां पवार से दोबारा संपर्क करेगी। सीआरपीएफ एक बार फिर शरद पवार से जेड प्लस सुरक्षा लेने का अनुरोध करेगी। अब देखना होगा कि शरद पवार क्या फैसला लेते हैं। पिछली बार जब शरद पवार को सुरक्षा देने का फैसला हुआ था तो खूब राजनीति हुई थी। शरद पवार ने केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारियों से कारण भी पूछा था। लेकिन उस समय सुरक्षा प्रदान करने का कारण गुप्त रखा गया था।

पन्नू मामला : अमेरिका द्वारा दी जानकारी को भारत ने गंभीरता से लिया : जायसवाल

नई दिल्ली। खालिस्तान समर्थक और सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम कोशिश के सिलसिले में गठित भारतीय जांच समिति की अमेरिका में अधिकारियों के साथ बैठक के बाद भारत ने कहा कि उसने अमेरिका द्वारा दी गई जानकारी को बहुत गंभीरता से लिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह बात कही। मामले के संबंध में अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) के अभियोग में चिह्नित व्यक्ति के बारे में एक अन्य सवाल पर जायसवाल ने कहा कि वह व्यक्ति अब भारत सरकार का कर्मचारी नहीं है। अमेरिका ने पूर्व में कहा था कि भारत सरकार ने पन्नू की हत्या की साजिश के आरोपों से निपटने में गंभीरता दिखाई है। भारतीय अधिकारियों की एक टीम ने हाल में वाशिंगटन में विदेश विभाग और न्याय विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। अमेरिका के आरोपों के बाद भारत ने साजिश के संबंध में अमेरिका द्वारा दी गई जानकारी की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति नियुक्त की। समिति के दो सदस्य अमेरिका गए और अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठक कर बातचीत की।

कोलकाता के एक अस्पताल में आग लगी, मरीजों को सुरक्षित निकाला

कोलकाता। कोलकाता के सियालदह ईएसआई अस्पताल में शुक्रवार सुबह आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर दस दमकल गांड़ियां भेजी गईं और दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि आग की घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। अधिकारी ने बताया कि ज्यादातर मरीजों को अस्पताल से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। घटना की सूचना मिलने पर पश्चिम बंगाल के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा मंत्री सुजीत बोस अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश भी दिए।

बहराइच में जुमा की नमाज पर रहा पुलिस का सख्त पहरा, बाहरी लोगों पर रही रोक

बहराइच। यूपी के बहराइच में हुई हिंसा के बाद हालात अभी भी गंभीर बने हुए है। वहां सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। सुरक्षा के लिए यहां रैपिड रिस्पॉन्स फोर्स के जवानों को तैनात किया गया है। जुमे की नमाज में होने वाली भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने पहले ही सुरक्षा के व्यापक इंतजाम कर लिए थे। हिंसा प्रभावित इलाकों को नौ सेक्टरों में विभाजित किया गया है। पुलिस और प्रशासन की टीमें लगातार इन इलाकों में तैनात हैं। जुमा की नमाज को देखते हुए प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाए और बहराइच में बाहरी लोगों के आने पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी। वहीं सीएमओ भी लगातार पुलिस और जिला प्रशासन के संपर्क में बनाए हुए था। इसके लिए कंट्रोल रुम भी बनाया गया। वीडियो फुटेज के जरिए ही उपद्रवियों की पहचान हो रही है। पुलिस ने इस मामले में अब तक 50 लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद 100 से ज्यादा लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

विमानों में बम होने की धमकी देने वालों की खैर नहीं...पुलिस ने एक्स से मांगी जानकारी

नई दिल्ली। पिछले तीन दिनों में एक दर्जन विमानों में बम होने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। जांच में सभी धमकियां झूठी मिली हैं। कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को मिली बम की झूठी धमकियों पर अपनी जांच तेज कर दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को एक्स को पत्र लिखकर धमकी भरे संदेश पोस्ट करने वाले अकाउंट्स की डिटेल मांगी है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बम धमकी के मामलों की जांच के लिए एक टीम गठित की गई है। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल, इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) की एक टीम को भी जांच में शामिल किया गया है। इसी कड़ी में दिल्ली पुलिस ने धमकी भरे पोस्ट शेयर करने वाले हैंडल को निलंबित करने और पोस्ट हटाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से संपर्क किया। अधिकारी ने कहा, ऐसा संदेह है कि हैंडलर ने एक्स पर अकाउंट सेट करने के लिए वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) या डार्क वेब ब्राउजर का इस्तेमाल किया और फिर एक से अधिक अकाउंट से संदेश पोस्ट किए। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस से भी संपर्क किया है और उन्होंने मामले में एफआईआर भी दर्ज की है।

भारत की विकास यात्रा पर्यावरण संरक्षण से गहराई से जुड़ी हुई है: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जैव विविधता की रक्षा करने में जनजातीय समुदायों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि भारत की विकास यात्रा पर्यावरण संरक्षण के साथ गहराई से जुड़ी है। जयशंकर ने बृहस्पतिवार को जनजातीय कला प्रदर्शनी - 'साइलेंट कन्वर्सेशन- फ्रॉम द मार्जिन्स टू द सेंटर' (मौन संवाद- हाशिये से केंद्र तक) के उद्घाटन के अवसर पर यहां 'इंडिया हैबिटेट सेंटर' में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 1973 में शुरू किए गए 'प्रोजेक्ट टाइगर' की भी प्रशंसा की।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है, यह सफलता का एक शानदार उदाहरण है। इसके लिए जनजातीय समुदाय बहुत बड़े श्रेय के हकदार हैं।''

जयशंकर ने कहा कि यह कला सिर्फ रचनात्मकता ही नहीं दिखाती, बल्कि यह एक ''गहरा संदेश देती है, जो प्रकृति और मानवता के बीच की खाई को पाटता हैज बाघों से लेकर जनजातीय समुदायों तक।'' उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी दर्शाती है कि लोग प्रकृति के साथ पूर्ण सामंजस्य स्थापित करके रह सकते हैं और यह इस बात की कहानी है कि कैसे जनजातीय समुदाय ने सहस्राब्दियों से प्रकृति के साथ एक स्थायी रिश्ता बनाए रखा है। जयशंकर ने अपने संबोधन में 'अंत्योदय' के दर्शन की बात की, जिसका अर्थ है- किसी को पीछे न छोड़ना। उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ एक नीति नहीं है, यह हमारी सरकार की आत्मा और मार्गदर्शक सिद्धांत है।''

मंत्री ने कहा, ''हम सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें हाशिए पर पड़े समुदाय, विशेषकर हमारी जनजातीय आबादी के उत्थान पर विशेष ध्यान दिया गया है। लक्षित नीतियों के माध्यम से हम अवसर पैदा कर रहे हैं, अपने जनजातीय युवाओं के लिए स्थायी आजीविका के साथ शिक्षा को बढ़ावा दे रहे हैं।'' उन्होंने रेखांकित किया कि 'आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम' इन क्षेत्रों में रहने वाले जनजातीय समुदाय के जीवन को आसान बनाने में सहायक रहा है।

विदेश मंत्री ने कहा, ''भारत की विकास यात्रा पर्यावरण संरक्षण के साथ बहुत गहराई से जुड़ी हुई है।'' उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बाघों को कला में दर्शाया गया है और कुछ समुदाय उनकी पूजा भी करते हैं।

जयशंकर ने कहा कि जनजातीय लोगों और पर्यावरण के बीच एक ''भावनात्मक संबंध'' है और इस प्रदर्शनी को देखने के बाद मन में 'धरती माता' का भाव आता है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदायों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों को विदेश में लोगों को उपहार के रूप में प्रस्तुत करना एक विदेश मंत्री के रूप में मेरे लिए ''गर्व की बात'' होगी। बाद में उन्होंने प्रदर्शनी की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी साझा कीं।

बिहार में जहरीली शराब के धंधे से जुड़े लोग राजद पार्टी से : विजय सिन्हा

पटना। बिहार में जहरीली शराब से हुई मौतों पर प्रदेश के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। सिन्हा ने दावा किया कि इसके पीछे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के लोगों का हाथ है। शराब के धंधे में शामिल लोगों को टिकट देने का काम राजद करती है। डिप्टी सीएम सिन्हा ने कहा कि नीतिश सरकार मुद्दे पर गंभीर है, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। नीतिश सरकार आरोपियों पर कार्रवाई कर रही है और सभी शराब माफियाओं पर सख्ती से कार्रवाई होगी। जब मैं विपक्ष में था, तब मैंने इन मुद्दों पर सवाल उठाए थे, लेकिन तब तेजस्वी कुछ नहीं बोलते थे। नीतिश सरकार इस तरह की घटनाओं पर गंभीरता से विचार कर रही है, पहले भी इस तरह की घटनाएं हुई थी। हम उन लोगों की पहचान कर रहे हैं जो इन घटनाओं के पीछे हैं। बिहार के गरीबों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। राजद पर हमला कर कहा कि राजद नेता अपने पिछले बयानों पर ध्यान दें, जब उन्होंने शराबबंदी के लिए समर्थन किया था। आज भी शराबबंदी बिहार में पूरी तरह से लागू है। हम सभी को मिलकर इस लागू करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। बिहार में शराब माफियाओं पर सख्त कार्रवाई होगी। राजद के लोग भी शराबबंदी के समर्थन में थे, इसलिए अब उनकी जिम्मेदारी बनती है कि वह अपराधियों को बचाने का खेल बंद करें। उन्होंने चिराग पासवान द्वारा उत्तर प्रदेश में उम्मीदवार उतारे जाने पर कहा, जनता मालिक है, जनता जो फैसला करेगी वह स्वीकार होगा।

2500 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों से लैस होगा प्रयागराज... महाकुंभ-2025 को लेकर योगी का फूलफुप प्लान

-24 घंटे पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी

प्रयागराज (एजेंसी)। योगी सरकार महाकुंभ-2025 को दिव्य और भव्य बनाने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। महाकुंभ से पहले पूरे शहर को भव्य रूप से सजाने का काम चल रहा है। वहीं दूसरी ओर महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भी खास इंतजाम हो रहे हैं। पुलिस जहां चप्पे-चप्पे पर नजर रखेगी, वहीं, दूसरी ओर आधुनिक के जरिए सुरक्षा व्यवस्था को और भी पुख्ता करने की तैयारी चल रही है। इसमें सबसे अहम रोल एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित सीसीटीवी कैमरे निभाएंगे। पूरे शहर में 2500 से ज्यादा सीसीटीवी लगाने की तैयारी है। इसमें एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे भी शामिल है, जिन्हें सीधे कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में महाकुंभ के कामों को लेकर समीक्षा की थी। मेला अधिकारी विजय किरण आनंद ने बताया कि सीएम ने अधिकारियों को 15 दिसंबर तक सारे काम पूरे करने के निर्देश दिया है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के निर्देश दिए गए है, ताकि महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को असुविधा ना हो। इसके बाद प्रयागराज में विकास कार्यों ने रफ्तार पकड़ ली है।

मेला अधिकारी आनंद ने बताया कि प्रमुख स्थानों और मेला क्षेत्र में एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाने की तैयारी है। अब तक एक हजार सीसीटीवी को विभिन्न स्थानों पर इंस्टॉल भी किया जा चुका है। इसके अलावा शहर के विभिन्न स्थानों पर 80 वीएमडी टीवी स्क्रीन को लगाया जाएगा। इसके जरिये विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियों को डिस्पले किया जाएगा। महाकुंभ में करीब 25 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

महाकुंभ मेला को लेकर हेल्पलाइन 1920 के लिए डेडिकेटेड 50 सीटर कॉल सेंटर बनाया जा रहा है, जहां पर 24 घंटे पुलिसकर्मी तैनात रहने वाले है। यहां से पल-पल का अपडेट अधिकारियों के साथ शेयर किया जाएगा। वहीं कोई संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या फिर अगर किसी स्थान पर ज्यादा भीड़ एकत्रित होती है, तब संबंधित चौकी और थाने को सूचना दी जाएगी। ताकि वहां से भीड़ को कम किया जा सके। साथ ही भीड़ को एक जगह एकत्रित होने से रोकने के लिए रियल टाइम अलर्ट सीसीटीवी कैमरे अहम रोल निभाएगा।

जम्मू-कश्मीर सरकार राज्य का दर्जा बहाल करना चाहती है, अनुच्छेद 370 नहीं: इंजीनियर राशिद

श्रीनगर (एजेंसी)। बारामूला से सांसद शेख अब्दुल राशिद ने कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार के अनुच्छेद 370 नहीं, बल्कि सिर्फ राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाला प्रस्ताव पारित करने की खबरें हैं, जो 'बहुत दर्दनाक' है और सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के सैद्धांतिक रुख से 'भटकने जैसा' है। इंजीनियर राशिद के नाम से मशहूर शेख अब्दुल राशिद की यह टिप्पणी जम्मू के अखबार दैनिक एक्सेलसियर में प्रकाशित उस खबर के बाद आई है, जिसमें कहा गया है कि अब्दुल्ला सरकार ने केंद्र से जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के अनुरोध वाला प्रस्ताव पारित किया है। खबर में यह भी कहा गया है कि प्रस्ताव का मसौदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सौंपने के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला खुद दिल्ली जाएंगे।

हालांकि, खबर की न तो आधिकारिक पुष्टि हुई है और न ही इसका खंडन किया गया है। राशिद ने कहा, ''ऐसी खबरें हैं कि राज्य का दर्जा बहाल करने के अनुरोध वाला प्रस्ताव पारित किया गया है। कुछ भी पारित करना उनका अधिकार है। लेकिन हम उमर को याद दिलाना चाहते हैं कि उन्होंने अनुच्छेद 370 और 35ए तथा राज्य के दर्जे के बहाली की वादे को लेकर चुनाव लड़ा था।'' उन्होंने श्रीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''इसलिए ऐसी खबरें बहुत दर्दनाक हैं कि केवल राज्य के दर्जे के संबंध में प्रस्ताव पारित किया गया है। यह उमर की पार्टी के सैद्धांतिक रुख से भटकने के समान है।''

राशिद ने कहा, ''प्रधानमंत्री और (केंद्रीय) गृह मंत्री ने कई बार राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया है। तो उमर यही चीज क्यों चाह रहे हैं? वह उस चीज को क्यों मांग रहे हैं, जो भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) पहले से ही देने को तैयार है?'' उन्होंने कहा, ''इसका मतलब है कि वह (अनुच्छेद) 370 और 35ए के बारे में बात करने को तैयार नहीं हैं। यह सिर्फ दिखावा है और वह उस एजेंडे से भटक रहे हैं, जिस पर उन्होंने चुनाव लड़ा था।'' आवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के प्रमुख राशिद ने कहा, ''ऐसा लगता है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा के बीच कुछ चल रहा है। वे लुका-छिपी का खेल खेल रहे हैं। केंद्र को उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार राज्य का दर्जा बहाल करना है।''

उन्होंने कहा, ''अब्दुल्ला सिर्फ शहीदों में शुमार होना चाहते हैं। वह अन्य मुख्य मुद्दों से भागना चाहते हैं... यह शेख मोहम्मद अब्दुल्ला के प्रधानमंत्री से मुख्यमंत्री बनने के बाद किए गए धोखे जैसा है।'' शपथ ग्रहण समारोह के दिन तीन बार पोशाक बदलने के लिए उमर पर निशाना साधते हुए राशिद ने कहा कि इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री शपथ लेकर बहुत खुश थे, जबकि उन्हें उस दिन गंभीर होना चाहिए था। उन्होंने कहा, ''मैं इसे लेकर उन पर हमला नहीं कर रहा हूं। यह उनका निजी फैसला है और वह जो चाहें, करने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन, चूंकि वह एक मुख्यमंत्री हैं, इसलिए हमें इन चीजों पर ध्यान देना पड़ता है।''

एआईपी प्रमुख ने कहा, ''इसका मतलब है कि उन्हें असल मुद्दों की कोई चिंता नहीं है। ऐसा लगता है कि वह भाजपा के साथ अपनी दोस्ती को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं, जैसे कि उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की तारीफ की।'' उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार को केंद्र के समर्थन की जरूरत है और 'हम चाहते हैं कि केंद्र प्रशासनिक और विकास संबंधी मुद्दों पर सरकार का समर्थन करे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उमर अपने रुख से भटक जाएं।'

राशिद ने आरोप लगाया, ''वह (उमर) मोदी और भाजपा सरकार के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने का बहाना ढूंढ रहे हैं। उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि अगर भाजपा 100 साल तक सत्ता में रहती है, तो क्या कश्मीरियों को अपने अधिकार मांगने के लिए 100 साल तक इंतजार करना चाहिए।'' उन्होंने सरकार से दरबार स्थानांतरण की प्रथा को भी बहाल करने का आग्रह किया, जिसके तहत सर्दियों में छह महीने के लिए शासन जम्मू और गर्मियों में छह महीने के लिए श्रीनगर से चलाया जाता है। एआईपी सांसद ने कहा, ''उन्हें (उमर) लोगों को बताना चाहिए कि कौन-सा शहर केंद्र-शासित प्रदेश की राजधानी है---श्रीनगर या जम्मू। उनकी सरकार कहां बैठेगी।'' उन्होंने कहा, ''हम चाहते हैं कि दरबार स्थानांतरण की परंपरा बरकरार रहे। यह दोनों क्षेत्रों के बीच जुड़ाव का सूत्र है।

आप सरकार जागेगी तो दिल्ली की समस्याएं हल हो जाएंगी

राजधानी में वायु गुणवत्ता खराब, बीजेपी नेता शहजाद व तिवारी ने बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर वायु गुणवत्ता खराब होने लगी है। सर्दी शुरु होने और दीपावली के पहले ही हवा का स्तर काफी नीचे पहुंच गया है। दिल्ली में खराब होती वायु गुणवत्ता को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) पर बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने हमला बोला और कहा कि पिछले दस सालों से दिल्ली में आप सरकार प्रदूषण को कम नहीं कर पाई है। उन्होंने लोगों से दिल्ली विधानसभा चुनावों में बीजेपी का समर्थन करने का आग्रह किया है।

मनोज तिवारी ने कहा कि पिछले दस सालों से दिल्ली में काबिज आप सरकार का प्रदूषण कम करने का कोई इरादा नहीं है...प्रदूषण फिर से खतरनाक होता जा रहा है। नदी और हवा प्रदूषित हो रही है। लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यह तो बस शुरुआत है। 4-5 महीने बाद चुनाव हैं, मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि दिल्ली को फिर से दिल्ली बनाने के लिए बीजेपी को मौका दें। आप सरकार तब जागती है जब कोई समस्या होती है। दिल्ली की समस्याएं उस दिन हल हो जाएंगी जिस दिन वे समस्या आने से पहले जागना शुरू कर देंगे।

वहीं बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि दिल्ली जहरीली गैस चैंबर बनती जा रही है और इसके लिए उन्होंने आप सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। शहजाद ने कहा इसके लिए आप की आरोप-प्रत्यारोप की प्रदूषित राजनीति जिम्मेदार है। पंजाब में पराली जलाने का क्या हुआ, जिसे अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में प्रदूषण का मुख्य कारण बताया था? बायो डीकंपोजर का क्या हुआ? पराली जलाना से पहले ही शुरू हो चुका है।

अरविंद केजरीवाल और उनकी सरकार ने पटाखों पर बैन लगा दिया लेकिन प्रदूषण के इन कारणों का क्या, जो मुख्य कारण हैं? पंजाब में पराली जलाने के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं। बीजेपी नेता ने आगे कहा कि आप और अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के नागरिकों के स्वास्थ्य को खतरे में डाल दिया है। शहजाद ने कहा कि वाहन प्रदूषण, औद्योगिक प्रदूषण, धूल, बायोमास जलाना, पिछले दस सालों में इनके बारे में क्या किया गया है? कुछ भी नहीं। स्मोक टावरों का क्या हुआ? स्मोक टावर बंद हो गए हैं। अब वे केवल दोष लगाने का खेल खेलेंगे। हमारे नागरिकों का स्वास्थ्य खतरे में है और इसका कारण आप और केजरीवाल हैं।

शिंदे सरकार ने लाडकी बहिन योजना के प्रचार में ही खर्च कर दिए 200 करोड़

-आरटीआई से हुआ खुलासा, सरकार पर उठ रहे सवाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। मध्य प्रदेश की तर्ज पर महाराष्ट्र सरकार ने सीएम एकनाथ शिंदे मांझी लाडकी बहिन योजना शुरू की है। सरकार ने इस योजना के प्रचार-प्रसार में करीब 200 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इसका खुलासा सूचना के अधिकार (आरटीआई) से हुआ है। सरकार ने सिर्फ एक योजना का प्रचार करने लिए करीब 200 करोड़ रुपये खर्च कर डाले। बाकी योजनाओं की बात तो अलग ही है।

महाराष्ट्र सरकार ने इसी साल जुलाई में लाडली बहिन योजना शुरु की थी। इस योजना के तहत महिलाओं को हर माह 1500 रुए दिए जा रहे हैं, लेकिन महाराष्ट्र सरकार ने योजना के प्रमोशन के लिए मात्र चार महीने में ही 199,81,47,436 करोड़ खर्च कर दिए हैं। शिंदे सरकार ने लाडली बहिन योजना के लिए हर साल 46 हजार करोड़ का बजट पास किया है। सरकार ने सिर्फ एक योजना के लिए चार महीने में करीब 200 करोड़ खर्च कर दिए, जो अब सवालों के घेरे में है। अमरावती के एक आरटीआई कार्यकर्ता ने सरकार से सूचना के अधिकार के तहत इसकी जानकारी मांगी थी। इसका जवाब सरकार ने दिया और बताया कि विविध माध्यमों द्वारा सरकार ने इसके प्रचार-प्रसार में 199,81,47,436 यानी करीब 200 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। अब इस जानकारी के बाद आरटीआई कार्यकर्ता ने सरकार पर सवाल उठाया है कि अगर यह योजना इतनी लाभकारी है तो उसे इतना प्रचारित करने की जरूरत क्यों पड़ी? जनता के टैक्स के पैसे की बर्बादी सरकार ने क्यों की? ये आंकड़ा सिर्फ प्रचार प्रसार का है। वहीं सरकार ने इस योजना के लिए कई कार्यक्रम और रैलियां की हैं जिसमें करोड़ों रुपये खर्च किए हैं। अगर इसे भी जोड़ दिया जाए तो ये खर्च का कुल आंकड़ा 500 करोड़ तक भी पहुंच सकता है। बता दें कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव एक ही चरण में 20 नवंबर को होना है। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। देखने होगा कि शिंदे सरकार की यह योजना का असर लोगों पर कितना हुआ है।

भूस्खलन की भविष्यवाणी करेगा ये एप... आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर ने किया तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआईटी दिल्ली ने लैंडस्लाइड यानी भूस्खलन की भविष्यवाणी और मैपिंग के लिए वेब एप तैयार किया है। इससे किसी भी इलाके की लैंडस्लाइड हिस्ट्री 3 से 5 मिनट में तैयार होती है। आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर मानाबेंद्र सहारिया ने तैयार किया है। इस एप का नाम है कासकेड दिया है।

यह एप लैंडस्लाइड वाले इलाकों की मैपिंग करता है। अभी देश में लैंडस्लाइड मैपिंग का काम असल में भूस्खलन वाली जगह पर जाकर होता है। इसमें काफी ज्यादा समय लगता है। देश में कई ऐसी जगहें हैं, जहां पहुंच पाना मुश्किल होता है। ये वेब एप इस काम को सैटेलाइट इमेज से 3 से 5 मिनट में पूरा कर देता है।

लैंडस्लाइड मैपिंग से पता लगाना आसान होगा, कि किसी जगह पर पहले लैंडस्लाइड होते रहे हैं। माना जाता है कि अगर किसी जगह पर पहले लैंडस्लाइड हुआ है, तब वहां फिर लैंडस्लाइड होगा। कई बार यह जानकारी न होने के चलते लोग पहाड़ों पर घर बना लेते हैं. सड़क बन ली जाती हैं। इससे नुकसान होता है।

लेकिन यह एप लैंडस्लाइड के बाद रीहैब में भी मदद करती है। इस एप से यह पता लगाना आसान होता है, कि उस जगह पर मौजूद कोई मकान, रेलवे लाइन या फिर सड़क को कितना नुकसान हुआ है। इंश्योरेंस क्लेम में इसका डेटा काफी मददगार साबित होगा।

क्या होती है लैंडस्लाइड?

लैंडस्लाइड या भूस्खलन सिर्फ पहाड़ों पर ही नहीं होते है। हिमालय से लेकर केरल तक हो रहे हैं। यह एक नार्मल प्रक्रिया है, इसमें जमीन या पर्वत का बहुत बड़ा हिस्सा खिसकता है। संतुलन और स्थिरता खोता है। तब वह नीचे की ओर सरकता है। बीते 10-15 वर्षों में मौसमी आपदाओं का आना बढ़ गया है। इसकी वजह से पहाड़ी ढलानें स्थिरता नहीं पा रही हैं। इस पाने के लिए ऊपर से नीचे की तरफ खिसक जाते हैं। आमतौर पर इस प्रक्रिया को लैंडस्लिप कहते हैं। जब लैंडस्लिप बड़े पैमाने पर होता है, तब इस घटना को लैंडस्लाइड कहा जाता है।